कानपुर में बढ़ सकता 400 करोड़ का निर्यात कारोबार - 12

संघ दिखाएगा भाजपा प्रदेश व राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को हरी झंडी - 12

अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्रोत ईंधन का परीक्षण- 13

ऋषभ पंत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे- 14

आज का मौसम
36.0⁰ अधिकतम तापमान
29.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.30
सूर्यास्त 07.07

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 11:23 तक उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 25 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 245, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

95 लाख के ईनामी 26 नक्सलियों का सरेंडर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के तीन जिलों कांकेर, नारायणपुर और सुकमा में गुरुवार को सुरक्षा बलों तथा पुलिस को तब बड़ी सफलता हाथ लगी जब 95 लाख के ईनामी कंपनी कमांडर सहित 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। समर्पण करने वालों में नौ महिला नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने में उत्तर बस्तर में सक्रिय 62 लाख के ईनामी 13 नक्सली शामिल हैं जिसमें पांच महिला भी हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कंपनी कमांडर मंगलू उर्फ रूपेश कोमरा और उत्तर बस्तर डिविजन का कमांडर इन चीफ मैनू नेगी भी है। मंगलू पर 10 लाख जबकि मैनू पर आठ लाख का ईनाम घोषित है। सरेंडर करने वालों में 10 लाख का एक, आठ-आठ लाख के चार, 5-5 लाख के तीन और एक-एक लाख के पांच नक्सली हैं।

तीन छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर का विकास

नई दिल्ली। भारत तीन प्रकार के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित कर रहा है, जिनमें से एक रिएक्टर विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन के लिए होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि ये रिएक्टर मुख्यत: ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए कैप्टिव प्लांट्स के रूप में इस्तेमाल किए जाएंगे। सिंह ने बताया कि स्वदेशी रूप से विकसित किए जा रहे तीन रिएक्टरों में 200 मेगावाट विद्युत क्षमता वाला भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर, 55 मेगावाट क्षमता वाला एसएमआर, और पांच मेगावाट थर्मल गैस कूल्ड रिएक्टर शामिल हैं।

आरोपियों को बरी करने के फैसले पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी, लेकिन कहा कि उन्हें फिलहाल जेल लौटने की जरूरत नहीं है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को नजीर न माना जाए। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले के सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया और राज्य सरकार की अपील पर उनसे जवाब मांगा। पीठ ने कहा कि हमें सूचित किया गया है कि सभी प्रतिवादियों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें वापस जेल भेजने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

ब्रिटेन से मुक्त व्यापार समझौता

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर | ऐतिहासिक समझौते से दोनों देशों में बढ़ेगा 34 अरब डॉलर का व्यापार

- समझौते से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को शुल्क से राहत
- ब्रिटेन से कारों और अन्य उत्पादों का निर्यात भी आसान होगा

लंदन, एजेंसी

भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिससे सालाना द्विपक्षीय व्यापार में करीब 34 अरब डॉलर का इजाफा होने की उम्मीद है। इस समझौते से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने के साथ ब्रिटिश व्हिस्की, कारों एवं कई अन्य वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में भी कटौती होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड ने हस्ताक्षर किए। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि इस एफटीए के लागू होने से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को शुल्क से राहत मिलने की उम्मीद है। यह ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्हिस्की, कारों और अन्य उत्पादों का भारत में निर्यात भी आसान करेगा। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल व्यापार में बढ़ोतरी होगी। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। इससे भारतीय वस्तुओं को सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि भारत को लगभग 99 प्रतिशत उत्पाद श्रेणियों के पूरी तरह शुल्क-मुक्त होने से फायदा होगा। यह छूट लगभग 100 % व्यापार मूल्य को समाहित करती है। ब्रिटेन ने कहा कि समझौते के बाद भारतीय उपभोक्ताओं को सॉफ्ट ड्रिंक, सौंदर्य प्रसाधन, कार एवं चिकित्सा उपकरण जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक आसान पहुंच मिलेगी।

मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद हाथ मिलाते प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश समकक्ष स्टार्मर। ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन और भारत के उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन

समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत-ब्रिटेन संबंधों में ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इससे पहले, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने गुरुवार वार को प्रधानमंत्री मोदी की अपने आधिकारिक आवास चेकर्स में मेजबानी की।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं

लंदन/नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं है और उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरुपयोग नहीं करने दिया जाएगा। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लंदन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रेस वक्तव्य में कहा कि लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए ब्रिटेन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता।

रूस में विमान क्रैश 48 लोगों की मौत

- ब्लागोवेशचेंस्क से तिंडा जाते समय चीन सीमा पर हुआ क्रैश
- लैंडिंग करने के प्रयास में पहाड़ी से टकराया, लगी भीषण आग

मॉस्को, एजेंसी

रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में हुई विमान दुर्घटना में 48 लोगों की मौत हो गई है। अमूर क्षेत्र के प्रमुख ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बताया कि एएन-24 यात्री विमान रूस-चीन सीमा पर स्थित ब्लागोवेशचेंस्क शहर से तिंडा शहर की ओर उड़ान भरते समय रडार से गायब हो गया था। बाद में बचावकर्मियों को घने जंगलों से घिरी एक पहाड़ी पर विमान का जलता हुआ मलबा मिला। क्षेत्र के गवर्नर वैसिली ओर्लोव ने कहा कि विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य दुर्घटना में मारे गए। उन्होंने तीन दिन के शोक की भी घोषणा की।

मीडिया में आईं खबरों में बताया गया कि एंटोनोव एएन-24 टर्बोप्रॉप विमान पूर्वी साइबेरिया के तिंडा हवाई अड्डे पर उतरने का दूसरा प्रयास करते समय एक पहाड़ी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चीनी सीमा के निकट अमूर क्षेत्र के गवर्नर ने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि विमान में 43 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। गवर्नर ने कहा कि तिंडा हवाई अड्डे के निदेशक के अनुसार टक्कर के बाद, विमान में आग लग गई और उस क्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे एमआई-8 हेलीकॉप्टर के चालक दल ने किसी के भी जीवित बचे होने की सूचना नहीं दी। क्षेत्रीय अंगारा एयरलाइंस का 50 साल पुराना विमान खाबरोवस्क-तिंडा-ब्लागोवेशेंस्क मार्ग पर उड़ान भर रहा था।

रेडियो बीएफएम ने कुछ विशेषज्ञों के हवाले से बताया कि खराब मौसम के दौरान मानवीय चूक दुर्घटना का संभावित कारण है। दूसरी ओर इंजन की समस्या को भी दुर्घटना के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है।

क्रैश हुए रूसी विमान का मलबा।

3 लोगों की जान लेने के बाद काबू में आई बाघिन

- पकड़ने के लिए जंगल में उतरी थी 90 लोगों की टीम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : न्यूरिया क्षेत्र में तीन लोगों की जान लेने के बाद गुरुवार को नरभक्षी बाघिन पकड़ी गई। गुरुवार सुबह डंडिया गांव में बाघिन की मौजूदगी की सूचना मिलते ही उसे पकड़ने के लिए 90 लोगों की टीम जंगल में उतरी। 11 घंटे चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद गुरुवार शाम 6:38 बजे पकड़ी गई। अभी उसे पिंजरे में कैद करके रखा गया है।

बता दें 9 जून से अब तक बाघिन ने तीन लोगों को मारा। रेस्क्यू की गई बाघिन को पीलीभीत टाइगर रिजर्व स्थित सेफ हाउस में रखा गया है। जहां एक्सपर्ट्स स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि बाघिन को रेस्क्यू कर लिया गया है।

पिंजरे में कैद बाघिन।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी का छापा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित ऋण घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को कई जगह छापे मारे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कंपनियों द्वारा लिए गए बैंक ऋणों के अलावा कुछ अघोषित विदेशी संपत्तियां भी एजेंसी की जांच के दायरे में हैं। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई में 35 से अधिक परिसरों में छापेमारी की जा रही है। ये परिसर 50 कंपनियों और करीब 25 लोगों से जुड़े हैं।

पांच लोगों के हत्यारे को मौत की सजा

- प्रेमी की पत्नी को उम्रकैद, दोनों पर 2,20,000 रुपये जुर्माना भी

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार : प्रेमिका और उसके चार मासूम बच्चों की हत्या करने के दोषी प्रेमी को अपर सत्र न्यायाधीश अनुराग कुरील ने गुरुवार को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसकी पत्नी को भी आजीवन कारावास की सजा दी। दोनों पर 2,20,000 रुपये अर्थदंड भी लगा है।

जिला शासकीय अधिवक्ता श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि राजापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमान गांव के बाहर 25 अप्रैल 2017 को महिला सहित 5 बच्चों के शव मिले थे। महिला की पहचान बिहार के पटना जिले की माधवपुर निवासी लालमुनी देवी उर्फ रीना पत्नी सत्यानंद के रूप में हुई थी। शव उसके बच्चों रीता, संगीता, गीता व किशुन के थे। लालमुनी देवी का पति सत्यानंद मानसिक बीमार था और घटना से दो साल पहले घर छोड़कर कहीं चला गया था। इस दौरान लालमुनी देवी चित्रकूट के राजापुर थाना क्षेत्र के अमवा गांव निवासी अवधेश यादव के संपर्क में आ गई। कुछ समय बाद लालमुनी ने अवधेश पर बच्चों के साथ गांव चलकर रहने का दबाव बनाया और ऐसा न करने पर पुलिस में जाने की बात कही थी। अवधेश ने पत्नी मंटू देवी उर्फ कुसुमकली के साथ उसे रास्ते से हटाने का निर्णय लिया।

अंदर देखें ... यूरेका

अच्छी पहल | योगी सरकार ने कृषि श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में की बढ़ोत्तरी

अब कृषि श्रमिकों को मिलेगा 6552 प्रतिमाह

- नकद, उपज और डिजिटल भुगतान के तीन विकल्प लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने कृषि मजदूरों के हित में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए न्यूनतम मजदूरी की दरों में व्यापक संशोधन किया है। अब राज्य के सभी जिलों में कृषि कार्यों से जुड़े वयस्क श्रमिकों को 252 रुपये प्रतिदिन या 6552 रुपये प्रति माह न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। पहले 240 रुपये प्रति दिन और 6240 रुपये प्रतिमाह मिलती थी।

इस निर्णय से लाखों खेतिहर मजदूरों, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन जैसे कृषि आधारित उद्योगों से जुड़े लोगों को वित्तीय सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का आधार मिलेगा। यह फैसला न केवल श्रमिक कल्याण, बल्कि कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की स्थायित्व और उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शनमुगा सुन्दरम् ने बताया कि यह दरें राज्य के हर प्रकार की खेती पर लागू होंगी। मजदूरी का भुगतान अब नकद, आंशिक नकद, कृषि उपज या डिजिटल माध्यमों से किया जा सकता है, लेकिन किसी भी स्थिति में मजदूरी की कुल राशि विहित दर से कम नहीं होनी चाहिए। शासनादेश में कहा गया है कि न्यूनतम मजदूरी की प्रति घंटे दर भी दैनिक मजदूरी का 1/6 भाग से कम नहीं हो सकेगी।

श्रमिक नीति में मूलभूत बदलाव का संकेत

योगी सरकार का यह फैसला सिर्फ मजदूरी तय करने का नहीं, बल्कि यह यूपी की श्रमिक नीति में मूलभूत बदलाव का संकेत है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और कृषि कार्यों में श्रम की गुणवत्ता व निरंतरता सुनिश्चित होगी। यह निर्णय योगी सरकार की सबका साथ, सबका विकास नीति का एक और उदाहरण है, जिसमें खेतिहर मजदूरों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

कूड़ा डालने के विरोध पर दंपति को पीटा

न्यूरिया, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम पुरवाभूड़ा निवासी ममता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसके दरवाजे पर पड़ोसी पूनम पत्नी लालताप्रसाद रोजाना कूड़ा डालती है। 21 जुलाई को पूनम ने उसके घर के दरवाजे पर जलता हुआ कूड़ा डाला। उसने आग में पानी डाल दिया। इस पर पूनम और उसके पति ने मारपीट की। घर पर आई मेहमान सुमन के साथ भी अभद्रता की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल पर की पूजा

पीलीभीत,अमृत विचार : गांव भौना में एक समुदाय के व्यक्ति ने दूसरे समुदाय के पूजा स्थल पर मनौती के बाद पूजा कर ली। इसकी जानकारी होने पर एक समुदाय के लोगों ने ऐतराज जताते हुए विरोध करना शुरू कर दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और दो युवकों को हिरासत में ले लिया। इंस्पेक्टर जहानाबाद मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि पूछताछ करने पर पता चला कि मुराद पूरी होने के कारण उक्त दोनों युवकों ने पूजा स्थल पर जाकर पूजा की थी। दोनों का शांतिभंग की आशंका में चालान किया गया है।

मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्थाओं की भरमार

स्थापना के बाद भी नहीं लगे बोर्ड, डॉक्टर का पता लगाना मुश्किल, मरीज होते हैं परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज मरीजों के लिए इलाज का केंद्र बनने के बजाय अब अव्यवस्थाओं के चलते परेशानी का सबब बनता जा रहा है। स्वास्थ्य इकाई में न तो डॉक्टरों के चैंबर तय हैं और न ही कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश। हालात यह हैं कि मरीजों को डॉक्टर का पता लगाने के लिए अस्पताल परिसर में भटकना पड़ता है, क्योंकि न तो किसी कक्ष पर नाम लिखा है, न ही भवन के बाहर कोई संकेतांक बोर्ड है। एमसीएच विंग में तो स्थिति और भी बदतर है, जहां डॉक्टर वार्ड में ही मरीजों को देखने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की यह दशा न केवल मरीजों को परेशान कर रही है, बल्कि सरकारी योजनाओं और दावों की हकीकत भी उजागर कर रही है।

जिला संयुक्त अस्पताल को एक अप्रैल 2023 को एलओपी मिलने के बाद पूर्णरुप से मेडिकल कॉलेज के अधीन कर दिया गया था। जहां चिकित्सीय कार्य में काफी बदलाव किया गया। डॉक्टरों की तैनाती करने के बाद कॉलेज में ओपीडी ब्लॉक में 21 विभाग स्थापित किए गए।

अस्पताल में दवा काउंटर के बाहर लगी लाइन। ● अमृत विचार

कक्ष के बाहर नहीं लगे बोर्ड।

● एमसीएच विंग में डॉक्टरों के बैठने के लिए नहीं चैंबर

जिसमें सर्जरी, गाइनी, जरनल मेडिसिन, हड्डी, चर्म, ईएनटी समेत कई अन्य विभाग है। हालांकि मेडिकल कॉलेज बनने से पहले जिला संयुक्त चिकित्सालय हुआ करता था। उस दौरान डॉक्टरों की कमी होती थी। मगर डॉक्टरों की संख्या बढ़ने के बाद भी अव्यवस्थाएं हैं। अस्पताल परिसर में कहीं भी कार्यरत डॉक्टरों की विभागवार सूची नहीं लगाई गई है। ऐसे में मरीजों को पता नहीं चल पा रहा है कि यहां किस-किस बीमारी का इलाज हो रहा है और संबंधित बीमारी का डॉक्टर किस चैंबर में बैठा है। सिर्फ विभाग बनाकर छोड़ दिए गए हैं। इतना ही नहीं किस विभाग में कौन डॉक्टर किस दिन बैठेगा। शासन के निर्देश होने के बावजूद भी पर्चा काउंटर की संख्या अभी तक नहीं बढ़ाई गई है। जबकि सीनियर सिटीजन और महिलाओं का काउंटर अलग से बनाने के लिए कहा गया था। पहले मरीज को पर्चा बनवाने के लिए दो घंटे लाइन में लगना पड़ता है। इसके बाद संबंधित बीमारी के लिए डॉक्टर को स्वयं खोजना पड़ता है। ऐसे में मरीजों को परेशान होना पड़ता है। इधर, पूछताछ काउंटर पर भी कर्मचारी गायब रहते हैं या फिर अन्य कर्मचारी बैठे होते हैं। जिनको संबंधित डॉक्टरों के बारे में जानकारी ही नहीं होती है।

> मेडिकल कॉलेज में ओपीडी ब्लॉक में समस्त विभागों की सूची लगी हुई है। परिसर में बोर्ड लगवाया जाएगा। पूछताछ काउंटर पर कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। पर्चा काउंटर बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है। - **डॉ. रमाकांत सागर**, सीएमएस मेडिकल कॉलेज

महिला अस्पताल में नहीं कक्ष, वार्ड में चल रही ओपीडी

एमसीएच विंग में भी डॉक्टरों की संख्या बढ़ने के बाद ओपीडी में इजाफा हो रहा है। यहां प्रतिदिन 400 के पार मरीजों की भीड़ रहती है। इनमें गाइनी से संबंधित भीड़ अधिक देखने को मिलती है। ओपीडी के नाम पर गाइनी के लिए एक वार्ड जारी कर दिया गया है। जहां डॉक्टर बैठकर ओपीडी करते हैं। ऐसे में मरीजों की भीड़ बनी रहती है। यहां भी डॉक्टरों की कोई सूची या बैठने का निर्धारित दिन समय नहीं लिखा है। ऐसे में मरीज जिस डॉक्टर को पहले दिन दिखाता है। वह उसे अगली बार किस दिन मिलेगा। इसकी जानकारी नहीं होती है। महिला डॉक्टरों की संख्या तो अधिक है, लेकिन ओपीडी में सिर्फ दो या तीन ही दिखाई देती है। ऑपरेशन थियेटर के बाहर लगा हेल्थ एटीएम भी खराब है। जिस वजह से मरीजों की तत्काल जांचें भी प्रभावित हो रखी है। बीते दिनों महिला की मौत मामले में समय से जांच न होने से मौत होने की बात निकालकर आ रही है।

वन विभाग कर रहा परेशान जिलाधिकारी से शिकायत

डीएम से शिकायत करते मतुआ महासंघ के पदाधिकारी व ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: जंगल किनारे बसे ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों पर आए दिन बेवजह परेशान करने का आरोप लगाया है। ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचकर ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की है। बंगाली समाज में व्याप्त समस्याओं को डीएम के सामने रखा गया। डीएम ने समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया।

ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जयकिशन मंडल के नेतृत्व में गुरुवार को दर्जनों ग्रामीण डीएम से मिले। बंगाली समाज की समस्याओं से अवगत कराया। जिसमे बंगाली समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग की। ये भी बताया जंगल किनारे बसे ग्रामीणों को वन विभाग की ओर से परेशान किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा वह पहले से ही जंगल से बाहर आने वाले वन्यजीवों से परेशान हैं। डीएम ने उनकी बात सुनी और आश्वासन दिया। इस मौके पर मिथुन डे, शिवपद मंडल, अजीत डे, आनंद ढाली, नरेश मल्लिक, मनोज गोलदार, विश्वनाथ सरकार, विवेकानंद, चंद्रशेखर मिस्त्री आदि मौजूद रहे।

10 स्थानों पर लगेंगे मेडिकल एसेसमेंट शिविर, तिथि जारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : समग्र शिक्षा अभियान एवं पीएमश्री योजना के तहत बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत उन दिव्यांग बच्चों की दिव्यांगता का परीक्षण कर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। जिनके दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बने है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के निर्देश पर जिले में 10 स्थानों पर मेडिकल एसेसमेंट कैंप लगाए जाएंगे। दिव्यांग परीक्षण शिविर की तिथि तय कर दी गई है।

बीएसए अमित कुमार सिंह ने बताया 25 अगस्त को बीआरसी अमरिया , 30 जुलाई को बीआरसी बरखेड़ा पर दिव्यांग बच्चों की दिव्यांगता के परीक्षण के लिए शिविर लगाए जाएंगे। दिव्यांगता का परीक्षण उन बच्चों का किया जाएगा, जिनके दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बने हैं। बिलसंडा बीआरसी पर 31 जुलाई और जूनियर हाई स्कूल दियोरिया में 5अगस्त को मेडिकल असेसमेंट कैंप लगाया जाएगा। 7 को बीआरसी बीसलपुर, 12 को बीआरसी ललौरीखेड़ा, 13 को बीआरसी मरौरी में मेडिकल असेसमेंट कैंप लगाया जाएगा। पूरनपुर विकासखंड में तीन जगहों पर मेडिकल असेसमेंट कैंप लगाए जाएंगे। 19 को बीआरसी पूरनपुर, 22 को जूनियर हाईस्कूल माधोटांडा, 26 को जूनियर हाई स्कूल कलीनगर में शिविर लगेगा। बीएसए ने बताया शिविर में ईएनटी, ऑर्थोपेडिक, आईडियोलॉजिस्ट, नेत्र सर्जन, साइकोलॉजिस्ट रहेंगे। दिव्यांगों का दिव्यांगता का प्रमाण पत्र न होने के कारण स्कॉलरशिप स्कॉट अलाउंस जैसी योजनाओं का लाभ नहीं रहा था। दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनने के बाद शासन की ओर से दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए चलाई जाने वाली सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांग बच्चों को मिल सकेगा। समस्त खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देश जारी कर कैंपों में अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चों की प्रतिभागिता कराने के निर्देश दिए हैं।

● बीएसए ने शिक्षाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

डीएम से शिकायत पर बंद कराया निर्माण कार्य

बरखेड़ा, अमृत विचार : पंचायत घर में चल रहे निर्माण कार्य पर मानकों की अनदेखी का आरोप लगा। डीएम से हुई शिकायत के बाद फिलहाल काम बंद करा दिया गया। ग्राम पंचायत विक्रमपुर में पंचायत घर के फर्श और रास्ते का आरसीसी निर्माण कराया जा रहा है। पंचायत घर के अंदर आरसीसी फर्श डालने के लिए कई माह पूर्व रोड़ा डलवाया गया था। आरोप है कि फर्श के लिए जो रोड़ा डाला गया था वह काफी कम और पीली ईंट का है।

इसकी पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है। उसके बाद भी मानकों की अनदेखी हुई तो ग्रामीण जमा हुए और विरोध प्रदर्शन किया। इसकी डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से शिकायत की गई। डीएम के निर्देश पर सहायक विकास अधिकारी नजरुल हसन मौके पर पहुंचे और विरोध को देखते हुए काम बंद करा दिया है। बता दें कि पूर्व में हुई शिकायत की जांच सहायक निबंधक सहकारिता कर रहे हैं। निर्माण कार्य बंद कराए जाने से खलबली मची रही।

साइंस क्विज में सतपुरा हाउस ने मारी बाजी

प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बेनहर पब्लिक स्कूल के कक्षा छह से आठ तक के छात्रों ने विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रत्येक कक्षा से समस्त हाउस के छह-छह विद्यार्थियों को उनके साइंस टीचर्स ने एक प्रारंभिक दौर में शार्टलिस्ट किया।

चार हाउस के 18-18 छात्रों को लिया गया। रूपरेखा बनाकर मार्गदर्शन एक्टिविटी इंचार्ज रोशनी बग्गा ने किया। प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी ने शुरुआत कराई। हेडमिस्ट्रेस जूनियर नेहा पांडेय ने उत्साहवर्धन करते सर्वांगीण विकास की आशा व्यक्त की। सर्वाधिक 275 अंक प्राप्त कर सतपुरा हाउस प्रथम स्थान पर रहा। द्वितीय स्थान पर 250 अंकों के साथ हिमालया हाउस और 230 अंक अर्जित करके तृतीय स्थान पर विंध्या हाउस रहा। सतपुरा हाउस में आदित्य राज, फाजिला नूर, सुशांत वर्मा, मानिक गुप्ता, आरेल गंगवार, समर्थ गंगवार, राघव शुक्ला, शौर्य, अर्नब गुप्ता, प्रणव अग्रवाल, सिमरन माथुर, गुरमन कौर, आराध्या सिंह, मो. इवाद , सिद्धांत सक्सेना,सारांश गंगवार, गर्व अग्रवाल और उन्नति राठी थे।

● बेनहर पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

कछला घाट से जल लेकर आए कांवड़ियों पर बरसाए फूल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: कछला से जल लेकर आए कांवड़ियों का मुस्लिम समाज के लोगों के साथ भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई। पटके पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान हर -हर बम बम के जयघोष गूंजते रहे। कांवड़ियों को फल भी वितरित किए गए।

रोडवेज बस स्टैंड के पास एक प्रतिष्ठान के बाहर मुस्लिम समाज के लोग एकत्र हुए। इस दौरान कछला घाट से जल लेकर आए कांवड़ियों का सभी ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल समेत अन्य ने कांवड़ियों को फल का वितरण करते हुए पटका पहनाया। इस मौके पर सैयद शोएब अली, कलीम शम्सी, समीउद्दीन शमसी, अबरार, सोनू महातिया, खुर्रम, सैयद मोहसिन अली, सद्दाम, नदीम वारसी, मोहम्मद फुरकान, इरफान, गुलाम रसूल, गुफरान, तारिक अली, अबरार हुसैन, अभिषेक सिंह, हसीन आतिशबाज, शाहिद हुसैन, सभासद राशिद हुसैन, सभासद साकेत सक्सेना समेत अन्य रहे।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्ष करते लोग। ● अमृत विचार

● भाजपा जिलाध्यक्ष, नगरपालिकाध्यक्ष और सभासद हुए शामिल

ऐमी गोशाला के डीएम ने परखे इंतजाम

पीलीभीत, अमृत विचार : डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार को ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ऐमी की अस्थायी गोशाला का निरीक्षण किया। निराश्रित गोवंशीय पशुओं के लिए भूसा, पानी, हरा चारा, साफ-सफाई का जायजा लिया। गायों की जानकारी ली और गुड़ खिलाया। भूसे की उपलब्धता जानी। उन्होंने गोशाला में नैपियार घास लगाने और गौशाला को स्थायी बनाने के निर्देश दिए। परिसर की चहारदीवारी कराने की मांग की गई। इस पर डीएम ने आश्वस्त किया। परिसर में पौधारोपण किया गया।

लापरवाही पर एडीओ पंचायत समेत दो का वेतन कटा

पीलीभीत, अमृत विचार : आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही बरतने पर पूरनपुर ब्लॉक के एडीओ पंचायत समेत दो लोगों का एक दिन का वेतन काट दिया गया। यह कार्रवाई डीपीआरओ ने दी। डीपीआरओ ने दोबारा लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापरक निस्तारण को लेकर शासन-प्रशासन की ओर से लगातार दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके बावजूद इस कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। ऐसा ही एक मामला पूरनपुर ब्लाक का सामने आया है। पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक ने आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई थी। यहां एडीओ पंचायत अजय देवल के अधीन कार्य करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर संजीव कुमार ने निस्तारण में गलत आख्या लगाकर अपलोड कर दिया। शिकायतकर्ता जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ। शासन स्तर से हुई समीक्षा में पांच शिकायतों की जांच आख्या खराब पाई गई। इस पर डीपीआरओ रोहित भारती ने एडीओ पंचायत अजय देवल और कंप्यूटर ऑपरेटर संजीव कुमार का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। चेतावनी दी यदि आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीपीआरओ ने बताया कि एडीओ पंचायत और कंप्यूटर ऑपरेटर का एक-एक दिन का वेतन काटा गया है।

क्षमता से मिली अधिक सवारी, वाहन सीज

पीलीभीत, अमृत विचार : एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने गुरुवार को विभिन्न मार्गों पर चेकिंग की। इस दौरान जालंधर से बहराइच रुपईडीहा जाती दो बसें मिली। एक बस में 54 सीट की क्षमता पर 72 सवारी जबकि दूसरी बस में 65 सीट क्षमता पर 87 सवारियां बैठीं मिली।

नियमों का उलंघन्न पर दोनों का चालान कर दिया। इसके अतिरिक्त बरेली मार्ग पर दो माल वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक माल पाए गए। जिस पर उनको सीज किया गया। एक वाहन बकाया टैक्स में संचालित मिला। अंतिम टैक्स दिसंबर 2024 तक का ही जमा था और फिटनेस भी समाप्त हो चुकी थी। इस पर वाहन को सीज कर दिया गया। दो अन्य वाहनों के विरुद्ध टैक्स बकाया में चालान किया गया। 1.24 लाख रुपये शुल्क प्रशमित किया गया।

पूरनपुर नगरपालिका के सीमा विस्तार पर उठाए सवाल, डीएम से शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पूरनपुर नगर पालिका के सीमा विस्तार को लेकर एक बार फिर शिकायत हुई है। सपा जिलाध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा।

सपा के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में कार्यकर्ता गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि नगर पालिका पूरनपुर का वर्तमान में सीमा विस्तार का प्रपोजल भेजा गया है। उसमें नगर पालिका पूरनपुर की चारों दिशाओं का सीमा विस्तार न करके जिम्मेदारों ने निजी स्वार्थ की सिद्धि के लिए उन कॉलोनियों को मिलाया है, जिससे चुनावी उम्मीद पूरी की जा सके। जबकि सीमा विस्तार नगर से सटी चारों दिशाओं में होना चाहिए। नगरपालिका पूरनपुर की चारों दिशाओं में नगर की सीमा से मिली हुई कई ग्राम पंचायत हैं। जिसमें पूरनपुर देहात भी है। सीओ कार्यालय, महिला चिकित्सालय, ब्लॉक, सीओ आवास नगर पालिका की सीमा में होते हुए भी इसे उससे बाहर ग्राम पंचायत में रखा गया है। इन ग्राम पंचायतों में अधिकांश संख्या पासवान, वाल्मीकि, किसान, अल्पसंख्यक और सिख समाज की है। ऐसे में अधूरे सीमा विस्तार को रोकने और पुनः जांच कराकर चारों दिशाओं को नगर से जोड़ने की मांग की गई है। इस मौके पर इम्तियाज अल्वी, मखदूम खान, अकबर अहमद, मोहम्मद मियां, हाजी लाडले, हरगोविंद गंगवार आदि मौजूद रहे।

डीएम को ज्ञापन सौंपते सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा व अन्य। ● अमृत विचार

तैयारी दो लाख से अधिक किसानों से संपर्क करेगा गन्ना विभाग, मौके पर ही होगा आपत्तियों का निस्तारण

गन्ना सर्वे सट्टा प्रदर्शन के लिए 108 टीमें लगाई गईं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिले में गन्ना सर्वे के बाद अब गन्ना विभाग की ओर से सर्वे सट्टा प्रदर्शन का कार्य शुरू किया गया है। सर्वे सट्टा प्रदर्शन में 108 टीमें लगाई गई। यह टीमें गांव-गांव जाकर दो लाख से अधिक गन्ना किसानों से संपर्क करेगी और यदि किसानों की ओर से सर्वे को लेकर कोई आपत्ति दर्ज कराई जाती है तो संबंधित आपत्ति का मौके पर निस्तारण किया जाएगा।

शासन के निर्देशानुसार गन्ना विभाग की ओर से जिले में 1 मई से 30 जून तक गन्ना सर्वे किया गया था। गन्ना सर्वे के दौरान 2.36 किसानों के 5.02 लाख प्लॉटों का गन्ना सर्वे किया गया। इस वर्ष गन्ना क्षेत्रफल 1.07 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया जो कि विगत वर्ष के बराबर है। इस अब गन्ना सर्वे के बाद ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन का कार्य शुरू किया गया है। सट्टा प्रदर्शन के लिए जनपद में 108 टीमें बनाई गई हैं। जिसमें गन्ना विकास परिषद पीलीभीत में 20 टीमें, बीसलपुर और पूरनपुर में 32-32, बरखेड़ा 21 और मझोला में 4 टीमें बनाई गई हैं। जिन किसानों के नाम गन्ना सर्वे दर्ज किया गया है, उन किसानों को ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन के दौरान गन्ना सर्वे से संबंधित आंकड़ों को दिखाया जाएगा।

गन्ना सट्टा सर्वे को लेकर चर्चा करते अधिकारी। ● अमृत विचार

डीसीओ ने सट्टा प्रदर्शन का किया जायजा

जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने गुरुवार को गन्ना विकास परिषद मझोला के गांव रामपुर बौरख में हो रहे सर्वे सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को निर्देश दिए कि वह सुनिश्चित करें कि उनकी टीमें समय से गांव में पहुंचकर किसानों के अभिलेख दिखाए और प्राप्त आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण कराएं। इस दौरान उन्होंने किसानों से मौके पर ही गन्ना सर्वे सट्टा से संबंधित समस्या का निस्तारण कराने की बात कही। यदि कोई कठिनाई होती है तो विभागीय टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

जिले में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5.30 बजे
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12:00 बजे।

सिटी ब्रीफ

कार्बेट से भरा टैंक फटा

बरखेड़ा, अमृत विचार : कार्बेट से भरे टैंक फटने से हड़कंप मच गया। कस्बे के मोहल्ला जामा मस्जिद निवासी नत्थू का बरखेड़ा बीसलपुर मुख्य मार्ग के किनारे कब्रिस्तान के पास खोखा है। जिसमें वह साइकिल मरम्मत और गैस वेल्डिंग करते हैं। गुरुवार शाम गैस वेल्डिंग करते समय अचानक कार्बेट से भरा टैंक फट गया। टैंक फटने के दौरान काफी तेज आवाज हुई। इसके साथ ही खोखे के पास मौजूद लोग बच गए। कई लोगों को घुला कॉर्बेट लग गया। इस दौरान भीड़ जमा रही।

करंट से बालक झुलसा

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम रिछोला घासी निवासी दीपक कुमार का बेटा अंशु (6) पंखे की पिन बिजली के प्लग में लग रहा था। करंट लगने से वह झुलस गया। उसके दोनों हाथ झुलस गए। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

11 घंटे के रेस्क्यू के बाद पकड़ी गई बाघिन

न्यूरिया क्षेत्र के दर्जन भर गांवों में थी बाघिन की दहशत, गुरुवार सुबह सूचना मिलते ही जंगल में उतरी टीम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र में आतंक का पर्याय बनी बाघिन को गुरुवार शाम खकरा नदी के किनारे ट्रेंकुलाइज कर पकड़ लिया गया। गुरुवार सुबह गांव डंडिया में बाघिन की मौजूदगी मिलने के बाद टीमें पहुंची थी। मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत के की देखरेख में 90 लोगों की टीमों ने संबंधित क्षेत्र में घेराबंदी की। 11 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान ट्रेंकुलाइज विषेज्ञयों ने बाघिन पर डार्ट चलाकर बेहोश कर पिंजड़े में कैद किया।

जनपद के न्यूरिया क्षेत्र में 9 जून से बाघिन की सक्रियता देखी जा रही थी। 9 जून से 17 जुलाई के बीच बाघिन के हमलों में तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। बाघिन की आबादी क्षेत्र में बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन महकमे ने हमलावर बाघिन को पकड़ने के लिए न्यूरिया क्षेत्र के 20 प्रभावित गांवों में अभियान चलाया था। शासन के निर्देश पर मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह एवं मुरादाबाद वृत्त के वन संरक्षक एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा जनपद में डेरा डाले थे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह एवं वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके के नेतृत्व में दोनों प्रभागों की 10 संयुक्त टीमें 20 प्रभावित गांवों में बाघिन को खंगालने में जुटी हुई थी। यह अलग बात थी कि 17 जुलाई की शाम से बाघिन की कोई लोकेशन नहीं मिली। गुरुवार सुबह 6 बजे हमलावर बाघिन न्यूरिया क्षेत्र के गांव डंडिया के नजदीक एक बाग में देखा गया। जिसकी सूचना महकमे को दी गई। सूचना मिलते ही वन महकमा अलर्ट हो गया। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह एवं डीएफओ भरत कुमार डीके के नेतृत्व में टीमे मौके पर पहुंच गई। टीमों ने खकरा नदी के किनारे एक किमी क्षेत्र की घेराबंदी करते हुए जाल लगाया। ड्रोन की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। वन अफसरों के नेतृत्व में वनकर्मियों ने कॉबिंग शुरू की। इस बीच बाघिन खकरा नदी किनारे बांधे गए ट्रैप एनिमल के नजदीक पहुंची, मगर बिना शिकार किए लौट गई।

पकड़ी गई बाघिन। ● अमृत विचार

90 लोगों की टीम ने बाघिन को पकड़ा

20 गांवों में दहशत की पर्याय थी बाघिन

11 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

03 लोगों को बाघिन ने बनाया निवाला

> बाघिन का मूवमेंट सुबह डंडिया गांव के आसपास देखा गया था। संबंधित क्षेत्र में घेराबंदी कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। शाम को बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया है। रेस्क्यू बाघिन को पीटीआर मुख्यालय लाया जा रहा है। जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। शासन को भी रिपोर्ट दे दी गई है।
>
> – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

सुबह 7 बजे से शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

बाघिन की पुष्टि होने के बाद सुबह 7 बजे मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार एवं कानपुर के ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. नासिर भी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस की भी मदद ली गई। क्षेत्र में जाने वाली सड़क पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया, ताकि कोई व्यवधान न आए। करीब एक किमी की परिधि में जाल लगाकर घेराबंदी करने के बाद वन अफसरों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों ने कॉबिग शुरू की। ड्रोन से भी बाघिन की तलाश शुरू की गई। क्षेत्र में गन्ने की फसल और झाड़ियां अधिक होने के चलते टीमों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 3 बजे तक टीमें तलाश में जुटी रहीं, ड्रोन से भी बाघिन की लोकेशन तलाशने के प्रयास चलते रहे, मगर टीम को बाघिन की सिर्फ एक बार ही लोकेशन मिली। शाम 6 बजे बाघिन देखी गई, लोकेशन मिलते ही रेस्क्यू टीम सक्रिय हो गई। ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार और डॉ. नासिर रेस्क्यू व्हीकल पर सवार होकर मौके पर पहुंचे। करीब 6.35 बजे दोनों ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट ने ट्रेंकुलाइज गन से डार्ट और टॉपअप चलाकर हमलावर बाघिन को बेहोश कर दिया। बाघिन के ट्रेंकुलाइज होते ही रेस्क्यू टीम ने बाघिन को पकड़कर पिंजड़े में कैद कर लिया।

न्यूरिया क्षेत्र के दर्जन भर गांवों में थी दहशत

हमलावर बाघिन की न्यूरिया क्षेत्र के गांव मेवातपुर, फुलहर, टाह, बिथरा, मंडरिया, महेशपुर, सहजना समेत एक दर्जन गांवों में दहशत थी। 9 जून को बाघिन ने गांव मेवातपुर में किसान मुकेश कुमार पर हमलाकर मार डाला था। करीब एक माह बाद बाघिन फिर आक्रामक हो उठी और 14 जुलाई को गांव फुलहर निवासी किसान दयाराम को निवाला बना डाला। तीन दिन बाद ही बाघिन ने दो गांवों पर धावा बोला। 17 जुलाई की सुबह करीब 6:30 बजे बाघिन ने गांव सहजना निवासी मीना देवी पर हमला कर दिया। शोर-शराबे पर महिला की जान तो बच गई, मगर वह घायल हो गई। इसी दिन बाघिन ने सुबह 9 बजे मंडरिया निवासी नीलेश पर हमला कर घायल कर दिया, इसके 15-20 मिनट बाद ही बाघिन ने मंडरिया गांव में ही कृष्णा देवी पर हमला कर दिया था। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक ही दिन में दो गांवों में तीन अलग-अलग बाघिन हमले की घटनाओं के बाद ग्रामीण भी खासे आक्रोशित हो उठे। विधायक समेत प्रशासनिक अफसरों द्वारा बाघिन को तत्काल पकड़ने के आश्वासन पर मामला शांत हो सका था।

कपड़ा व्यापारी से शिक्षक ने की ठगी, कंपनी में लगवाई रकम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पुलिस को दी गई नामजद तहरीर कार्रवाई की मांग**

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग के एक शिक्षक ने रेडीमेड कपड़ा व्यापारी को एक कंपनी का हवाला देकर मुनाफे का सपना दिखाया। तीन माह तक छह प्रतिशत के हिसाब से मुनाफा दिया, जब बड़ी रकम कंपनी में लगा दी गई तो रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने सुनगढ़ी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

सुनगढ़ी थाने में दी गई तहरीर में ग्राम चिड़ियादाह के निवासी मोहम्मद कासिम ने बताया कि उनके गांव का रहने वाला एक सरकारी शिक्षक तीन साल पहले उनके पास आया। एक कंपनी के बारे में बताया और कहा कि इसमें रुपये लगाने पर छह प्रतिशत के हिसाब से हर माह मुनाफा मिलेगा। आरोपी के झांसे में आकर उसने पांच लाख रुपये लगा दिए। इस पर दिसंबर 2022 से मार्च 2023 तक कुछ रुपये वापस किए। इसके बाद आरोपी ने कहा अगर अब और रुपये लगाओगे तो छह के बजाय दस प्रतिशत का मुनाफा प्रतिमाह मिलेगा। चूंकि तीन माह तक छह प्रतिशत मुनाफा दिया था तो पीड़ित ने अपने परिचितों और लोन लेकर करीब पंद्रह लाख रुपये दे दिए। इसके बाद से कोई रकम नहीं दी गई। फिर जब आरोपी से बात की गई तो आरोपी ने टालमटोल की। कई बार रुपये लौटाने को लेकर पंचायत भी की जा चुकी है, लेकिन रुपये नहीं दिए गए। लेनदेन से जुड़े कुछ स्क्रीन शॉट के साथ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि दोबारा मिली तहरीर पर भी सुनगढ़ी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी पवन कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

जर्जर भवन को जल्द ध्वस्त किया जाएं

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: कई साल से तहसील परिसर में जर्जर बिल्डिंग को ध्वस्त कराने की मांग की जा रही है। इस गिरताऊ भवन से खतरा बना है। अधिवक्ताओं ने ज्ञापन सौंपकर 10 दिन में भवन ध्वस्त न कराने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

तहसील परिसर के बीच में पुराना और जर्जर भवन है। नया तहसील भवन बनने के बाद से यह भवन खाली है। इसके चारों ओर अधिवक्ताओं के चेंबर है। भवन की जर्जर हालत होने पर इसके ढहने का डर है। अधिवक्ता कई बार अधिकारियों से भवन को ध्वस्त कराने की मांग कर चुके हैं। हाल ही में संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने अधिवक्ताओं की मांग पर इस जर्जर भवन का निरीक्षण किया था और इसे ध्वस्त कराने का आश्वासन दिया। इसके बावजूद अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया। अधिवक्ताओं को इस भवन से खतरा बताया। गुरुवार को प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे और डीएम को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार हबीब उर्रहमान अंसारी को सौंपा। जिसमें बताया कि जर्जर भवन के बारे में पहले भी कई बार अवगत कराया जा चुका है। करीब ढाई सौ अधिवक्ता इस भवन के आसपास बैठते हैं। इसके अलावा रोजाना वादकारियों का आना-जाना रहता है। 10 दिन में गिरताऊ भवन ध्वस्त न कराने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर अध्यक्ष संजय सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पांडेय, महामंत्री सुशील कुमार सक्सेना, संजय कुमार गौड़, मोहम्मद तकरीम आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

तहसीलदार हबीब उर्रहमान को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- **नारेबाजी करते हुए अधिवक्ताओं ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन**

पुलिस ने धरे तीन गोमांस तस्कर

पूरनपुर, अमृत विचार: बीते दिनों सिरसा गांव में हुई गोकशी का पुलिस ने खुलासा कर दिया। तीन गोमांस तस्करों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा के पास 20 जुलाई को गन्ने के खेत से पशु के अवशेष बरामद हुए थे। गुरुवार को पुलिस ने सिरसा से सुआबोझ जाने वाले मार्ग से तीन गोमांस तस्करों को पकड़ लिया। आरोपियों ने अपना नाम मटरुनगर शेरपुरकलां निवासी जफर, अफजाल और आरिफ उर्फ भांदूनिवासी मोहल्ला लाइनपार साहुकारा बताया। आरोपियों के दो साथी राजा लाइनपार साहूकारा और गुड्डू अभी फरार हैं। कोतवाल सतेंद्र कुमार ने बताया कि सिरसा में पांच तस्करों ने गोकशी की थी। तीन जेल भेजे गए हैं। अन्य दो को पकड़ने के लिए टीम लगी हुई है।

फर्जी एफआईआर को लेकर डीएम-एसपी से मिले वकील

पीलीभीत, अमृत विचार: विभिन्न थानों में अधिवक्ताओं के विरुद्ध दर्ज हो रही एफआईआर को फर्जी बताते हुए गुरुवार को कई अधिवक्ता डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और एसपी अभिषेक यादव से मिले।

अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए पुलिस लाइन पहुंचे और एसपी से मुलाकात की। बताया कई अधिवक्ताओं के खिलाफ जिले के अलग-अलग थानों में फर्जी मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। कहा उच्च न्यायालय की कई नजीरों में व्यवस्था दी गई है कि अधिवक्ताओं के विरुद्ध अनावश्यक मुकदमे दर्ज न किए जाएं। अगर अधिवक्ताओं के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज होंगे तो न्यायालय में मामलों की समुचित पैरवी भी नहीं हो सकेगी। निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया। इसके बाद अधिवक्ताओं ने डीएम से मुलाकात की। डीएम ने भी एसपी से वार्ता कर निष्पक्ष कार्रवाई कराकर न्याय का भरोसा दिलाया।

एडीजी के आदेश पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार: क्योलड़िया बरेली के युवक को रंजिशन 25 दिन पहले घर से लाकर हत्या करने के आरोप में एडीजी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्योलड़िया के गांव अब्दला निवासी गेंदा देवी पत्नी मेवाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया गांव निवासी उमाशंकर से उसके पुत्र भागीरथ का कई बार झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में 1 जुलाई की शाम 7 बजे उमाशंकर, गांव का सर्वेश, उमाशंकर का साला तीन लोग उसके बेटे भागीरथ को घर से ले गए। थाना बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम गाजीपुर और बहादुरपुर के बीच हत्या करके फेंक दिया। गांव के एक व्यक्ति से जानकारी मिलने पर वह रिश्तेदारों के साथ पहुंची तो बेटा मृत मिला।

फर्टिलाइजर कंपनी के सेल्स एसआर पर हमला और धोखाधड़ी की एफआईआर

संवाददाता, माधोटांडा

- **खाद व्यापारी के 1.80 लाख रुपये हड़पने का मामला, पहले दी थी लूट की तहरीर**

अमृत विचार: खाद व्यापारी पर हमला कर 1.80 लाख रुपये लूटने के मामले में माधोटांडा पुलिस ने कार्रवाई की। परिवार की ओर से दी गई दूसरी तहरीर पर धोखाधड़ी और जानलेवा हमला करने के आरोप में फर्टिलाइजर कंपनी के सेल्स एसआर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम हुसैनापुर गांव के रहने वाले विजेंद्र कुमार ने माधोटांडा थाने में दी गई तहरीर में बताया 22 जुलाई को दोपहर करीब दो बजे उन्हें कॉल कर बताया कि उनका पुत्र अजय खारजा नहर के किनारे शाहगढ़ रेलवे अंडरपास पर बदहवास हालत में पड़ा है। इस पर वह अन्य रिश्तेदारों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां अजय बेसुध हालत में मिला। उसके गले में चोट के निशान थे। थाने जाकर मामले की जानकारी दी, इसके बाद सीएचसी माधोटांडा में मेडिकल परीक्षण कराया। इसके बाद मेडिकल कॉलेज में एक्सरे कराया गया। 24 जुलाई को बेटा बोलने की स्थिति में आया और पूरी घटना बताई। नवदिया फर्टिलाइजर कंपनी में सेल्स एसआर ग्राम नवदिया धनेश गांव का निवासी सुरेंद्र ने यूरिया मंगाने के लिए 21 जुलाई को पीलीभीत में 1.80 लाख रुपये लिए थे। 22 जुलाई की सुबह सुरेंद्र ने पूरनपुर बुलाया। वहां से आरोपी गाड़ी में बैठाकर ले गया और रास्ते में बियर पिलाई।

इसके बाद रुपये हड़पने के लिए खारजा नहर शाहगढ़ के अंडरपास के आगे जान से मारने की नियत से गला दबाया और वहीं बेसुध होने पर वहीं फेंक गया। बेटे का मोबाइल और खाद वितरण करने वाली मशीन भी आरोपी सुरेंद्र ने ले ली। इंस्पेक्टर माधोटांडा अशोक पाल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है, जल्द खुलासा किया जाएगा।

सात साल की बच्ची से छेड़छाड़ के दोषी को कोर्ट ने सुनाई पांच साल की सजा

विधि संवाददाता, पीलीभीत

- **विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने सुनाया फैसला**

अमृत विचार: सात साल की बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली के अध्ययन के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए पांच साल कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन कथानक के अनुसार सदर कोतवाली में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके घर 23 अगस्त 2018 की शाम एक समारोह था। जिसमें रिश्तेदार और परिचित आए थे। इसी दौरान उसकी सात साल की बच्ची लापता हो गई। काफी तलाशने के बाद पता चला बेटी को मोहल्ला भूरे खां निवासी प्रमोद कुमार मैजिक पर बैठाकर जंगल की ओर से ले गया है। इसे कई लोगों ने देखा था। जब जंगल की तरफ गए तो आरोपी उसकी बेटी को वापस लाता मिला। बेटी ने बताया आरोपी प्रमोद उसे जंगल में ले गया और गाड़ी फंस गई थी, इसलिए उसे वापस ले आया। बच्ची से छेड़छाड़ की गई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की।

मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान की अदालत में हुई। न्यायालय ने आरोपी प्रमोद को दोषी पाते हुए पांच साल कैद और 25 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

किशोरी से छेड़छाड़ करने वाले को तीन साल कैद

पीलीभीत, अमृत विचार : आठ साल पुराने किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। अभियोजन कथानक के अनुसार जहानाबाद थाने में क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि वह व उसके पति बाहर गए थे। घर पर 14 वर्षीय बेटी अकेली थी। 15 जून 2017 की शाम साढ़े चार बजे गांव का ही यशपाल घर में घुस आया और बेटी से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर अपहरण की धमकी और भाई से 50 हजार रुपये दिलाने की बात कही। ऐसा न करने पर भाई की हत्या करने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट) गीता सिंह ने अभियुक्त को यशपाल को दोषी पाते हुए तीन साल कैद और सात हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

रुपये लेनदेन के विवाद में मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : उधारी के रुपये को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

जहानाबाद क्षेत्र के मोहल्ला मिश्रण टोला निवासी शेषपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसका चचेरा भाई अशोक उससे कुछ रुपये उधार लिए थे। 22 जुलाई की रात 9 बजे उसने जब रुपये मांगे तो वह गाली देने लगा और मारपीट की। उसे बचाने जब उसके पिता आए तो उनकी भी पिटाई कर दी और जान मारने की धमकी दी। वहीं दूसरी ओर, श्यामबिहारी ने बताया रात 12 बजे मोहल्ले के ही बालकिशन, सुरेश और अन्य लोग उसकी खपरैल तोड़ने लगे। शोर मचने पर उसका बेटा अशोक जागा और विरोध किया, जिस पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इंस्पेक्टर जहानाबाद मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि क्रॉस एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

महिला अस्पताल में गर्भवती की मौत की होगी जांच

सीएमओ ने तीन सदस्यीय पैनल किए गठित, पुरुष अस्पताल के चिकित्सक करेंगे जांच, अभिलेख तलब

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : महिला अस्पताल में गर्भवती की मौत के मामले में परिवार वाले भले ही बिना शिकायत किए शव को लेकर चले गए हो। मगर, हंगामे के दौरान लगाए गए आरोपों के बाद जिम्मेदार एक्शन मोड में आ गए हैं। उनके द्वारा इस प्रकरण की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इतना ही नहीं जांच में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए टीम में जिला पुरुष अस्पताल के डॉक्टरों को शामिल किया है।

बता दें कि थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम मैदना निवासी नरेश पाल की पत्नी लक्ष्मी देवी गर्भवती थी। मंगलवार को प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें सीएचसी न्यूरिया ले जाया गया था। सामान्य प्रसव संभव नहीं होने पर डॉक्टरों ने रेफर करते हुए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां 5:30 बजे उसे भर्ती कर लिया गया था।

आरोप है रात 8 बजे तक डॉक्टरों और स्टाफ ने कोई ध्यान नहीं दिया। जांच रिपोर्ट का ही इंतजार करते रहे और ऑपरेशन भी नहीं किया गया। जिससे जच्चा- बच्चा की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिवार वालों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।आरोप लगाया कि जिम्मेदार कक्ष में बैठे रहे, लेकिन मरीज को नहीं देखा,जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि इस मामले में परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत

घटना के बाद महिला अस्पताल के बाहर लगी भीड़।(फाइल फोटो) ● अमृत विचार

● **मंगलवार रात हुई थी घटना, तीन घंटे तक प्रसूता का ऑपरेशन न करने का है आरोप**

दर्ज नहीं कराई गई। गंभीर आरोप लगने के बाद सीएमओ डॉ. आलोक कुमार गुरुवार को मेडिकल कॉलेज पहुंचे। सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर के साथ मंथन करते हुए इस प्रकरण में जांच कमेटी गठित कर दी। टीम में डॉ. संजीव सक्सेना, डॉ. आरएस गंगवार और डॉ. केके भट्ट को शामिल किया है। जांच कमेटी में पुरुष अस्पताल के डॉक्टरों को भी सम्मिलित किया गया है, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके।

इधर, महिला अस्पताल के जिम्मेदारों का तर्क है कि महिला को सबसे पहले सीएचसी लेकर पहुंचे थे। वहां करीब 1 बजे के आसपास उसे भर्ती किया गया। जब स्थिति बिगड़ गई तो उसे साढ़े चार घंटे बाद रेफर किया गया। महिला का इलाज किया जा रहा था।

मगर उसकी मौत हो गई थी। फिलहाल कमेटी गठित होते ही टीम ने जांच करने के लिए महिला के इलाज की बीएसटी से लेकर जांच रिपोर्ट तलब की है।

गंभीर मरीजों की एचओडी को देनी होगी सूचना

महिला अस्पताल में घटना के बाद प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती होने वाले प्रत्येक मरीज का हर घंटे फ्लोप लेना होगा। इतना ही नहीं गंभीर स्थिति होने पर एचओडी और सीनियर रेजिडेंट को देखना होगा। इसके अलावा ग्रुप में भी सूचना का आदान प्रदान किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ वरना कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इससे पहले भी जिम्मेदार पर आरोप लगाते रहे।

"महिला की मौत में परिवार की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होता देखकर जांच कमेटी गठित कर दी गई है। जांच टीम में पुरुष अस्पताल के डॉक्टर शामिल किए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। – **डॉ. आलोक कुमार** सीएमओ

कर्मचारियों को एसडीएम ने दिया प्रशिक्षण

बीसलपुर, अमृत विचार: लोक सेवा आयोग की परीक्षा 27 जुलाई को 12 पत्थर चौराहे स्थित श्रीरामचंद्र म्युनिसिपल बोर्ड इंटर कॉलेज में होगी। यहां 480 परीक्षार्थियों की व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को गुरुवार को ट्रेनिंग दी गई। एसडीएम नागेंद्र पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी हर्ष शर्मा ने प्रशिक्षण दिया।

उन्हें परीक्षा संबंधी नियमों से अवगत कराया गया। एसडीएम ने कहा कि यह परीक्षा लोक सेवा आयोग के माध्यम से समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी के पद पर है। ड्यूटी पर तैनात कोई भी कर्मचारी स्मार्ट वॉच व टेलीफोन लेकर नहीं आएगा। समय देखने के लिए प्रत्येक कक्ष में घड़ी लगी रहेगी।

सीडीओ ने बलिया में देखे विकास कार्य

संवाददाता, मझोला

अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास ने ब्लॉक अमरिया का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम प्रत्येक पटल पर जाकर समीक्षा की। ग्राम पंचायत बलिया में मनरेगा योजना के तहत बनाए गए अमृत सरोवर के भी हालात देखे। इसके बाद मनरेगा से कराए गए पौधरोपण को भी देखा, ग्राम पंचायत सचिवालय की स्थिति देखी।

ग्राम पंचायत माधोपुर की गोशाला भी सीडीओ पहुंचे। वहां 160 गोवंशीय पशु संरक्षित मिले। तीनों केयर टेकरों से बात की, जिसमें गोवंशीय पशुओं के लिए पीने के पानी, हरे चारे की व्यवस्था

निरीक्षण करने पहुंचे सीडीओ राजेश कुमार श्रीवास। ● अमृत विचार

के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। गोबर के रखरखाव एवं वर्मी कंपोस्ट बनाने के निर्देश दिए। इस मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शुभम सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद नाराजगी

पीलीभीत, अमृत विचार: सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद लोगों में नाराजगी है। लोगों ने पहले एसपी से मुलाकात की। सुनगढ़ी थाने में आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कराई।

शहर के मोहल्ला कुंवरगढ़ निवासी आकाश शर्मा ने सुनगढ़ी थाने में दी गई तहरीर में बताया वह अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के मंडल महामंत्री व पीलीभीत देवोत्थान ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी हैं। फेसबुक आईडी पर भाई संतोष शर्मा की एक वीडियो 15 जुलाई को शेयर की थी। जिस पर गंगवार शलभ नाम की फेसबुक आईडी से ब्राह्मण समाज और मंदिरों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। जिसे अनदेखा कर दिया गया था। इसके बाद सावन माह में जलाभिषेक को लेकर भी आरोपी के द्वारा आपत्तिजनक शब्द कहे गए।

अमृत 2.0 योजना जमीन नहीं मिलने से अटकी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर को मूलभूत सुविधाएं देने और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मंशा से शुरू की गई अमृत 2.0 योजना उलझती दिख रही है। 24 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित परियोजना को लेकर जलकल विभाग की तैयारियां भले ही तेजी से की गई थीं, लेकिन नगरपालिका की ओर से भूमि उपलब्ध न होने की समस्या ने पूरे क्रियान्वयन को ठप कर दिया है। स्थिति यह है कि टेंडर जारी होने के कई माह बाद भी काम की शुरुआत नहीं हो सकी। जलकल विभाग के जेई ने चेयरमैन को जमीन से जुड़ी दिक्कतों से अवगत कराया है।

शहर के वार्ड नंबर पांच में हर घर नल में 24 घंटे पानी की सप्लाई देने के लिए योजना बनाई गई थी। जिसको अमृत 2.0 के तहत शासन

"अमृत योजना 2.0 के तहत वार्ड नंबर पांच में पानी की सप्लाई देने के लिए प्रोजेक्ट मिला है। जिसके लिए नेहरु पार्क के पास खाली पड़ी जगह को चिन्हित कर दिया गया है। वहां ही निर्माण कार्य कराया जाएगा। – **डॉ. आस्था अग्रवाल**, चेयरमैन

– अमृत योजना के तहत होने वाले कार्य के लिए नगरपालिका से जगह मांगी गई थी। पहले जो जगह दी गई थी। वहां पर विवाद निकालकर सामने आया था। अब नई जगह चिन्हित करके दी गई है। अब वहां निर्माण कार्य कराया जाएगा। अगर कोई विवाद हुआ तो पालिका को अवगत कराएंगे। – **शुभम अग्रवाल**, जेई जल निगम

● **24 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा प्रोजेक्ट**

● **जलकल जेई ने चेयरमैन को बताई समस्याएं**

ने शहर पालिका के लिए स्वीकृति भी कर दिया है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए 24 करोड़ का बजट जारी किया गया है। जिससे नई टेक्नोलॉजी वाली करीब 30 किमी लंबी पाइप लाइन डाली जाएगी। साथ ही दो ओवरहेड टैंक 25 हजार केएल के बनाया जाएंगे, जो पूरे ऑटोमेटिक होंगे। टैंक खाली होने पर स्वयं ही पानी को चालू कर देगा।

जिससे दिन और रात में पानी मिल सकेगा। इसका टेंडर भी हो चुका है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अभी शहर के वार्ड नंबर पांच को चयनित किया गया है। जिसमें नकटादाना चौराहा, गोदावरी स्टेट, डीएम आवास, ऑफीसर कॉलोनी, विकास भवन, कलेक्ट्रेट कैंपस, पुलिस लाइन, जिला पंचायत, शारदा कॉलोनी, केजीएन कॉलोनी, पिंक सिटी, सेंट एलॉयसिस, भूरे खां, वाले मियां मजार, सिविल लाइन नॉर्थ, सिविल लाइन साउथ, यशवंतरी देवी मंदिर रोड, संजय रॉयल पार्क, साई धाम कॉलोनी समेत विभिन्न इलाकों को शामिल किया गया है। इसका कार्य पूरा कराने की जिम्मेदारी जल निगम को दी गई है। मगर योजना को धरातल पर उतराने के लिए जमीन नगरपालिका को मुहैया करानी है, लेकिन योजना के स्वीकृति होने के बाद अभी तक जमीन चिन्हित नहीं हो सकी है। नगरपालिका की ओर से नेहरु पार्क के पास खाली पड़ी जगह पर इस प्रोजेक्ट को बनाने की तैयार की जा रही है। फिलहाल अभी तक जमीन को हैंडओवर नहीं किया गया है।

ऐसे में यह प्रोजेक्ट अभी तक अधर में लटका है। गुरुवार को भी जलकल के जेई शुभभ अग्रवाल इस समस्या को लेकर नगरपालिका कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने जमीन फाइनल न होने पर चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल से मुलाकात कर समस्या बताई। हालांकि नगरपालिका की ओर से नेहरु पार्क के पास बने पंप हाउस वाली जगह को चिन्हित कर फाइनल कर दिया गया है।

सचिवालयों में सुनीं गईं समस्याएं

बीसलपुर, अमृत विचार : डीएम के निर्देश पर तहसील क्षेत्र के ग्राम सचिवालयों में रोस्टर के अनुसार ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं गई। कर्मचारियों ने पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और समाधान कराया।

ग्राम पंचायत सचिवालयों में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सचिवालयों में टीमें मौजूद रहीं। ग्रामीणों से उनकी समस्याएं पूछी और उसके समाधान को लेकर कार्रवाई की। कुछ समस्याएं जो एसडीएम स्तर की थी, उन्हें एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

163 ग्रामीण आशा वर्करों का होगा चयन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिले की सभी सात ब्लॉकों में 163 ग्रामीण आशा वर्करों का चयन किया जाएगा। इन आशा वर्करों का चयन ग्राम सभा की खुली बैठक में योग्यता के आधार पर किया जाएगा। शासनादेश जारी होने के बाद विभागीय अफसरों ने चयन प्रक्रिया की कवायद शुरू कर दी है।

सरकार की ओर से चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं को समुदाय तक पहुंचाने, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों तक पहुंचाने में आशा वर्कर अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में जनपद में करीब 1428 आशा वर्कर कार्यरत है। इधर अब शासन

"शासन के निर्देशानुसार जनपद में 163 ग्रामीण आशा का चयन किया जाना है। इसको लेकर शासन स्तर से आदेश आ गया है। इस बाबत सभी खंड विकास अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। – **रोहित भारती**, जिला पंचायत राज अधिकारी

● **ग्राम पंचायतों की खुली बैठकों में योग्यता के आधार पर होगा चयन**

● **सीडीओ ने प्रचार-प्रसार करने के दिए निर्देश**

ने ग्रामीण आशा वर्करों के चयन किए जाने का शासनादेश जारी किया है। आशा वर्करों का चयन ग्राम सभा की खुली बैठक में किया जाएगा। इधर शासनादेश जारी होने के बाद सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने डीपीआरओ को निर्देशित किया है। इस बाबत डीपीआरओ रोहित भारती ने सभी खंड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारियों को पत्र जारी किया है। जिसमें उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायतों में आशा चयन प्रक्रिया का प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।

इन ब्लॉकों में चयन

अमरिया	20
मरौरी (न्यूरिया)	24
पूरनपुर	49
बीलसपुर	21
बिलसंडा	19
बरखेड़ा	22
ललौरीखेड़ा	08

भाजपा नगराध्यक्ष से मारपीट मामले में चार्जशीट

पीलीभीत, अमृत विचार: भाजपा नगराध्यक्ष की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में विवेचना के दौरान लूट की धारा पहले ही हटा दी गई थी। सुनगढ़ी पुलिस ने इस मामले में विवेचना पूरी कर चार्जशीट दाखिल कर दी है। हालांकि व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल, निमित अग्रवाल को क्लीन चिट दी गई है। अन्य नामजद आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज और धमकाने की धाराओं में चार्जशीट लगाई गई है।

घटना 18 अप्रैल सुबह करीब 9 बजे हुई थी। भाजपा नगराध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान ने सुनगढ़ी थाने में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल, निमित अग्रवाल उर्फ निम्मू समेत छह नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ मारपीट और लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था घटना के दिन सुबह 9 बजे दूधिया मंदिर रोड पर धीरेंद्र सहाय की बगिया के पास वार्ड में भ्रमण पर थे। इसी दौरान उन पर हमला कर 50 हजार और चेन लूट ली गई। गिरफ्तारी न होने पर सुनगढ़ी थाना गेट पर भाजपा नगराध्यक्ष ने धरना भी दिया था। दो दिन चले ड्रामे में बाद में सुलह हो गई थी। मगर, सुनगढ़ी थाने में दर्ज रिपोर्ट की विवेचना चलती रही। पुलिस ने लगाए गए आरोपों को लेकर गहनता से जांच की।

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बीसलपुर तहसील में धरना प्रदर्शन करते भीम आर्मी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: भीम आर्मी भारत एकता मिशन के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में तहसील पहुंचकर चार सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने चार सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम नागेंद्र पांडेय को सौंपा। उन्होंने कहा कि ग्राम लाडपुर नन्हे लाल आजीविका चलाने के लिए दिल्ली मजदूरी करने गए थे। नन्हे वाल्मीकि 21 मार्च को दिल्ली से गांव आए तो पता चला कि एक व्यक्ति ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और जबरन निर्माण करा रहा है। इसे कब्जा मुक्त कराने की मांग की। ग्राम पुरैना में वर्ष 2022 में देवहा नदी पर सेतु प्रस्तावित हुआ था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने वहां से हटाकर पुल को छह किलोमीटर दूर बनवा दिया।

जबकि ग्रामीण गांव के पास पुल की मांग लगातार कर रहे हैं। बजाज चीनी मिल यूनिट बरखेड़ा पर किसानों की बकाएदारी है। नारेबाजी करने के बाद ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सौरभ भारतीय, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजाराम माथुर, तेज बहादुर ,हरीश कुमार, प्रीति देवी, मिथिलेश कुमारी ,तौहीद खान, पंकज कुमार आदि मौजूद रहे।

12 सांड़ पकड़कर भिजवाए गोशाला

बीसलपुर, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के आदेश पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शमशेर सिंह ने टीम लगाकर बाबा गुलेश्वर नाथ मंदिर परिसर के आसपास घूम रहे 12 छुट्टा सांड़ को पकड़वाकर गोशाला भिजवाया। यहां पर सावन माह के दौरान भक्तों के पहुंचने पर हादसे का डर बना हुआ था। आगे के लिए निगरानी को भी टीम लगाई है।

रंजिशन दो पक्षों में मारपीट, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्राम संतोषपुरा निवासी राजेश्वर ने बताया 22 जुलाई की रात 10 बजे गांव का ही शंकर लोधी उसे गाली देने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपने साथी देवकुमार, धर्मवीर के साथ मारपीट करके उसे घायल कर दिया। बचाने आए प्रसादी लाल, हरदेई और पवन को भी पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

मां-बेटी से मारपीट

पीलीभीत : थाना जहानाबाद क्षेत्र के कटैया इस्लाम निवासी सईदन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पड़ोसी कलीम खां के आंगन में उसके मुर्गी के बच्चे चले गए। इस पर 23 को सुबह 6 बजे कलीम खां ने आरिफ,फहीम,हासमीन के साथ मिलकर उसे गाली दी। विरोध करने पर उसे और बेटी को पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

खुशखबरी | पर्यटन विभाग से मिली एक करोड़ की स्वीकृति, बीसलपुर विधायक ने किए थे प्रयास

जल्द होगा लिलहर के शिव सरोवर का कायाकल्प

संवाददाता,बिलसंडा

अमृत विचार: पवित्र श्रावण में भोलेनाथ की नगरी कहे जाने वाले क्षेत्र के गांव लिलहर स्थित भगवान नीलकंठ मंदिर एवं शिव सरोवर का जल्द ही कायाकल्प होगा। इसके सौंदर्यीकरण के लिए शासन से एक करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने इसकी जानकारी दी।

गांव लिलहर स्थित शिव सरोवर के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। शासन स्तर से धन अवमुक्त कराने के लिए आश्वासन मिलते रहे थे।

बिलसंडा के गांव लिलहर स्थित भगवान नीलकंठ का मंदिर एवं शिव सरोवर।

पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा और उनके पुत्र भाजपा विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा ने इसे गंभीरता से लिया और इसका प्रपोजल बनवाकर कई बार पर्यटन मंत्री एवं विधानसभा में मुख्यमंत्री को सौंपा। उनके किए गए प्रयास रंग लाए और प्रदेश सरकार ने लिलहर के नीलकंठ मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सरोवर के सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इससे पहले भी 1.38 करोड़ रुपयों से सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा चुका है। जिसके तहत ओपन दो बरामदे फर्श एवं सीढ़ियों का काम कराया जा चुका है।

राजा नीलध्वज ने कराया था मंदिर का निर्माण

नीलकंठ मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। बताते हैं द्वापर युग में इस मंदिर का निर्माण राजा मोरध्वज के भाई नीलध्वज ने कराया था। किवदंती है वह चर्म रोग से ग्रस्त थे,और यहां मात्र नहाने से उनका वर्षों पुराना रोग दूर हो गया। तभी से इस शिव सरोवर की मान्यता है कि स्नान मात्र से चर्म रोग दूर हो जाते हैं,और दूर दूर तक यह विख्यात भी हुआ। प्रत्येक माह की अमावस्या पर विशाल मेला भी लगता है। जिसमें दूर दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। शिव सरोवर में आस्था की डुबकी लगाते हैं।

"पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में विधानसभा बीसलपुर के ब्लाक बिलसंडा के ग्राम लिलहर स्थित शिव मंदिर एवं सरोवर के सौंदर्यकरण के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। लिलहर स्थित नीलकंठ मंदिर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो ऐसा प्रयास है। – **विवेक वर्मा**, विधायक बीसलपुर

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI
कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING
24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

सिटी ब्रीफ

आज बंद रहेगी लखीमपुर रोड पर रेलवे क्रॉसिंग

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गोला लखीमपुर मार्ग जंगल स्थित समपार संख्या 155 रेलवे क्रॉसिंग पर मरम्मत कार्य के चलते 25 जुलाई शुक्रवार को सड़क यातायात बंद रहेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर कार्यालय के अनुसार 25 जुलाई को लखीमपुर रोड जंगल स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 155 पर ट्रैक के पैकिंग एवं अति आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक सड़क यातायात बंद रहेगा, जिसकी जानकारी अधिकारियों को दे दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा को देखते हुए ट्रैफिक को अन्य वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ा जाएगा। रेलवे ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित समय के दौरान मार्ग से न गुजरें और प्रशासन द्वारा तय वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

प्रवर्तन अधिकारी ने आठ वाहन किए सीज

मैगलगंज, अमृत विचार : संभागीय परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारी कौशलेंद्र सिंह ने गुरुवार को दो ईंट से भरी ट्रॉलियों को ओवरलोड के चलते सीज किया। वहीं बिना परमिट चल रही पिकअप और बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे आठ ई-रिक्शा को सीज कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। वाहन चालकों ने प्रवर्तन अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रवर्तन अधिकारी की आंखों के सामने से तमाम डग्गामार बसें निकल जाती हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

छात्र पिटाई मामले में दो अध्यापक अन्य विद्यालय से संबद्ध

मितौली, अमृत विचार : जवाहर नवोदय विद्यालय में एक छात्र की पिटाई के मामले में दो अध्यापकों पर कार्रवाई की गई है। दो शिक्षकों को हटाकर दूसरे स्कूलों से अटैच किया गया है। 18 जुलाई को स्कूल में छात्र इमरान को पिटाई कर दी गई थी। उसके चाचा ने डीएम को शिकायती पत्र दिया था। इस मामले में अर्थशास्त्र के शिक्षक रामपाल सिंह को महोबा व जीव विज्ञान के शिक्षक राजीव श्रीवास्तव को कानपुर स्कूल से अटैच किया गया है। प्रभारी प्राचार्य आरके सिंह ने बताया दोनों अध्यापकों को तत्काल नए स्कूल में ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क चौड़ीकरण में लगाया पक्षपात का आरोप

एक तरफ अधिक जगह लेने से गुस्साए लोग पहुंचे लोनिवि, सहायक अभियंता ने दिया भरोसा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: राजापुर चौराहे से नहर पुलिया तक सड़क चौड़ीकरण में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों पर पक्षपात करने का आरोप लगा है। सड़क के एक किनारे के भवन स्वामियों का आरोप है कि सड़क निर्माण में एक तरफ अधिक जगह ले ली है, जिससे उन लोगों को मकान और दुकानें तोड़नी पड़ीं। इससे उनका काफी नुकसान हुआ है। गुस्साए लोगों ने गुरुवार को पीडब्ल्यूडी दफ्तर पहुंचकर अधिशासी अभियंता की गैर मौजूदगी में सहायक अभियंता सौरभ कुमार से नाराजगी जताई। इस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि दोनों तरफ बराबर जगह ली जाएगी। इस पर लोग खुश होकर लौट आए।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) 6.93 करोड़ रुपये की लागत से 930 मीटर लंबी इस सड़क को सात मीटर से बढ़ाकर 20 मीटर चौड़ा कर रहा है। मोहल्ले वालों को आरोप है कि पीडब्ल्यूडी सड़क के एक तरफ 18 फीट, जबकि दूसरी तरफ 10 फीट जगह ही ले रहा है। इससे उन लोगों के साथ पक्षपात किया जा रहा है।

लखीमपुर शहर में राजापुर चौराहे से नहर पुलिया तक बनाई जा रही सड़क।

पीडब्ल्यूडी में सहायक अभियंता से बात करते आक्रोशित लोग। ● अमृत विचार

- सड़क के बीच से दोनों तरफ 10-10 मीटर चौड़ी होगी सड़क

> सड़क चौड़ीकरण का काम नियमानुसार हो रहा है। अगर बीच से पैमाइश होगी तो दोनों तरफ बराबर ही आएगा। एक तरफ नाला बना है, जबकि दूसरी तरफ नाला बनना है, इसलिए लोगों में भ्रम की स्थिति बन रही है।
> –**मनोज रावत**, जेई, पीडब्ल्यूडी

मोहल्ले वालों का कहना कि सड़क के बीच से दोनों तरफ बराबर जगह ली जानी चाहिए ताकि किसी एक पक्ष का अधिक नुकसान न हो। लोगों का यह भी आरोप है कि नहर पुलिया से राजापुर चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण में असमानता को भी सुधारा जाना चाहिए। इससे गुस्साए मोहल्ला निवासी रामशंकर गुप्ता, सुरेश कुमार विश्वकर्मा, श्याम सुंदर, सचिन गुप्ता आदि लोग गुरुवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री उमेश शुक्ला के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी ऑफिस पहुंचे, जहां अधिशासी अभियंता जिले से बाहर होने के कारण नहीं मिल पाए। सहायक अभियंता सौरभ कुमार ने मोहल्लेवासियों की पूरी बता सुनीं। पश्चात निर्माण करा रहे अवर अभियंता से पूरे मामले की जानकारी ली। साथ ही निर्देश दिए कि एस्टीमेट के अनुसार सड़क के मध्य से 10-10 मीटर ही चौड़ी की जाए और पूरी सड़क समान रूप से चौड़ी हो। किसी के साथ पक्षपात नहीं होना चाहिए। उन्होंने मोहल्लेवासियों को भी आश्वासन दिया कि कोई पक्षपात नहीं होगा। इस पर खुश होकर सभी लौट आए।

फरवरी से चल रहा काम, छह महीने बाद भी अधूरा

सड़क चौड़ीकरण का काम फरवरी 2025 से चल रहा है। सड़क का निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2025 तक पूरा कराया जाना है, लेकिन छह महीने बीतने के बाद भी अभी तक 50 फीसदी भी काम नहीं हो सका है।

एसपी ने प्रशिक्षु आरक्षियों की जानी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गोरखपुर में आरटीसी प्रशिक्षण ले रहीं महिला आरक्षियों के व्यवस्थाओं को लेकर किए गए हंगामा को देखते हुए गुरुवार को एसपी ने पुलिस लाइन सभागार में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के साथ सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें उन्होंने उनकी समस्याएं जानी और संबंधितों को निर्देश देकर उनका समाधान कराया।

गोरखपुर में 26 वीं वाहिनी पीएसी में रिक्रूट महिला आरक्षियों ने दो दिन पहले समस्याओं को लेकर हंगामा किया था और गंभीर आरोप लगाए थे। गोरखपुर की घटना के बाद एसपी संकल्प शर्मा ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित आरटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी रिक्रूटों के साथ सम्मेलन आयोजित किया। रिक्रूट आरक्षियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं जानी। छोटी-मोटी समस्या सामने आने पर त्वरित संबंधित अफसरों से उसका समाधान कराया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं आवासीय व्यवस्था के साथ-साथ मेस, भोजन, पानी आदि मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सम्मेलन में मौजूद रिक्रूट प्रशिक्षुओं ने भी अपने कुछ सुझाव दिए गए। प्रशिक्षण को और बेहतर बनाए जाने को लेकर एसपी ने संबंधितों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सम्मेलन में एएसपी पूर्व पवन कुमार गौतम भी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन सभागार में रिक्रूटों की समस्याओं से रूबरू होते एसपी संकल्प शर्मा।

अनियमितताएं मिलीं तो एसडीएम ने लगाई फटकार

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: खाद की किल्लत को देखते हुए एसडीएम मधुसूदन गुप्ता ने गुरुवार को साधन सहकारी समिति का निरीक्षण किया है। समिति पर अनियमितताएं मिलने पर सचिव को फटकार लगाई। साथ ही वितरण व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। व्यवस्था ठीक न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

गुरुवार को एसडीएम मधुसूदन गुप्ता, प्रभारी तहसीलदार दिनेश कुमार के साथ अचानक सहकारी समिति मितौली और व बबौना पहुंचे। एसडीएम को देख समिति कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। वहां मौजूद किसानों और कर्मचारियों को खाद वितरण में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कई अव्यवस्थाएं मिलने पर एसडीएम ने नाराजगी जताई और सचिव को व्यवस्था शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही व्यवस्था ठीक न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

एसडीएम ने किसानों से सीधे बात कर उनसे उनकी समस्याओं को सुना और समिति परिसर में लगी भीड़ को लाइन से लगाकर व्यवस्थित ढंग से बंटवाने के निर्देश दिए। सभी को खाद वितरण की बात कही है।

एसडीएम ने ई-पास मशीन, स्टाक रजिस्टर, स्टॉक की उपलब्धता के बारे में सचिव अर्चना सिंह से जानकारी ली है। वहीं महिलाओं, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को खाद वितरण में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

साधन सहकारी समिति का औचक निरीक्षण करते एसडीएम मधुसूदन गुप्ता।

- साधन सहकारी समिति मितौली का किया निरीक्षण

बाघ ने छप्पर में बंधे पड्डे को बनाया निवाला

संवाददाता, बांकेगंज/कुकरा

- चौधीपुर में बाघ ने छप्पर में बंधे पड्डे पर हमला कर बनाया निवाला, ग्रामीण भयभीत

अमृत विचार: मैलानी और गोला वन क्षेत्र में बाघों की चहलकदमी खेतों को छोड़कर गांवो के आसपास बढ़ती जा रही है। बुधवार की रात मैलानी वन क्षेत्र के जटपुरा बीट के अंतर्गत चौधीपुर गांव के पास छप्पर में बंधे पड्डे को बाघ ने हमला करके मार दिया।

चौधीपुर गांव से कुछ दूर रामकुमार ने खेत में घर बनाया है। घर के बाहर वह अपनी भैंस और पड्डे को बांधते थे। बाघ ने रात को पड्डे पर हमला कर मार दिया तथा उठाकर गन्ने के खेत में ले गया। पास में ही रामकुमार सो रहा था। पड्डे की आवाज सुनकर वह जाग गया और चीखते-चिल्लाते हुए भाग खड़ा हुआ। उसका शोर सुनकर अन्य ग्रामीण भी एकत्र हो गए। सुबह होते ही वन विभाग को सूचना दी गई। वन चौकी जटपुरा के फॉरेस्टर राजाराम तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों ने बाघ होने की पुष्टि की।

ग्रामीणों का कहना है कि अभी तक तो खेतों में जाने में डर लगता था, लेकिन अब तो गांव और गांव के आसपास लगातार चहलकदमी होने से जीना मुश्किल हो गया है। बाघिन अब क्षेत्र बदलकर चौधीपुर, रमतलिया दुलारेपुर आदि गांव में पहुंच रही है जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। मैलानी डिप्टी रेंजर एसपी त्रिपाठी ने 19 जुलाई की रात बरगदिया गांव में भी तेंदुआ घर के बाहर छप्पर में बंधी बकरी को उठा ले गया था। गन्ने के खेत में अपना शिकार किया था, जिसका अधखाया शव गन्ने के खेत में मिला था। क्षेत्र में गांव में घुसकर आए दिन हो रही घटनाओं से ग्रामीण दहशत में है।

चौधीपुर गांव में ग्रामीणों से बातचीत करते वनकर्मी। ● अमृत विचार

बाघ पकड़ने के लिए वन विभाग ने रखा पिंजड़ा

धौरहरा, अमृत विचार : धौरहरा वन रेंज के लखन पुरवा निवासी किसान सोबरन लाल (70) का शव मल्लबेहड़ के एक खेत में मंगलवार को मिला था। ग्रामीणों ने बाघ के हमले से मौत की बात कही थी, जबकि वन विभाग तेंदुए होना बताया था। पर शरीर पर कोई निशान न होने से संदेश की स्थिति थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने मौत का कारण हिंसक पशु का हमला होना बताया है। इसके बाद वन विभाग ने पिंजड़ा लगाने की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद तीसरे दिन पिंजड़े को घटनास्थल के पास रखवा दिया है। हालांकि वन विभाग की टीम निगरानी कर रही है। क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि पिंजड़ा रखवा दिया गया है, लेकिन उसके लाइव की अनुमति नहीं मिली है। टीम कांबिंग कर रही है, बाघ या तेंदुआ है किसी की लोकेशन नहीं मिल रही है।

गोला में नायब तहसीलदार को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

जीएसटी के नाम पर वसूली के विरोध में व्यापारी लामबंद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जीएसटी विभाग द्वारा धारा 79 के अंतर्गत की जा रही वसूली और व्यापारियों के उत्पीड़न के विरोध में जिले भर के व्यापारी गुरुवार को लामबंद हुए। तहसील मुख्यालयों पर एसडीएम दफ्तर में, जबकि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। लखीमपुर में डीएम दफ्तर में ज्ञापन सौंपा गया। वहीं गोला में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राममोहन सोनी के नेतृत्व में व्यापारियों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री उमेश शुक्ला ने बताया कि जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश में धारा 79 के अंतर्गत की जा रही वसूली व सर्वे छापे के नाम पर व सचल द्वारा व्यापारियों से किए जा रहे उत्पीड़न को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिला अधिकारी को व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता व संरक्षक सुरेंद्र तोलानी जी के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर जिला महामंत्री उमेश शुक्ला, योगी सचदेवा, रोहित गुप्ता, रियाज हबीबी, जसप्रीत सिंह, आनंद गुप्ता, अमन डोगरा, राजीव गुप्ता शामिल हुए।

गोला गोकर्णनाथ। जिला उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राममोहन सोनी के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार भानुप्रताप सिंह को दिया गया, जिसमें पदाधिकारियों ने आयकर विभाग की व्यापारी विरोधी कार्रवाई की निंदा की गई।

व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, मेडिकल एसोसिएशन के अजय वर्मा, सर्राफा संघ के शिवकुमार सोनी, सिनेटरी एसोसिएशन के श्रीपाल वर्मा, गिट्टी, मौरंग एसोसिएशन के विनोद मिश्रा, किराना एसोसिएशन के नरेश गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष दिनेश मिश्रा, युवा अध्यक्ष निकेत राठी, महामंत्री सन्नी गुप्ता, राकेश मिश्रा, मिथलेश गुप्ता, अतीक खान, रामकिशोर मिश्रा, विवेक राजपूत आदि मौजूद रहे।

डीएम दफ्तर में ज्ञापन सौंपते जाते व्यापार मंडल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- गोला व पलिया में भी व्यापारियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

किसानों की मेहनत को नदी में बहने नहीं दिया जाएगा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: विधायक ने बिजुआ क्षेत्र में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ बाढ़ कटान से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गांवों में बैठक कर कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका हाल जाना। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत को नदी में बहने नहीं दिया जाएगा।

विधायक अमन गिरि ने कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों के साथ गांव हुजूरपुर, बेचपुरवा में शारदा नदी से होने वाले कटान का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत को शारदा नदी में बहने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को राहत, बचाव कार्य में कोताही न बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने क्षेत्र के गांव दाउदपुर में सरदार मोहन सिंह के यहां कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विकास और सामाजिक मुद्दों पर बात की। किसानों की समस्याओं को सुना, यूरिया खाद की समस्या के लिए उन्होंने तुरंत अधिकारियों से बात कर निराकरण कराने को कहा। बूथ अध्यक्ष चेतराम के यहां कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन के मुद्दों पर बात की। विधायक के साथ गुरदीप सिंह, निर्मल सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि वीरेंद्र भूषण, वेद दीक्षित, प्रधान कलेक्टर राज, प्रधान सज्जन खान, प्रधान बलराम मौर्य, पूर्व प्रधान श्रवण मिश्रा, ओमप्रकाश भार्गव, सभासद भोली गिरि, राजू रावत सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

बारिश में भीगते हुए शारदा का कटान देखते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

बेचेपुरवा गांव में ग्रामीणों से कटान संबंधी समस्याएं सुनते विधायक अमन गिरि।

- बाढ़ कटान क्षेत्र का निरीक्षण कर दिए निर्देश, कार्यकर्ताओं का जाना हाल

नैनं छिदन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः!
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारूतः!!

दसवां संस्कार

स्व. श्री राकेश गुप्ता
पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा पीलीभीत
पूर्व प्रभारी, बरेली लोकसभा
सदस्य, प्रदेश कार्य समिति, भाजपा
निदेशक, पी.सी.एफ., बरेली मण्डल
निदेशक नेफेड, उत्तर प्रदेश
सदस्य, राष्ट्रीय परिषद, भाजपा
वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन
पूर्व अध्यक्ष जिला ईंट निर्माता संघ

आपको अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे ज्येष्ठ भाई राकेश गुप्ता जी का स्वर्गवास दिनांक 15.07.2025 को हो गया था। ईश्वर उनके अपने चरणों में स्थान दें।
जिनका दसवाँ संस्कार
दिनांक 25.07.2025 दिन शुक्रवार को होना सुनिश्चित हुआ है।
स्थानः- दसवां मढ़ी स्थल, निकट ईदगाह रेलवे क्रासिंग, पीलीभीत
समयः- 3-4 बजे

शोकाकुल परिवारः-
शोभा गुप्ता (पत्नी), रचित गुप्ता (पुत्र)
शोभित गुप्ता (पुत्र) नगर उपाध्यक्ष, भाजपा, पीलीभीत
विदित गुप्ता, मुदित गुप्ता (भतीजा) एवं समस्त परिवार
शोकाकुल :
बृजेश गुप्ता एवं समस्त परिवार
मो. 9837789084, 9837773562, 9927001120

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

AKA Group of Institutions
Bring Out the Best in you

ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS B.Sc. Nur. B.Tech.
B.Pharma GNM M.Tech.
D. Pharma Polytechnic M.B.A.
B.B.A. B.C.A.
CALL US: 8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway, Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

खून के आंसू

हकीम जहीर अहमद (क्लीनिक)
पंजी. सं. 19706
डॉ. एम. अहमद (BUMS)
जो लोग बचपन की गलतियों से अपनी जवानी बर्बाद कर चुके हैं जिनको
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, नि:संतान रोगी (नशा छुड़वाये), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर इन्दी का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊ पर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दें का क्रीटनीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढ़ीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
वह लोग जिनका विचारों से ही स्लखन हो जाता हो या वे भाई जिनकी उम्र ज्यादा हो वक्त पर बीबी से शर्मिन्दा रहते हो तुरन्त मिलें प्रत्येक:-
शनिवार रविवार
बिहारीपुर पुलिस चौकी के आगे, इस्लामियां मैदान के सामने, बरेली
मो. 9634499693 9837338306

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक

30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता

महिला या पुरुष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant

महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज

जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)

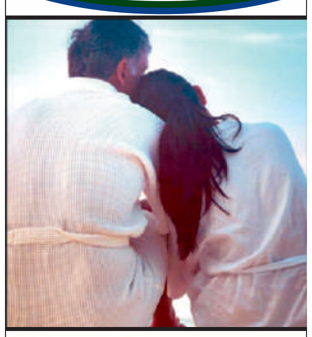

डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist

पुरूषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।

पुरूषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज

निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा

सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

अमावस्या पर शिव मंदिरों में उमड़ा भक्ति का सैलाब

दुग्ध, गंगाजल, शहद, भांग, पुष्प व धतूरा से किया अभिषेक, छोटी काशी पहुंचा कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का रेला

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी में बम-बम भोले के उद्घोष के साथ अमावस्या पर सुबह से ही कांवड़ियों का रेला चलने लगा। शिव मंदिर में बम-बम के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। ब्रह्म मुहूर्त से लेकर देर रात तक श्रद्धालु शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते रहे।

सावन की हरियाली अमावस्या पर भगवान शिव की पूजा करना विशेष फलदाई है और इस दिन की पूजा का विशेष महत्व है। गुरुवार को अमावस्या पर्व पर पौराणिक शिव मंदिर में सुबह से शाम तक कांवड़ियों, शिव भक्तों की भीड़ नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर बनी रही।

श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर पहुंचकर लाइनों में लगकर भोलेनाथ का दुग्ध, गंगाजल, शहद, भांग, पुष्प, धतूरा आदि से अभिषेक कर दर्शन, पूजन कर और हर हर महादेव के जयकारे लगाए। शिव भक्तों ने गोकर्ण तीर्थ में डुबकी लगाकर गोकर्ण तीर्थ पर बैठे पुरोहितों से कथा सुन दान, पुण्य किया। शिव भक्तों की सुरक्षा में प्रशासन मुस्तैद रहा।

पौराणिक शिव मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

टेढ़ेनाथ मंदिर पर पूजा के लिये खड़े कतारबद्ध श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बैरिकेडिंग हटने से शिवभक्तों व पुरोहितों में खुशी : हरियाली अमावस्या पर पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग से गोकर्ण तीर्थ, चूड़ी वाली गली, मून लाइट स्टूडियो को जाने वाले मार्ग को बैरिकेडिंग लगाकर बंद किए गए मार्गों से प्रशासन की अनुमति से बैरिकेडिंग हटा लिए जाने से अब दुकानदारों, तीर्थ पर बैठे पुरोहितों और श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली है। सावन माह में भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने गोकर्ण तीर्थ जाने के लिए केवल नीलकंठ मैदान होकर ही श्रद्धालुओं, दुकानदारों, पुरोहितों के जाने की अनुमति थी, जिसके चलते पुरोहितों के साथ साथ खेल खिलौने आदि की दुकान लगाए लोगों और श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हो रही थी। रास्ता खोल दिए जाने से उन्होंने खुशी जताई है।

शिवालयों में गूंजे बम भोले के जयकारे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी से 5 किमी दूर गोला खुटार रोड पर अहमदनगर गांव में स्थित क्लेशहरण मंदिर पर अमावस्या को काफी भीड़भाड़ रही। श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ की बेलपत्र, धतूरा, भांग, गंगाजल, पुष्प, प्रसाद अर्पित कर पूजा अर्चना की।

मंदिर के पुजारी विष्णु गिरि ने बताया कि सुबह मंदिर के कपाट खुलने के समय ही काफी दूर तक शिव भक्तों की लाइन लग गई थी। गंगाजल लेकर आये कांवड़ियों को तत्काल मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर पूजा अर्चना की। सुरक्षा के लिये हैदराबाद थाने का पुलिस बल मौजूद रहा।

छोटी काशी की सड़कों पर निकलते कांवड़िया। ● अमृत विचार

● **हर-हर महादेव के उद्घोष कर कांवड़ियों ने की पूजा**

बग्घून। क्षेत्र के गोमती नदी तट स्थित बाबा टेढ़ेनाथ धाम पर सावन महीने में अमावस्या के दिन सुबह चार बजे से ही भक्तों की लगी लाइन लग गई थी। दूर दराज के आए श्रद्धालु कांवड़िया और शिव भक्तों ने बाबा टेढ़ेनाथ मंदिर में बेलपत्र, भांग, फूल, धतूरा, गंगाजल से अभिषेक कर भगवान की पूजा अर्चना की। मंदिर पर सामाजिक और धार्मिक संगठनों के लोगों ने अमावस्या के दिन दान पुण्य भी किया। सुरक्षा के लिए अमीरनगर चैकी प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह स्टाफ सहित मौजूद रहे। मंदिर पर सेवादार मयंक त्रिवेदी, योगेश मिश्रा, छोटेलाल, शिवम दीक्षित, अविरल आदि मौजूद रहे।

निजी अस्पताल में सरकारी दवाएं मिलने की टीम करेगी जांच

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर निजी चिकित्सालय में सरकारी दवाओं के मिलने का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो का मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संज्ञान लिया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने एसीएमओ डॉ. रवी मोहन गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। यह टीम पूरे मामले पर रिपोर्ट बनाकर सीएमओ को सौंपेगी।

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि यह मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन में तैनात एक संविदा चिकित्सक के निजी चिकित्सालय में कुछ सरकारी दवाओं के मिलने का है। वीडियो वायरल होने व संज्ञान में के बाद तत्काल जांच टीम का गठन कर दिया गया है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के सरकारी बोर्ड का हो गठन

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के सरकारी बोर्ड गठन की मांग जोर पकड़ने लगी है। बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उत्तर प्रदेश की जिला इकाई के पदाधिकारियों की मौजूदगी में चिकित्सकों ने निघासन विधायक को ज्ञापन देकर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के लिए सरकारी बोर्ड गठन की मांग की है।

विधायक शशांक वर्मा को ज्ञापन देते इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक।

● **होम्योपैथिक चिकित्सकों ने निघासन विधायक को सौंपा मांग पूरी कराने को ज्ञापन**

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जिलाध्यक्ष डॉ. मनजीत कश्यप ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति 24 अप्रैल 1975 से देश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। भारत सरकार व उत्तर प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों के माध्यम से चिकित्सा, पंजीकरण, अनुसंधान एवं विकास के कार्य किए जा रहे हैं। बोर्ड ने वर्ष 2025 में अपनी स्वर्ण जयंती भी मनाई और इस अवसर पर स्मृति ग्रंथ का प्रकाशन किया गया।

उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार ने वर्ष 2018 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी मान्यता विधेयक पारित कर 30 अप्रैल 2025 को अधिसूचना जारी कर बोर्ड गठन की प्रक्रिया पूरी की, जो 1 मई 2025 से प्रभावी भी हो चुकी है। राजस्थान सरकार की इस पहल का देश के कई राज्यों में स्वागत हुआ और अन्य राज्यों ने भी इस दिशा में पहल शुरू की है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति को मान्यता दिलाने और सरकारी बोर्ड गठन की मांग को लेकर जिले के सभी विधायकों और सांसदों को ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. देवेश त्रिवेदी, प्रभारी डॉ. अमित विश्वकर्मा, डॉ. दिव्यांश श्रीवास्तव आदि चिकित्सक मौजूद रहे।

SEXOLOGIST

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें
शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीध्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया निकट सैटेलाइट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

आरओ-एआरओ परीक्षा को लेकर दिया प्रशिक्षण

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: पब्लिक इंटर कॉलेज में 27 जुलाई को होने वाली आरओ, एआरओ की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराए जाने को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ने परीक्षा की बारीकियां बताते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

नगर में 27 जुलाई रविवार को लखीमपुर रोड स्थित तीन परीक्षा केंद्रों सीजीएन पीजी कॉलेज, कृषक समाज इंटर कॉलेज और पब्लिक इंटर कॉलेज में होने वाली समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा 2023 की तैयारी के लिए प्रशिक्षण में पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक बाबूराम सागर ने परीक्षा की बारीकियां समझाते हुए परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा इन्हीं परीक्षाओं में सामने आती है। ईमानदारी से परीक्षा को संपन्न कराने में शिक्षकों का सहयोग अपेक्षित है।

गोला के पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रशिक्षण में मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

● **प्रधानाचार्य ने परीक्षा की बारीकियां बताते हुए दिए आवश्यक निर्देश**

सेक्टर मजिस्ट्रेट अभय कुमार ने बताया कि पिछली बार यह परीक्षा संपन्न हुई थी, जिसमें अनेक शिक्षकों ने अपनी महती भूमिका निभाई थी। उन्होंने पहले संपन्न हुई परीक्षा और अब होने वाली परीक्षा के परिवर्तनों को रेखांकित करते हुए सावधानी रखने के निर्देश दिए। स्टेटिक मजिस्ट्रेट हृदयशंकर लाल श्रीवास्तव ने आयोग के निर्देशों के पालन के सख्त निर्देश दिए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा नामित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कुकरा की प्रवक्ता बीना गंगवार ने परीक्षा के महत्व को बताते हुए सुचिता और पवित्रता को बनाए रखने पर जोर दिया। वरिष्ठ प्रवक्ता विश्व मोहनजीत ने बताया कि प्रत्येक प्रवेश पत्र पर सुरक्षा टीम द्वारा एक पीले रंग का स्टीकर लगाया जाएगा, उस स्टीकर को देखकर ही परीक्षार्थियों को कक्ष में प्रवेश की अनुमति दें। प्रधानाचार्य ने कहा की सभी शिक्षकों को लिखित निर्देश दिए गए हैं।

18 घंटे से ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप

बरवर, अमृत विचार: बरवर ग्रामीण बिजली उपकेंद्र से क्षेत्र के सैकड़ों गांवों को मिलने वाली बिजली आपूर्ति 18 घंटे से ठप है। बिजली आपूर्ति की समस्या से किसानों की धान की फसल में सिंचाई नहीं हो पा रही है। मुख्य फाल्ट 11 हजार लाइन में है और इसी के कारण सैकड़ों गांव अंधेरे में हैं। उपभोक्ता बताते हैं कि 11 हजार लाइन में प्रति दिन बार बार अर्थिंग होती है जिसके कारण ग्रामीण उपभोक्ताओं को बिजली नही मिल पा रही है। उमस भरी भीषण गर्मी से परेशान उपभोक्ता अपने पशुओं को पानी पिलाने को तरस रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पर असर है । जेई ग्रामीण से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि लाइनमैन भेजकर समस्या सही कराकर आपूर्ति चालू कराई जाएगी।

आस्था का प्रतीक है गोमती तट पर जंगलीनाथ मंदिर

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार : आदि गंगा गोमती के तट पर घने जंगल के बीच पौराणिक पांडवकालीन स्थित शिव मंदिर जंगलीनाथ अगाध आस्था का प्रतीक है। यह मंदिर मोहम्मदी ब्लॉक की ग्राम पंचायत दूल्हापुर चौबे के गांव कोहरन में स्थित है।

मान्यता है कि अश्वत्थामा आज भी इस मंदिर में पूजा करने आते हैं। महाभारत काल में जब पांडवों को बनवास मिला था, तब उन्होंने घने जंगलों में निवास करते हुए कुछ स्थानों पर शिवलिंग स्थापित कर पूजा अर्चना की थी। मान्यता है कि जंगलीनाथ में शिवलिंग अर्जुन ने स्थापित किया था। आदि गंगा गोमती के तट पर युधिष्ठिर और भीम द्वारा स्थापित शिवलिंग टेढ़ेनाथ, नकुल और सहदेव द्वारा स्थापित शिवलिंग गरीबनाथ और अर्जुन द्वारा स्थापित शिवलिंग जंगलीनाथ के नाम से आज भी आस्था का केंद्र हैं।

जंगलीनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग। ● अमृत विचार

मंदिर परिसर की घनी छांव में श्रद्धालु कुछ समय आध्यात्मिक आनंद में व्यतीत करते हैं। गोमती के इस तरफ जंगलीनाथ और दूसरी तरफ टेढ़े नाथ धाम है। गोमती की स्थिति दयनीय होने के कारण अब नदी में स्नान करने की परंपरा समाप्त हो गई है। कई वर्ष पहले हरदोई के शाहाबाद स्थिति नर्मदा तीर्थ के स्वामी रामाश्रम जंगलीनाथ में आकर रहे थे और इस मंदिर के विकास में काफी योगदान दिया। बाद में वह शाहाबाद जाकर नर्मदा तीर्थ में रहने लगे। उनके जाने के बाद यहां पर स्थाई रूप से कोई पुजारी नहीं रुक सकी लेकिन पिछले करीब 30 वर्षों से बतौर पुजारी गोकरन सिंह इस मंदिर को देख रहे हैं।

लगभग 80 वर्ष की अवस्था में भी इस मंदिर से उनकी आस्था श्रद्धालुओं की निगाह में वंदनीय है। विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने यहां एक सत्संग भवन, यात्री निवास और शौचालय आदि का निर्माण कराया है। मौजूदा प्रधान बलजिंदर कौर के पति और प्रधान प्रतिनिधि अजीत सिंह समय समय पर यहां आकर खैर-खबर रखते हैं और संभव सुविधाएं प्रदान करते हैं।

अर्जुन ने स्थापित किया था शिवलिंग

महाभारतकालीन जंगलीनाथ धाम में स्थापित शिवलिंग महाभारतकालीन है। इसे अर्जुन ने स्थापित किया था। ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालु यहां आकर पूजा अर्चना करते हैं। यहां रुद्राभिषेक भी होता है।

-गोकरन सिंह, पुजारी

ब्रीफ न्यूज

संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन 26 को

पसगवां, अमृत विचार : देव भाषा संस्कृत के संवर्धन के लिए संस्कृत छात्र-छात्राओं के लिए जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज जंगबहादुरगंज में 26 जुलाई को होगा। इसमें जिले से लगभग 60 प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के संयोजक संस्कृत प्रवक्ता डॉ. सुभाष यादव ने बताया कि संस्कृत में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता जनपद स्तर, मंडल स्तर व राज्य स्तर पर होगी।

पिकअप आमने-सामने भिड़ीं, पांच घायल

खमरिया, अमृत विचार : गुरुवार सुबह करीब नौ बजे पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर गांव खानीपुर के पास लखीमपुर की तरफ से आ रही एक पिकअप की सामने से आ रही दूसरी पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार नूर मोहम्मद, वसीम, अंकित, सुधीर निवासी लखीमपुर व पंकज निवासी शाहजहांपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची खमरिया पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सीएचसी नकहा भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों जिला अस्पताल रेफर किया है।

फिल्मी गाना बजाने से मना करने पर बुजुर्ग को पीटा

पलियाकलां, अमृत विचार : गांव नगला निवासी महबूब ने बताया कि पड़ोसी याहिया खान तेज आवाज में फिल्मी गाने बजा रहे थे। इससे पढ़ने वाले बच्चों व नमाजियों के लिए बाधा उत्पन्न हो रही थी। इसलिए उन्होंने गाना बंद करने और धीमी आवाज में बजाने की बात कही। इस पर आरोपी भड़क गए और गाली गलौज करने लगे। गाली देने से मना करने पर याहिया खान, जिआउल रहमान और अयान खान ने उनकी लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। इससे वह लहूलुहान हो गए। थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि बुजुर्ग की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घायल को अस्पताल भेजकर मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मितौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेजा है। प्रभारी निरीक्षक शिवा जी दुबे ने बताया ने 20 मार्च 25 को एक महिला ने प्रदीप पाल निवासी हरिहरपुर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया थआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

एक वारंटी गिरफ्तार

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना अध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में एसआई संतपाल सिंह राठौर, हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह ने वारंटी श्रीराम निवासी नगरा सलेमपुर को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है।

अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत

गांव कैमा खादर निवासी राकेश को वाहन ने मारी टक्कर, गांव पटिहन के नरेश की अपने वाहन से कुचलकर गई जान

संवाददाता, खमरिया

अमृत विचार: थाना फरधान क्षेत्र के गांव कैमा खादर निवासी कांवड़िया की पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर भरेहटा गांव के पास वाहन ने कांवड़िया को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी घटना में पलिया थाना क्षेत्र के गांव पटिहन निवासी कांवड़िया की ट्राली से उतरते समय कुचलकर जान चली गई।

थाना फरधान क्षेत्र के गांव कैमा खादर निवासी राकेश (25) पुत्र रामसनेही धौरहरा क्षेत्र के जालिम नगर पुल से सरयू नदी का जल भर कर गोला गोकर्ण नाथ कांवड़ लेकर जा रहा था। पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर थाना ईसानगर क्षेत्र के भरेहटा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पहुंची ईसानगर पुलिस ने उसे आनन-फानन में सीएचसी खमरिया भेजा, जहां डॉक्टर ने कांवड़िया को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार वाले भी सीएचसी पहुंचे। शव देख उनमें चीख पुकार मच गई। थानाध्यक्ष निर्मल तिवारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कांवड़िया को देखने के लिए सीएचसी खमरिया में लगी भीड़। ● अमृत विचार

नहाते समय शारदा नदी में डूबकर कांवड़िया ने दम तोड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शारदा नगर थाना क्षेत्र के कालीपुरवा गांव से बुधवार की शाम करीब चार बजे कांवड़ लाने के लिए कांवड़ियों का एक जत्था भगहा गांव के पास बह रही शारदा नदी पर गया था। बताते हैं कि जत्थे में शामिल गांव कालीपुरवा निवासी सर्वेश (19) ने जल भरा और उसके बाद वह नहाने लगा। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव में फंसकर डूबने लगा। यह देख साथी कांवड़ियों में हड़कंप मच गया। साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह कुछ ही देर में लापता हो गया। साथियों ने उसके नदी में डूबने की खबर परिवार वालों को दी। इससे परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने ग्रामीणों के साथ नदी में तलाश की तो शाम 6 बजे उसको नदी से बाहर निकाला। जिंदा होने की आस में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शारदानगर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कांवड़ जाने के लिए जल लेने गए युवक की शारदा नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गई थी।

कुकरा। पलिया थाना क्षेत्र के गांव पटिहन निवासी नरेश कुमार (35) पुत्र नत्थूलाल शारदा नदी से जल भरकर गांव से ट्रैक्टर-ट्राली से परिवार सहित छोटी काशी गोला स्थित शिव मंदिर पहुंचा और जलाभिषेक किया। बताया जाता है कि घर वापस जाते समय गोला से कुकरा-भीरा मार्ग पर पेट्रोल पंप के निकट सुबह करीब 11 बजे ट्राली से लघुशंका के लिए उतरते समय ट्रैक्टर की पहिया पर पैर रखते समय फिसलने के कारण वह गिरकर ट्राली के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही नरेश कुमार की कुचलकर मौत हो गई। साथी कांवड़िया घटना से सदमे में आ गए। आनन-फानन में ट्रैक्टर-ट्राली लेकर पटिहन चले गए। मृतक नरेश कुमार की पत्नी रूबी देवी (33), बड़ी पुत्री मोहनी (8), छोटी पुत्री मनीषा (3) नरेश कुमार की मौत से परेशान हैं, जिनका रो रोकर बुरा हाल है। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शासन से मृतक के परिवार की आर्थिक स्थित को देखते हुए उनके भरण की व्यवस्था के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

घायल कांवड़िया के इलाज को लोगों दिए 50 हजार रुपये

सिंगाही, अमृत विचार : थाना शारदा नगर क्षेत्र में हादसे में पैर गंवाने वाले कस्बा सिंगाही के वार्ड नंबर 11 निवासी सोहन लाल की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए जब लोगों को हुई तो लोगों ने उसके परिवार वालों से संपर्क किया। उसके परिजनों का क्यूआर कोड लेकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया। उसकी मदद के लिए आए लोगों ने 24 घंटे के भीतर करीब 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद पहुंचाई है। नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम ने जरूरत पड़ने पर और अधिक मदद करने का आश्वासन परिवार वालों को दिया है। घायल कांवड़िया का उपचार लखनऊ के ट्रामा सेंटर में चल रहा है।

स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन शिविर का समापन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जनता इंटर कॉलेज लगुचा में आयोजित सात दिवसीय बेसिक कोर्स फॉर स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन शिविर का समापन हो गया। इससे पूर्व मंडलीय पदाधिकारी पूनम संधू ने शिविर का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। व्यवस्थाएं ठीक मिलने पर संतोष जताया।

उन्होंने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग जैसी पवित्र संस्था में 16 स्काउटर और 12 गाइडर मिलकर बालक -बालिकाओं की चरित्र निर्माण की कार्यशाला को मजबूती प्रदान करेंगे। स्काउटिंग सेवाओं के प्रसार किए जाने की अपील भी की। शिविर का उद्घाटन 18 जुलाई को विद्यालय के प्रबंधक संदीप सिंह चौहान ने किया था। शिविर का संचालन दिग्विजय सिंह पचौरी आगरा, प्रीति मिश्रा लखनऊ ने किया।

शिविर में स्काउटिंग के फंडामेंटल, इतिहास, प्रगतिशील प्रशिक्षण, पायनियरिंग, ऐस्टीमेशन, प्राथमिक चिकित्सा, सिगनलिंग, वन विद्या आदि विषयों का विधिवत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक प्रशिक्षक डॉ. के सी मिश्रा, विष्णु दत्त भार्गव, लक्ष्मी शंकर, विनय भास्कर शुक्ला, आरती गुप्ता, मधु बाजपेई, संजीता शर्मा, हरिओम मिश्रा, जितेन्द्र कुमार आदि को प्रशस्ति पत्र भी दिया।

समापन शिविर में मौजूद स्काउट और प्रशिक्षक। ● अमृत विचार

पानी भरे गड्ढे में नौ माह की बच्ची का मिला शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शारदानगर के एक गांव निवासी युवक की नौ माह की बच्ची की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव घर के निकट पानी भरे एक गड्ढे से बरामद हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव मझरा रामलाल निवासी जाकिर ने बताया कि उसकी नौ माह की बेटी सायबा को बुधवार की शाम हर रोज की तरह आसपास के छोटे बच्चे उसे घर से अपने साथ खिलाने के लिए ले गए थे। काफी देर तक न तो बच्चे वापस आए और न ही शायबा घर आई। परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान गांव के ही किशोरी ने बेटी शायबा का शव पानी भरे गड्ढे में उतराता हुआ देखा। जानकारी मिलने पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए और बच्ची का शव बाहर निकाला। शव देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हत्या की धारा बढ़वाने को एसपी से मिला पीड़ित पिता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पीड़िता ने डायरी में बयां की थी अपने ऊपर हुए जुल्मों की कहानी

अमृत विचार: सदर कोतवाली के मोहल्ला गोविंद नगर निवासी एक पिता मृतक पुत्री के दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले में हत्या की धारा बढ़वाने के लिए दर-दर भटक रहा है, लेकिन पुलिस उसकी नहीं सुन रही है। मृतका ने ससुराल में हो रहे जुल्मों की कहानी को एक डायरी में लिखा था, जिसे उसने विवेचक को सौंप दिया। फिर भी उसे विवेचना में शामिल नहीं किया है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पिता ने एसपी से मिलकर डायरी को विवेचना में शामिल कराने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मोहल्ला गोविंद नगर निवासी विमलेश अवस्थी ने बताया कि उन्होंने पुत्री की शादी 18 जनवरी 2025 को बीनापुरम निवासी प्रसून शुक्ला उर्फ ईलू के साथ हुई थी। पति, ससुर भुवनेश्वर शुक्ला, सास सुषमा शुक्ला, जेठ प्रशांत शुक्ला, देवर प्रभात शुक्ला और सीतापुर जिले के थाना तालगांव के गांव मुबारकपुर निवासी नंदोई सुमित अवस्थी 10 लाख रुपये की मांग कर उसकी पुत्री को प्रताड़ित करते थे। वह बीमार हो गई। उसका सही से इलाज न कराकर जान से मारने की नीयत से कोई जहरीला पदार्थ खिला दिया। जिससे उसकी हालत खराब होने लगी। रुपये न मिलने पर उसे रास्ते से हटाने और दूसरी शादी की बात करने लगे। ससुराल में मिल रही प्रताड़ना को उसने अपनी डायरी पर कई पन्नों में लिखा है। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर 12 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज की थी, लेकिन पुलिस उसके बयान दर्ज नहीं कर सकी। इलाज के दौरान सारिका की 14 जुलाई को मौत हो गई। 48 घंटे बाद भी बयान न लेना, उपलब्ध डायरी को विवेचना में शामिल नहीं किया गया। इतना ही नहीं गिरफ्तारी तो दूर हत्या की धारा भी नहीं बढ़ाई है। गुरुवार को पीड़ित पिता एसपी से मिला और शिकायती पत्र देकर हत्या की धारा बढ़ाने, डायरी को विवेचना में शामिल कराने और आरोपियों की गिरफ्तारी कराने की मांग की है।

अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन परीक्षा में वन रैंक पाकर आरूश ने किया नाम

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी के बेटे आरूश उस्मान ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा ओलंपियाड सामान्य ज्ञान अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होकर नेशनल स्तर पर रैंक एक हासिल कर जिले और

विद्यालय का नाम रोशन किया है। शहर के मोहल्ला हिदायत नगर स्थित लॉ मटीना स्कूल के प्रबंधक अशद रसीद ने बताया कि एसओएस फाउंडेशन पूरे भारत में स्कूल के बच्चों की ऑनलाइन परीक्षा कराता है। परीक्षा में उनके स्कूल के 72 छात्रों ने भाग लिया था, जिसमें कक्षा एक के छात्र आरूश उस्मान ने परीक्षा उत्तीर्ण कर रैंक वन हासिल कर विद्यालय समेत जिले देश का नाम रोशन किया है। इंटरनेशनल रैंक होल्डर होने पर विद्यालय प्रबंधन ने आरूश उस्मान खान को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि बैग आदि भेंट किया है।

छात्रा आराध्या व अमरिंदर ने कांस्य पदक जीते

छात्राओं को मेडल पहनाते प्रधानाचार्य आलोक मिश्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सेठ एमआर जयपुरिया लखनऊ में आयोजित त्रिदिवसीय, चतुर्थ एथलेटिक्स मीट में श्री राजेंद्र गिरि मेमोरियल अकादमी लक्ष्मनजती के विद्यार्थियों ने कई मेडल जीते हैं। लखनऊ में हुई एथलेटिक्स मीट में प्रदेश भर के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

श्री राजेन्द्र गिरि मेमोरियल एकेदमी गोला की छात्रा आराध्या सिंह ने अंडर 14 की 400 मीटर रेस में तथा अमरिंदर कौर ने लम्बी कूद में कांस्य पदक जीते। छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक मोहित पुरी, प्रधानाचार्य आलोक मिश्र ने उनके अभिभावकों को बधाई दी और छात्राओं को मेडल पहनाकर उत्साहवर्धन किया। छात्राओं की इस उपलब्धि में विद्यालय के पीटीआई कमाल अहमद, निधि सिंह, शिक्षक संगम गुप्ता की भूमिका सराहनीय रही।

प्रबंध निदेशक विधायक अमन गिरि ने भी छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यालय में खेलों को और भी अधिक प्रोत्साहन देने पर बल दिया।

ट्रेन से कटकर दो गायों की मौत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: गोला में गुरुवार शाम रेलवे स्टेशन ट्रैक पर भवानीगंज गांव को जाने वाले मार्ग के सामने लालकुआं वाराणसी सिटी समर स्पेशल ट्रेन से कटकर दो गायों की मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेकर नगर पालिका को इस संबंध में सूचना दी। स्टेशन अधीक्षक ओपी चौधरी ने बताया कि लालकुआं वाराणसी सिटी समर स्पेशल ट्रेन साप्ताहिक ट्रेन शाम पांच बजे निकलती है। गोला में इसका स्टॉपेज नहीं है। उन्होंने बताया कि मेन लाइन ट्रैक नंबर दो पर ओ गायों की कटकर हुई मौत से यह दुखद हादसा हुआ है। पहले भी इसी ट्रेन से गोवंश की कटकर मौत हो चुकी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. शाहिद के गलत संगत में पड़ जाने के कारण उससे संबन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **नत्थू पुत्र रमजानी इस्लाम नगर कस्बा नवाबगंज बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र डॉ. ज्ञानवीर सिंह एवं उसकी पत्नी पूनम ज्योति को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उनसे संबन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। **द्वारिका प्रसाद पुत्र स्व. राजबहादुर निवासी जी- 89, इन्टरनेशनल सिटी, थाना बिथरी चैनपुर, बरेली (उ.प्र.)**

सूचना

हमने अपने पुत्र दीपक के गलत चाल-चलन, दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, वे अपने लेन-देन, कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा, हमारा वास्ता ना होगा । रामपाल पुत्र रामस्वरूप, सुशीला पत्नी रामपाल, निवासी विकास नगर, पानी की टंकी के पीछे, शांति विहार, बरेली।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा एक किता मकान पुख्ता मय आराजी रकबा 133.59 वर्गमीटर गया संख्या 625 का भाग स्थित बांके मोहल्ला नौगवां कस्बा फतेहगंज राजस्व ग्राम भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज बरेली तहसील मीरगंज जिला बरेली की मालिक काबिज हूं। उक्त संपत्ति से संबंधित एक मकान बैनामा 12.10.2011 को बही नं. 1 जिल्द 1618 पृष्ठ 103 से 126 क्रम संख्या 4646 जोकि श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री फूलसिंह के हक में कृपाल सिंह द्वारा निष्पादित किया गया था बाजार जाते समय कहीं खो गया है जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **मोना गोयल पत्नी पंकज गोयल निवासी मोहल्ला माली कस्बा फतेहगंज पश्चिमी बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

राष्ट्रीय कला मंच की टोली में आशुतोष का चयन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के गतिविधि कार्य राष्ट्रीय कला मंच की टोली में गोला के आशुतोष कुमार श्रीवास्तव का नाम चयनित किए जाने से विद्यार्थी परिषद में खुशी है।

वर्धा, महाराष्ट्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के गतिविधि कार्य राष्ट्रीय कला मंच की दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला 22 से 23 जुलाई को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हुई, जिसमें राष्ट्रीय कला मंच की सात विधाओं की सात अखिल भारतीय टोलियों में साहित्य की अखिल भारतीय टोली के सदस्य हेतु गोला के आशुतोष

महाराष्ट्र में बोलते आशुतोष कुमार श्रीवास्तव।

कुमार श्रीवास्तव के नाम की घोषणा की गई। आशुतोष राष्ट्रीय कला मंच अवध प्रान्त के प्रान्त सह संयोजक हैं। अब आशुतोष ऑल इंडिया स्तर पर राष्ट्रीय कला मंच के साहित्य से जुड़े कार्य को गति प्रदान करेंगे। आशुतोष लखनऊ विवि में पीएचडी कर रहे हैं।

घर में घुसे चोर नकदी और जेवर ले गए

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी की पुलिस चौकी नकहा के गांव अशोगापुर निवासी कैलाश के शर्मा ने बताया कि बुधवार की रात चोर खिड़की का ताला तोड़कर घर में घुस गए। घर में रखी अलमारी, बक्से आदि का ताला तोड़ दिया। उनमें रखे हजारों रुपये की नकदी, जेवर समेत करीब दो लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। इसके अलावा गांव के श्रीकृष्ण मौर्य के घर पर चोरों ने धावा बोला, लेकिन घर में जाग होने पर चोर भाग निकले। चोरी की जानकारी सुबह हुई। गृहस्वामी की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

101 कन्याओं को भोज कराने के बाद भागवत कथा का समापन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: मानव कल्याण के उद्देश्य से साईं मैरिज लॉन में हुई सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा का समापन 101 कन्याओं के भोज के उपरांत किया गया।

कथा वाचिका संजीवनी मिश्रा ने समापन पर कृष्ण सुदामा की दोस्ती का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। आयोजक व्यापारी नेता पटेल अशोक कनौजिया, जिला पंचायत सदस्य शिखा कनौजिया ने कन्याओं का पूजन, अर्चन, तिलक कर श्रद्धा भाव से कन्या

कन्याभोज कराते आयोजक अशोक कनौजिया और शिखा कनौजिया।

भोज कराया। इस अवसर पर सतीश वर्मा, प्रियंका वर्मा, डॉ.सुमेधा पटेल, प्रिया वर्मा, प्रमिला शुक्ला, धीरेंद्र कनौजिया, शिवांगी वर्मा, नन्ही वर्मा, सतीश श्रीवास्तव, जनार्दन मौर्य, सतपाल वर्मा, रीना वर्मा सहित तमाम भक्त मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से मक्का ला रहे युवक की पिटाई

कलान, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर निवासी कमला देवी ने थाने में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके पुत्र बबलू जाटव की कुछ लोगों ने बेवजह पिटाई की। बताया कि बबलू बुधवार शाम खेत से मक्का लाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौट रहा था, जबकि वह बाइक से साथ-साथ चल रहा था। कासिम नगला गांव के पास कुछ लोगों ने उसकी बाइक रोककर विरोध करने पर मारपीट की। मां कमला देवी घायल पुत्र को थाने ले गईं, जहां से पुलिस ने उसे स्वास्थ्य केंद्र भेजा और मेडिकल कराया। पीड़िता ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

संवाददाता, जैतीपुर

● जैतापुर के जुझारपुर गांव के पास हुई दुर्घटना, दो अन्य गंभीर घायल

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव जुझारपुर के पास बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जुझारपुर निवासी महिपाल का बेटा विकास पाल दोस्त आकाश के साथ बाइक से बैसरा जा रहा था। इसी दौरान नौगवां गोविंदपुर का रहने वाला और ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा

मृतक विकास पाल।

अमित कटरा की ओर से आ रहा था। गांव के पास एक मंदिर के मोड़ पर दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर विकास को बरेली ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में फरीदपुर के पास उसने दम तोड़ दिया। विकास तीन भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। मां माला देवी बेसुध हैं। वहीं अन्य दो घायलों को परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर करें बेहतर प्रबंध

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पुलिस अफसरों व थाना प्रभारियों के साथ बैठक में बोले एडीजी

अमृत विचार: अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ परिक्षेत्र सुजीत पांडेय लखीमपुर पहुंचे। उन्होंने पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंधक करें।

अपराधों की समीक्षा कर उन पर प्रभावी अंकुश लगाने, महिला

पुलिस अफसरों के साथ बैठक करते एडीजी लखनऊ परिक्षेत्र सुजीत पांडेय।

अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई करने सहित कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए। एडीजी ने पुलिस लाइन स्थित आरटीसी सेंटर का भी भ्रमण किया और बैरकों के साथ ही अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। मेस में भोजन की व्यवस्था आदि परखी।

आवासीय व्यवस्थाओं, शौचालय, स्नानागार, पेयजल, विद्युत, पंखा, कूलर आदि सभी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त मिलीं। प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए रिक्रूट आरक्षियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें जरूरी टिप्स दिए। इस दौरान एसपी संकल्प शर्मा, एएसपी पूर्वी पवन कुमार गौतम, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी समेत सभी सीओ, प्रभारी निरीक्षक व थानेदार रहे।

स्टेट ब्रीफ

बिना फार्मर रजिस्ट्री बीमित नहीं होंगी गैरऋणी फसलें

अमृत विचार, लखनऊ : अब बिना फार्मर रजिस्ट्री के गैरऋणी किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। किसानों को फसलों का स्वयं से बीमा कराने के लिए पहले फार्मर रजिस्ट्री कराना होगा। तभी फसलें बीमित की जाएंगी। केंद्र ने गैरऋणी किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की गाइडलाइन में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसान ही जनसेवा केंद्र या स्वयं से फसलों का बीमा करा पाएंगे। सरकार ने पारदर्शिता के लिए यह व्यवस्था की है। इससे फर्जीवाड़ा या फिर दोहरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। सरकार ने केसीसी धारकों की प्रक्रिया में बदलाव नहीं किया है। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं है, वे जल्द कराकर फसलों का बीमा कराएं।

प्रदेश में बंद हो स्कूलों का विलय : अजय राय

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उच्च न्यायालय के सीतापुर में स्कूलों के विलय पर रोक का स्वागत करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में स्कूलों का विलय बंद किया जाए। ऐसा न होने पर कांग्रेस संघर्ष तेज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा में निजीकरण को बढ़ाने के लिए सरकारी विद्यालयों को बंद करने का षड्यंत्र रच रही है, जबकि कांग्रेस प्रदेश में 27 हजार प्राथमिक विद्यालयों के विलय के कुत्सित प्रयास के खिलाफ संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि निशुल्क शिक्षा सभी का अधिकार है। उच्च न्यायालय के आदेश से गरीब व वंचित वर्ग के बच्चों को समुचित शिक्षा मिल सकेगी।

ऊर्जा मंत्री के बयान पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मंत्री बिजली विभाग को 'जनसेवा' बता रहे हैं, तो ऊर्जा निगमों का निजीकरण आखिर क्यों किया जा रहा है। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने भी इसी बयान पर ऊर्जा मंत्री से सवाल किए। बीते दिन बिजली आपूर्ति की समीक्षा बैठक में ऊर्जा मंत्री ने विभाग के शीर्ष अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। उनका कहना था कि विभाग 'बनिया' की दुकान नहीं है। उन्होंने बकाया होने पर पूरे गांव की बिजली काटने पर नाराजगी जताई थी।

नई बिजली दरों पर बैठक आज : प्रदेश में नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर राज्य विद्युत नियामक आयोग की राज्य सलाहकार समिति की बैठक 25 जुलाई को होगी। बैठक में नई बिजली दरों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

चार देशों में पांच कंपनियां खोलीं, मिले 11 बैंक खाते

गाजियाबाद के कविनगर में एक मकान में फर्जी दूतावास संचालन का मामला, दस्तावेजों की जांच में कई राज सामने आए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

अमृत विचार : गाजियाबाद के कविनगर में घर के अंदर फर्जी दूतावास चलाने के आरोपी हर्षवर्धन जैन को मंगलवार देर रात को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। आरोपी के पास से मिले दस्तावेजों की जांच की गई तो कई राज सामने आये। हर्षवर्धन चर्चित चंद्रास्वामी का काफी करीबी था। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन की सउदी निवासी आर्म्स डीलर अदनान खशोगी और एहसान अली सैयद से लंदन में मुलाकात कराई थी। हर्षवर्धन के नाम से यूके में दो, यूएई, मॉरिशस और कैमरून में है एक-एक कंपनी है। जांच में दुबई (यूएई) में 6, मॉरिशस में 1, यूके में 3 तथा भारत में 1 बैंक खाते की जानकारी मिली है। एसटीएफ बैंकों में हुए लेन-देन के बारे में जानकारी हासिल करने में जुटी है।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक जांच में सामने आया कि हर्षवर्धन जैन ने एहसान अली सैयद के साथ मिलकर विदेशों में कई कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें यूके में स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन लि., ईस्ट इंडिया कंपनी यूके लि., यूएई में आईसलैंड जनरल ट्रेडिंग कोआपरेशन लि., मारिशस में इंदिरा ओवरसीज लि.अफ्रीका के कैमरून में कैमरून इस्पात एसएआरएल शामिल हैं। जांच में सामने आया कि एहसान अली सैयद हैदराबाद का रहने वाला है। उसने तर्किश की नागरिकता ले ली है। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन को इसी के पास लंदन में भेजा था। हर्षवर्धन के साथ मिलकर कई शेल कंपनी बनाई। इसी तरीके से बड़ी कमाई की थी।

- हर्षवर्धन जैन के यूके में दो, यूएई मॉरिशस व कैमरून में है एक-एक कंपनी
- चंद्रास्वामी ने लंदन में कराई थी आर्म्स डीलर अदनान खशोगी और एहसान अली से मुलाकात

गाजियाबाद में इसी मकान से आरोपी हर्षवर्धन चलाता था फर्जी दूतावास। • अमृत विचार

अहसान और हर्षवर्धन ने दलाली से बनाए थे 3 अरब रुपये

जांच में सामने आया कि अहसान की स्विट्जरलैंड और बहरीन वेस्ड कंपनी वेस्टर्न एडवाइजरी ग्रुप थी। अहसान और हर्षवर्धन ने रिवस बेस्ड कई कंपनियों को वर्ष 2008 से 2011 के बीच में करीब 70 मिलियन पाउंड (भारतीय मुद्रा में आठ अरब, 19 करोड़, 37 लाख 31 हजार रुपये) लोन दिलाया था। इसके बदले में उसने 25 मिलियन पाउंड (2 अरब 92 करोड़ 64 लाख 60 हजार रुपये) दलाली ली थी। इसके बाद वहां से भाग गया। 22 नवंबर 2022 को स्विस सरकार की सिफारिश पर लंदन पुलिस ने हर्षवर्धन को गिरफ्तार किया था। जुलाई 2023 में वेस्ट मिनिस्टर कोर्ट लंदन ने जालसाजी करने के मामले में स्विट्जरलैंड को प्रत्यर्पण की मंजूरी दे दी है। जांच में सामने आया कि ज्यूरिख कोर्ट ने 16 कंपनियों को लोन दिलाने के नाम पर दलाली के रुपये लेकर ठगी करने और भाग जाने के मामले में अहसान को साढ़े छह साल की सजा सुनाई है। एहसान अली के साथ हर्षवर्धन की भी भूमिका की जांच की जा रही है। एसटीएफ को हर्षवर्धन के दो पैन कार्ड की भी जानकारी मिली है। जिनके आधार पर उसने कई बैंकों में खाते खोले हैं। उसके भारत समेत चार देशों में खोले गये बैंक खातों में हुए लेनदेन की डिटेल जुटाई जा रही है।

वेस्ट आर्कटिका, सबोरगा, पॉल्विया और लोडोनिया से जुड़े तार

एसटीएफ नोएडा के इंस्पेक्टर सचिन कुमार के मुताबिक गिरफ्तार किए गए हर्षवर्धन जैन कई देशों का काउंसिल एंबेस्डर बताता है। इसके तार खुद को देश घोषित करने वाले वेस्ट आर्कटिका, सबोरगा, पॉल्विया और लोडोनिया से जुड़े हैं। वह चार लग्जरी गाड़ियों पर राजनयिक नंबर प्लेट लगाकर चलता था। कविनगर में संचालित दूतावास का कोई पंजीकरण नहीं मिला। विदेशी कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने की भी शिकायतें की है।

लंदन से किया एमबीए, सैटेलाइट फोन का करता था प्रयोग

एसटीएफ टीम के मुताबिक, हर्षवर्धन जैन ने गाजियाबाद से बीबीए और लंदन से एमबीए किया। इसके पिता जेडी जैन प्रतिष्ठित उद्योगपति रहे हैं। गाजियाबाद में इनकी जैन रोलिंग मिल और राजस्थान के बांसवाड़ा और काकरोली में इंदिरा मार्बल्स व जेडी मार्बल्स नाम से खदानें थीं। जहां आरोपी हर्षवर्धन ने भी काम किया था। खदानों से मार्बल लंदन भी भेजा जाता था। हर्षवर्धन लंदन में मार्बल एक्सपोर्ट का काम देखता था। एसटीएफ के मुताबिक वर्ष 2011 में हर्षवर्धन साउथ अफ्रीका में कारोबार करता था। इस दौरान अवैध तरीके से वह साउथ अफ्रीका से गाजियाबाद में सेटेलाइट फोन ले आया। कुछ दिन उसने सेटेलाइट फोन को ऑन किया तो केंद्रीय एजेंसी ने लोकेशन ट्रेस कर ली। एसटीएफ हर्षवर्धन को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए दिल्ली ले गई। जांच में देशविरोधी गतिविधियां न मिलने पर उसे छोड़ दिया गया।

कब्जा मुक्त कराएं जमीन: मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। इलाज को लेकर आए लोगों को आश्वासन दिया कि पैसे की कमी से किसी का भी इलाज नहीं रुकेगा।

- जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

योगी ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि जमीन का मामला यदि किसी परिवार का हो तो दोनों पक्षों के बीच संवाद कर उसका निस्तारण कराएं। हर पीड़ित को हक दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

आपदा राहत निधि से बना सकते हैं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़क

- मुख्यमंत्री का अहम फैसला जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से सड़क बनाने के निर्देश
- योगी ने नगरीय क्षेत्र की सड़कों का विकास सीएम ग्रिड से करने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक अहम फैसला लेते हुए, निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत निधि से भी सड़क बना सकते हैं। इसी के साथ उन्होंने नगरीय क्षेत्र की सड़कों का विकास सीएम ग्रिड से करने के निर्देश दिए।

गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गोरखपुर-बस्ती मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आगामी सड़क निर्माण परियोजनाओं और प्रस्तावों का डिजिटल प्रेजेंटेशन देखा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विधानसभावार उनके क्षेत्र की सड़क आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की। कुछ जनप्रतिनिधियों ने बाढ़ के समय कुछ सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का मुद्दा उठाया। इस पर योगी ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इसके लिए जरूरत पड़ने पर आपदा राहत निधि का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और क्षेत्रीय जन आकांक्षा के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से सड़क बनाएं, इसके कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। योगी ने इस दौरान सड़क निर्माण परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता में कोई भी समझौता न करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने सड़क कनेक्टिविटी को लगातार सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग गंभीरता से लें। जनप्रतिनिधि जिन सड़कों को प्राथमिकता दें, सबसे पहले उनका एस्टीमेट बनाएं और शिलान्यास कराकर निर्माण कार्य शुरू हो। उन सड़कों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाए, जो बड़ी आबादी को लाभान्वित करने वाले हों।

बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम समेत सांसद-विधायक आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धर्मस्थलों को रोड कनेक्टिविटी से जोड़ें

मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने भी मंदिरों, धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास हुआ है और हो रहा है, उन्हें प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग तत्परता से कार्य करें। इसके लिए कोई जनप्रतिनिधि प्रस्ताव दे तो उसका एस्टीमेट शीघ्रता से बनाकर कार्य शुरू कराया जाए।

विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं जनप्रतिनिधि

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं। इसलिए जिम्मेदारी है कि वे जनता के बीच रहकर विकास कार्यों की चर्चा करें, विकास को लेकर उनकी और आकांक्षाओं को जाने तथा उसके अनुरूप प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें।

दंगा और गुंडामुक्त यूपी बना उत्सव प्रदेश : योगी

गोरखपुर के पीएसी परिसर में 11 मंजिला बैरक टॉवर और हॉस्पिटल का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर के 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी देखते मुख्यमंत्री योगी। • अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो उत्तर प्रदेश आठ वर्ष पहले तक दंगा प्रदेश के रूप में बदनाम था, गुंडों-माफिया से तबाह था, वहीं आज कानून व्यवस्था का मानक पेश कर रहा है। दंगामुक्त और गुंडामुक्त उत्तर प्रदेश आज अनुशासित और उत्सव प्रदेश की पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

योगी गुरुवार को 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में 11 मंजिला बैरक टॉवर और 30 बेड के हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज कोई भी बाहरी व्यक्ति कानून व्यवस्था के मामले में यूपी पर हंस नहीं सकता, न ही अंगुली नहीं उठा सकता है। यूपी का नौजवान आज कहीं भी जाता है तो सम्मान पाता है जबकि आठ वर्ष पहले यहां के नौजवान को यूपी के नाम पर एक कमरा तक नहीं मिलता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ साल पहले यहां शांति की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, यह सपना था। तब पुलिस के लाखों पद खाली थे लेकिन नियत सही न होने से तत्कालीन सरकारें पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाती थीं।

मुख्यमंत्री ने लोकनायक की प्रतिमा का किया अनावरण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर के असुरन चौराहे के सुंदरीकरण कार्य का लोकार्पण व लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि कांग्रेस के तानाशाही के कारण जब एक बार लगा था कि भारत का लोकतंत्र दम तोड़ देगा, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने उसे पुनर्जीवित करके नया जीवन दिया। योगी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी जयप्रकाश नारायण ने अपना जीवन भारत-भारतीयता और जीवन मूल्यों के लिए आगे बढ़ाया था, जिस पर भारत की मजबूत नींव टिकी हुई है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कई विधायी कार्यों को निपटाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तैयारियां तेज हैं। कई विधायी कार्यों को निपटाने की कार्यसूची लगभग तय है। इन कार्यों को निपटाने के लिए तारीखें व संबंधित एजेंडे को कार्यमंत्रणा समिति में रखकर अंतिम फैसला लिया जाएगा। दरअसल, व्यवस्था यह है कि विधान सभा सत्र के लिए नियत तिथि की सूचना सदस्यों को आमतौर पर सात दिन पहले प्रमुख सचिव, विधान सभा स्तर से दी जाएगी। इस शीतकालीन सत्र में कई विधायी कार्य निपटाए जाएंगे वहीं, सत्र के दौरान राज्य सरकार कई अध्यादेशों को भी मंजूरी के लिए सदन में पेश कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कैबिनेट ने विधानमंडल में सीएजी की रिपोर्ट पेश करने के लिए राज्यपाल की अनुमति लेने का वित्त विभाग का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया है। मानसून सत्र में सीएजी की रिपोर्ट भी सदन के पटल पर रखा जाना संभव है। मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के रहते विधानभवन ही नहीं सदन की कार्यवाहियों में भी बदलावों का दौर है। इस शीतकालीन सत्र में भी विधानभवन की व्यवस्था और अंदरूनी साजसज्जा में और आकर्षक परिवर्तन दिखेंगे। इस बार सदस्यों को आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस की भी ट्रेनिंग दिए जाने की तैयारी है।

पंचायत चुनाव : मत पत्रों के मुद्रण के लिए निविदा जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तय समय पर होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंचायत चुनाव की तैयारी में लगा है। केवल विवादित क्षेत्रों में पंचायत चुनाव टाले जाने की आशंका है। इस बीच, आयोग ने मत पत्रों के मुद्रण के लिए निविदा भी जारी कर दी है।

प्रदेश में पंचायत चुनाव प्रक्रिया टलने की आशंका नगर विकास विभाग की ओर से पंचायतीराज विभाग को लिखे गये पत्र से पैदा हुई, जिसमें नगर विकास विभाग ने पंचायतीराज विभाग से पंचायत चुनाव सम्पन्न होने तक नये नगरीय निकायों के सृजन व सीमा विस्तार पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया है। साथ ही, पंचायतीराज विभाग की ओर से 21 मई को जारी शासनादेश को निरस्त किये जाने का अनुरोध किया है। वर्तमान में 18 जुलाई से पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत के वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है। 10 अगस्त को वार्डों की अंतिम सूची जारी करने की तैयारी है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि आयोग निर्धारित समय के अनुसार चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। मत पत्रों के मुद्रण की भी तैयारी शुरू कर दी गई है।

भ्रष्टाचार के आरोप में कानपुर के एसीएमओ समेत तीन डॉक्टर निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डफरिन अस्पताल की सीएमएस समेत कई पर विभागीय कार्रवाई शुरू
- ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने शुरू की कार्रवाई

"एसीएमओ, कानपुर नगर द्वारा चीफ फार्मासिस्ट एवं वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के साथ मिलकर वित्तीय अनियमितता किए जाने संबंधी प्रकरण में एसीएमओ को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। चीफ फार्मासिस्ट एवं वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। -**ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री**

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में लग रहे आरोपों व शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने कठोर कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार के आरोप में कानपुर नगर के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एसीएमओ) समेत एटा के दो चिकित्सकों को निलंबित कर दिया गया है।

इसके अलावा राजधानी लखनऊ में वीरांगना अवंती बाई महिला अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ.रेनू पंत को आरोप पत्र देते हुए, कानपुर नगर के चीफ फार्मासिस्ट व बांदा व हमीरपुर के एक-एक डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। उप्र मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने डॉक्टर व अन्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि कानपुर नगर में एसीएमओ के पद पर रहते हुए डॉ.सुबोध प्रकाश यादव ने अपने पद का दुरुपयोग किया है। नवम्बर 2024 में डॉ. सुबोध ने चीफ फार्मासिस्ट अवनीश कुमार शुक्ला, डॉ. वन्दन सिंह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के साथ मिलकर सप्लायरों से साठगांठ कर वित्तीय अनियमितता बरती हैं।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में जांच के दौरान सीबीआई ने नियम विरुद्ध तरीके से 1.60 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करने का कुचक्र रचने की पुष्टि की। जांच के बाद उप मुख्यमंत्री ने डॉ. सुबोध प्रकाश यादव को निलम्बित करने के आदेश दिए।

उप मुख्यमंत्री से जनता दर्शन में लोगों ने की थीं शिकायतें, जांच में आरोप सही मिले

उपमुख्यमंत्री से जनता दर्शन में लोगों ने वीरांगना अवन्ती महिला चिकित्सालय (डफरिन) के खिलाफ शिकायतें की थीं। उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ के मण्डलीय अपर निदेशक से मामले की जांच कराई। निरीक्षण कराकर जांच करायी। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेनू पंत को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई किये जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिये गये हैं। इसके अलावा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि बदायूं जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हमीरपुर जिला चिकित्सालय में नेत्र सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह को कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति उदासीनता बरतने के आरोपों का स्पष्टीकरण न देने पर विभागीय कार्रवाई संस्तुति की गयी है। इसके अलावा सीतापुर में फर्श पर प्रसूता व नवजात शिशु के लेटे जाने का वायरल वीडियो को लेकर उप मुख्यमंत्री ने जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मेडिकल परीक्षण में पास करने के लिए ली थी घूस, किए गए निलंबित

प्रमुख सचिव ने बताया कि मथुरा में उप्र पुलिस आरक्षी भर्ती प्रक्रिया में गठित मेडिकल पैनल के डॉक्टर सदस्यों पर मेडिकल परीक्षण पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से धन वसूली करने के आरोप लगे थे। प्रथमदृष्टया जांच में जिला चिकित्सालय में तैनात आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हरि नारायण प्रभाकर व जिला चिकित्सालय एटा में तैनात डॉ. राहुल वार्ष्णेय को निलम्बित करने के साथ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नई प्रणाली

योजना के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत करने की हुई व्यवस्था

राष्ट्रीय योजनाओं में नौकरशाहों के लिए बदला गया मानक

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- सभी बिलों की स्वीकृति व प्रतिहस्ताक्षर में आ रही थी व्यावहारिक कठिनाई

अमृत विचार : केंद्रीय योजना में भारत सरकार की ओर विभागीय प्रमुख को बिल प्रस्तुत करने बाद ही धनावंटन की अनिवार्यता संबंधी आदेश को नौकरशाही ने अपने लिए खास इंतजाम कर लिया है। प्रमुख सचिव व सचिवों को सभी बिलों की स्वीकृति व प्रतिहस्ताक्षर में व्यावहारिक कठिनाई का हवाला देते हुए वित्त विभाग ने 10 जुलाई को जारी शासनादेश में संशोधन करते हुए इस तरह की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत करने की व्यवस्था दे दी है।

दरअसल भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में बजट आवंटन और भुगतान को लेकर एसएनए-एसपीएआरएसएच (स्पर्श) प्रणाली पूरी तरह लागू होगी। इसके लिए संबंधित विभाग अपने स्तर पर सुनिश्चित करेंगे कि लाभार्थी या वेंडर को परियोजनाओं की गाइडलाइन के अनुसार अनुमन्यता व देयता होने पर ही भुगतान किया जा रहा है। नई प्रणाली से योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। इसे लेकर यहां 30 जून को कार्यशाला में भारत सरकार के अधिकारियों ने बजट आवंटन की इस नई व्यवस्था के बारे में विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया। साथ ही, केंद्र की 67 योजनाओं में नई व्यवस्था लागू की अनिवार्यता को लेकर 10 जुलाई को वित्त विभाग के सचिव मिनिस्ती एस ने सरकार की ओर सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव समेत विभागाध्यक्ष व प्रमुख कार्यालयाध्यक्षों को इसे लागू करने का शासनादेश जारी किया।

सूत्रों कहना है कि वरिष्ठ नौकरशाहों (प्रमुख सचिव और सचिव) की ओर से इसे लेकर आपत्ति जताई गई। दरअसल, जिन योजनाओं में उनकी भूमिका प्रमुख की है, वहां बिल पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर में तमाम व्यावहारिक कठिनाई गिनाई गईं। इसके बाद सरकार को शासनादेश का संशोधन करना पड़ा है।

सचिव मिनिस्ती एस की ओर से जारी नए शासनादेश में कहा गया है कि जिनके एसएनए शासन में तैनात प्रमुख सचिव व सचिव हैं, ऐसे मामलों में, बिल प्रस्तुतीकरण हेतु प्रत्येक बिल के लिए एसएनए द्वारा भुगतान स्वीकृति आदेश निर्गत करने और प्रत्येक बिल को प्रतिहस्ताक्षर करने में व्यावहारिक कठिनाइयां स्वाभाविक हैं। इसे संशोधित करते हुए अब आदेश में कहा गया है कि इन बिलों पर प्रतिहस्ताक्षर करने और समेकित धनराशि के भुगतान के स्वीकृति आदेश पर हस्ताक्षर करने हेतु योजना के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित प्रमुख सचिव और सचिव को सुस्पष्ट आदेश निर्गत किया जाएगा। जिसकी पृष्ठांकन प्रति महालेखाकार, उत्तर प्रदेश एवं मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, साइबर ट्रेजरी और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय के प्रोग्राम डिवीजन को दिया जाएगा।

किसानों में बढ़ा तिलहन का क्रेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धान और मक्के का रकबा भी बढ़ा, कपास में भी जगी आस

अमृत विचार : तिलहन और दलहन के उत्पादन में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार लगातार प्रोत्साहन दे रही है। धान और मक्के का रकबा भी बढ़ा है, साथ ही कपास में भी आस जगी है।

कृषि विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, खरीफ के मौजूदा सीजन में 21 जुलाई तक तिलहन की सभी प्रमुख फसलों तिल, मूंगफली और सोयाबीन की बुवाई का रकबा पिछले सीजन की तुलना में करीब सवा गुना तक बढ़ा है। वर्ष 2024 में इन फसलों की बुवाई का कुल रकबा 432.250 हजार हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 547.144 हजार हेक्टेयर हो गया। इसमें तिल के रकबे में तो डेढ़ गुने से अधिक की वृद्धि हुई है। पिछले साल तिल का रकबा 180.26 हजार हेक्टेयर था, जो मौजूदा वर्ष में बढ़कर 303 हजार हेक्टेयर हो गया। रकबे की यह बढ़त खुद में अभूतपूर्व है।

इसी तरह इस सीजन की तिलहन की अन्य दो फसलों मूंगफली एवं सोयाबीन के बुवाई के रकबे में भी वृद्धि हुई है। इसी समयावधि में सोयाबीन का रकबा 34.12 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 40 हजार हेक्टेयर हो गया। मूंगफली का रकबा भी 204 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 218 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया। अरहर की बुवाई का रकबा 184 हजार हेक्टेयर से 273 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। मूंग भी 30 से बढ़कर 32 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उर्द में पीछे है। खरीफ की बाकी मुख्य फसलों धान एवं मक्के की बुवाई का रकबा भी बढ़ा है। धान का रकबा 4193 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 5546 और मक्के का रकबा 636 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 701 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। कपास के प्रति भी उत्तर प्रदेश के किसानों की रुचि बढ़ी है। इसका रकबा सात हजार हेक्टेयर से 18 हजार तक पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

मुसलमान सांसद डिंपल यादव से नाराज

बरेली, अमृत विचार : संसद की मस्जिद में सपा नेताओं की बैठक के बाद विवाद गहराता जा रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने गुरुवार को बयान जारी करते हुए कहा कि मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने मस्जिद की तौहीन की है। उन्होंने कहा कि मौलाना मोहिबुल्ला नदवी ने जिस तरह अपनी पार्टी की बैठक मस्जिद में कराई वह शर्मनाक है।

मेले में मारपीट का वीडियो वायरल

हसनपुर, अमृत विचार : गांव फूलपुर बीझलपुर शिव मंदिर में बुधवार को सावन माह की शिवरात्रि पर लगे मेले में शहाबुद्दीन के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें कुछ युवक एक शख्स को बेरहमी से पीटते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कोतवाल दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि उन्हें वायरल वीडियो की जानकारी नहीं है।

स्नातक में प्रवेशित छात्र 31 तक सीट करें लॉक

रुविवि ने समर्थ पोर्टल पर सीट लॉक करने की तिथि की निर्धारित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में स्नातक में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की समर्थ पोर्टल पर सीट लॉक करने की तिथि निर्धारित कर दी है। महाविद्यालय को प्रवेशित छात्रों की सीट समर्थ पोर्टल पर 31 जुलाई तक लॉक करनी होगी। यदि सीट लॉक करने में किसी तरीके की कोई दिक्कत आ रही है तो महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल की टीम से संपर्क करना पड़ेगा।

कुलसचिव ने सभी महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि स्नातक स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेशित छात्रों के प्रवेश को समर्थ पोर्टल पर सुनिश्चित करने की तिथि निर्धारित की गई है। इसके तहत प्रथम एवं द्वितीय चरण में 25 जुलाई तक प्रवेशित छात्रों का डाटा समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन लॉक करने की तिथि 31 जुलाई है। सभी संबद्ध महाविद्यालयों को समर्थ पोर्टल पर प्रवेशित छात्रों का डाटा लॉक करना अनिवार्य है।

- समस्या के लिए महाविद्यालयों को विवि में करना होगा संपर्क

ऑनलाइन डाटा लॉक में यदि कोई तकनीकी समस्या हो तो विश्वविद्यालय के सीएसआईटी विभाग में स्थित कंप्यूटर सेंटर में प्राचार्य संपर्क कर अपने तकनीकी स्टाफ को भेजकर प्रवेश ऑनलाइन लॉक करा सकते हैं। सभी महाविद्यालयों को प्रवेश लॉक करने के संबंध में वीडियो पूर्व में उपलब्ध कराया जा चुका है।

बरेली कॉलेज जैसे बड़े कॉलेजों को हो रही है दिक्कत

समर्थ पोर्टल पर प्रवेशित छात्रों को डेटा लॉक करने में बरेली कॉलेज जैसे बड़े महाविद्यालयों को दिक्कत हो रही है। यहां करीब पांच हजार से अधिक छात्रों का डेटा लॉक होना है। डेटा लॉक करने के लिए छात्र को ईमेल और मेसेज भेजना होगा। उसके बाद छात्र को बुलाकर ओटीपी पूछकर सीट लॉक करनी होगी। इसके लिए कॉलेज में टीम बनाई गई है। यह टीम विश्वविद्यालय में संपर्क कर सीट लॉक करने की प्रक्रिया सीखेगी।

मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका, तीन अस्पतालों पर 40 हजार जुर्माना

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम की टीम ने बृहस्पतिवार को खुले में मेडिकल वेस्ट फेंकने वाले नर्सिंग होम, प्राइवेट अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की है। खुद टीम के साथ निकले अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय ने तीन जगहों पर देखा कि मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका जा रहा है। इस पर तीन अस्पतालों पर 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

अपर नगर आयुक्त ने बताया कि सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए दोपहर में कुछ जगहों पर निरीक्षण किया। इस दौरान डोहरा रोड स्थित अपोलो हास्पिटल पर बीस हजार, शिवांश अस्पताल पर 15 हजार और संजीवनी अस्पताल पर 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया। इन जगहों पर कूड़े के साथ ही मेडिकल वेस्ट भी फेंका जा रहा था। उन्होंने बताया कि दुर्गानगर में कुछ डेयरी संचालक गोबर नाली में बहा रहे हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

आईआईआरएफ रैंकिंग में रुविवि का शानदार प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में प्रदेश में 16 वां और देश में 141वां स्थान प्राप्त हुआ है।

साथ ही व्यवसाय प्रबंधन श्रेणी में विश्वविद्यालय ने प्रदेश में 7 वां स्थान हासिल किया है, जो राज्य के शीर्ष 10 संस्थानों में इसकी गणना कराता है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं उद्योग-अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में की गई निरंतर प्रगति को दर्शाती है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि आईआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय का दोहरा प्रदर्शन हमारे संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान क्षमता और छात्रों के समग्र विकास पर केंद्रित प्रयासों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य राष्ट्र को ऐसे योग्य, नैतिक और नवाचारी पेशेवर प्रदान करना है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों।

आईआईआरएफ रैंकिंग शिक्षण, अनुसंधान, प्लेसमेंट, बुनियादी सुविधाओं, उद्योग संबंधों तथा वैश्विक प्रभाव जैसे मानकों पर आधारित होती है।

विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय ने तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक कौशल विकास पर विशेष बल दिया है, जबकि व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने नेतृत्व क्षमता, उद्यमिता और उद्योग-अनुकूल शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से अपनी पहचान बनाई है।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन जल्द लागू करेगी भाड़े की नई लिस्ट

बरेली, अमृत विचार : बरेली ट्रक ओनर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक गुरुवार को रेजिडेंसी गार्डन में डंप डीलर अवधेश के आवास पर हुई, जिसमें सीमेंट और खाद डीलर्स ने भाग लिया। यूनियन के अध्यक्ष शोभित सक्सेना ने कहा कि ट्रक मालिकों को यूनियन की सूची के अनुसार भाड़ा नहीं मिल रहा। 2012 से जो ट्रांसपोर्ट यूनियन ने लिस्ट बनाई थी, उस समय डीजल 48 रुपये, अब डीजल 89 रुपये हो गया है। इसलिए यूनियन जल्द 2025 की भाड़े की नई लिस्ट लागू करेगी। बिना ट्रांसपोर्ट की बिल्टी के कोई भी गाड़ी सीधे गोदाम से लोड नहीं होगी, क्योंकि सीधे गोदाम से गाड़ी भरने से बिल्टी न कटने से ट्रांसपोर्टर को कमीशन नहीं मिल पाता है। प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत बख्शी ने कहा एसोसिएशन ओवरलोडिंग बर्दाश्त नहीं करेगी, जो इसका उल्लंघन करेगा उसकी गाड़ी एसोसिएशन और डंप डीलर ब्लैक लिस्ट कर देंगे।

पहले कार्रवाई की बात भेद खुला तो बचाने में जुटे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: औषधि निरीक्षक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी का मामला 24 घंटे तक दबाए रहे। अगले दिन शाम को सहायक आयुक्त, औषधि तक मामला पहुंचा तो वह मेडिकल स्टोर के निरीक्षण की जानकारी न मिलने पर खफा दिखे। छापेमारी की रिपोर्ट न देने पर उन्होंने औषधि निरीक्षकों पर कार्रवाई कराने के साथ रिपोर्ट तलब करने की बात कही।

मामला राजेंद्र नगर के एक बड़े मेडिकल स्टोर का है। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे औषधि निरीक्षक अनामिका जैन और राजेश कुमार मेडिकल स्टोर पर पहुंचे। करीब साढ़े तीन घंटे तक शटर गिराकर मेडिकल स्टोर पर जांच की। इस दौरान दुकान से कुछ दवाइयों के सैंपल लिए गए, लेकिन दोनों औषधि निरीक्षकों ने कार्रवाई की भनक संयुक्त आयुक्त औषधि को नहीं लगने दी। यह मामला गुरुवार शाम करीब चार बजे संयुक्त आयुक्त औषधि संदीप के पास पहुंचा तो वह भी चौंक गए। उन्होंने मेडिकल स्टोर पर छापेमारी के बाद अगले दिन तक उन्हें जानकारी नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए औषधि निरीक्षकों से रिपोर्ट तलब करने की बात कही। यहीं से पूरे प्रकरण में खेल हो गया।

संयुक्त आयुक्त के मुताबिक औषधि निरीक्षकों ने पूछने पर बताया गया कि शाम को छापेमारी की वजह से उनको जानकारी नहीं दी गई। अगले दिन दोपहर तक मामला दबे रहने पर वह गोलमाल जवाब देते दिखे। इधर, छापेमारी करने गई औषधि निरीक्षक अनामिका जैन का कहना है कि दुकान में काफी मात्रा में दवाइयां खुली मिली थीं। संदेह के आधार पर डायक्लोफिनेक और ओमेप्राजोल टैबलेट का नमूना लिया।

सउदी में रह रही महिला का अश्लील फोटो भेज मांगी रंगदारी

बरेली, अमृत विचार : बारादरी क्षेत्र निवासी महिला पति के साथ सऊदी अरब में रहती है। उसकी छवि खराब करने के लिए दो युवकों ने उसके नाम से सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर और एडिट कर उसके अश्लील फोटो वायरल कर रहे हैं। साथ ही उसके पति से तीन लाख रुपये की रंगदारी की मांग कर रहे हैं। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता के भाई ने बताया कि उनकी बहन का निकाह दो वर्ष पहले हुआ था। जो अपने पति के साथ सऊदी में रहती है। आरोप है कि शाहजहांपुर का रहने वाला अजहर खान उर्फ अज्जू अपने साथी ईसाइयों की पुलिया निवासी इमरान के साथ मिलकर लंबे समय से परेशान कर रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अमरोहा में घर से नकदी और सामान ले गए चोर

संवाददाता रहरा (अमरोहा)

अमृत विचार: रहरा थाना क्षेत्र के गांव पौरारा मुस्कम गांव में चोरों ने एक घर में धावा बोल दिया। महिला ने जब चोरों को विरोध किया तो हमला करके घायल कर दिया। पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पौरारा मुस्कम गांव निवासी श्रीचंद सैनी ने बताया कि उनका घर गांव के पश्चिमी छोर पर बाहर की ओर है। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे वह उसी पत्नी गीता और 10 वर्षीय बेटा प्रियांश के साथ बरामदे में सो रहा था। इसी बीच दो चोर उनके घर में घुस आए। चोरों ने कमरे में रखे संदूक का ताला तोड़कर दो जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी का पेंडल, एक नोटों का हार, एक सोने की नोज पिन और 5000 रुपए की नकदी चोरी कर ली। आवाज होने पर उनकी पत्नी गीता देवी जागी तो चोर उनके साथ मारपीट कर फरार हो गए। जिससे गीता की बाजू में खुली चोट आई है। हालांकि जाग होने पर ग्रामीणों ने उनका पीछा किया। लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे। थाना अध्यक्ष कुमेश त्यागी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- जागने पर महिला को चोरों ने मारपीट कर किया घायल

चोरी के बाद बिखरे पड़े सामान को दिखाती गीता देवी।

दोस्त ने दिया धोखा, बना दिया कर्जदार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रुपये मांगने पर आरोपी दोस्त दे रहा जान से मारने की धमकी
- एसएसपी के आदेश पर दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र के रहने वाले एक दोस्त ने दूसरे दोस्त के नाम पर अलग-अलग तरीके से रुपये लेकर उसे 16 लाख रुपये का कर्जदार बना दिया। आरोपी ने उसके नाम पर बैंक से लोन भी लिया। उसकी भी ईएमआई जमा नहीं किया। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर पुलिस ने आरोपी व उसके दोस्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र के गुलाबनगर निवासी अकलीम रजा ने बताया कि क्षेत्र के ही असद खान से उसकी पुरानी दोस्ती थी। आरोप है कि पहले उसने दोस्ती का फायदा उठाकर अकलीम का क्रेडिट कार्ड लिया और पेट्रोल लेने समेत अन्य दुकानों से करीब तीन लाख रुपये की खरीदारी करने के साथ ही नकदी भी निकाला। असद ने दिखावे के लिए यह रकम दोबारा अकलीम के खाते में ऑनलाइन भेज दी, जिससे उसे शक न हो। इसके बाद असद खान ने बजाज फाइनेंस से अकलीम को 4.29 लाख का लोन दिला कर ले लिया। इसकी शुरुआती दो-तीन ईएमआई खुद भरीं, लेकिन बाद में किश्त देना बंद कर दिया। अब यह लोन अकलीम के नाम पर बकाया है और वसूली के लिए नोटिस आ चुके हैं। इतना ही नहीं आरोपी ने अपनी मां को बीमार बता कर अकलीम से अलग-अलग किस्तों में 4.46 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद दुकान खरीदने के नाम पर करीब सात लाख रुपये की मांग की। इस पर अकलीम ने दीपक पटेल और नसीम से उधार लेकर 6.65 लाख आरोपी को नकद दिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपी उसे फंसाने की कोशिश की और झूठी शिकायतें करने लगा। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

खाता ट्रांसफर करने का झांसा देकर पांच हजार ठगे

बरेली, अमृत विचार : जालसाज ने खाता ट्रांसफर करने का झांसा देकर युवक से पांच हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के राजीव कालोनी निवासी होरीलाल ने बताया कि उन्होंने बैंक खाता ट्रांसफर कराने के लिए सर्विस रिक्वेस्ट भेजी थी। उसके बाद एक ठग ने फोन किया और कहा कि वह स्टेट बैंक के हेड ऑफिस से बात कर रहा है। बैंक शाखा पूछते हुए ओटीपी मांगा और खाते से पांच हजार रुपये कट गए।

महिला को कुत्तों ने नोचकर मार डाला

बिजनौर, अमृत विचार: खेत से पशुओं को चारा लेने गई 60 वर्षीय महिला को आवारा कुत्तों के झुंड ने नोच नोच कर मौत के घाट उतार दिया।

थाना अफजलगढ़ के गांव झाड़पुरा भागोजोत निवासी हुकुम चंद्र सैनी की पत्नी मुन्नी देवी गुरुवार को घर से महज 40 मीटर दूर खेतों में पशुओं के लिए चारा लेने गई थी। वहां कुत्तों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और नोचने लगे। उनकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े और कुत्तों को भगाया लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। कुत्तों ने महिला के सिर के बाल उखाड़ दिए गए और हाथ-पैर बुरी तरह जख्मी कर दिए। परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व थानाध्यक्ष सुमित राठी मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

बैठक में पुरानी समस्याओं पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में उद्यमियों ने कई मुद्दे उठाए

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में बृहस्पतिवार को डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक हुई। इसमें उद्यमियों से जुड़ी अधिकांश पुरानी समस्याओं पर चर्चा की गई। डीएम ने संबंधित विभागों को इनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये।

भोजीपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा कि ग्राम पीपलसना चौधरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र भोजीपुरा में लंबे समय से पानी निकास की समस्या है। कहा कि वह चार साल से इस मुद्दे का उठा रहे हैं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों से पूछा तो बताया गया कि मौके का निरीक्षण कर पानी का निकास नदी तक पहुंचाने के लिए एस्टीमेट बन चुका है। इस पर उद्यमियों ने बताया कि भोजीपुरा में कार्य के लिए बजट आया नहीं है। इस पर डीएम ने दो टूक कहा कि अगली बैठक तक समस्या का हल हर हाल में हो जाए। अजय शुक्ला ने नैनीताल रोड पर रिछा रोड पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाने का मुद्दा भी उठाया।

उद्यमी अथर हुसैन रिछा-जहानाबाद रोड पर रोड साइड के दूसरे तरफ इंटरलॉकिंग न होने की समस्या रखी तो अधिशासी अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। अगली बोर्ड बैठक में स्वीकृति लेते हुए कार्य कराया जाएगा। बैठक में एक बार फिर से फायर ब्रिगेड स्टेशन के लिए जगह चिन्हित होने पर भी कोई सुगबुगाहट न होने की बात कही गई, इस पर सीएफओ ने बताया कि 19 जून को संस्तुति मिल चुकी है। जल्द काम शुरू कर दिया जाएगा। उद्यमी गुरप्रीत सिंह ने फरीदपुर औद्योगिक क्षेत्र में इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के पास स्ट्रीट लाइटें न जलने की बात कही। एनएचएआई ने आश्वासन दिया कि शीघ्र लाइटें दुरुस्त करा दी जाएंगी। बैठक में उद्यमियों ने बताया कि सीबीगंज क्षेत्र स्थित इकाइयों की विद्युत सप्लाई परसाखेड़ा स्थित पावर हाउस से की जाती है। आंधी, बारिश में पेड़ों की डालें टूटकर गिरने से विद्युत सप्लाई बाधित होती है। इस पर वन विभाग से विद्युत विभाग को एनओसी प्रदान करते हुए पेड़ों की छटाई के लिए निर्देश दिए गए। सीडीओ देवयानी, उपायुक्त उद्योग विकास यादव समेत उद्यमी व अधिकारी उपस्थित रहे।

8 हजार उपभोक्ताओं को राहत, अगस्त से चालू होगा बिजलीघर

बरेली, अमृत विचार: पवन विहार में कब्रिस्तान के पास निर्माणाधीन 33 केवी बिजलीघर अगस्त माह से चालू हो जाएगा। इससे पवन विहार, हरुनगला का कुछ हिस्सा, गणेशनगर, बीसलपुर चौराहा क्षेत्र, पीलीभीत रोड की कई कालोनियों के करीब आठ हजार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। लो वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। बिजली घर का कुछ कार्य शेष है, जिसे जल्द पूरा करने के लिए कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विधायक ने गुरुवार को दोपहर बाद चीफ इंजीनियर ज्ञान प्रकाश, अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नितिन, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सिविल जुनेद आलम के साथ पवन विहार में निर्माणधीन 33/11 केवीए बिजली घर का निरीक्षण किया। विधायक ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखी। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

सीवीओ ने भेजी रिपोर्ट बजट मिला न भूसा खरीदा

कार्यालय संवाददाता बरेली

अमृत विचार : कई गोशालाओं में चारा घोटाले का मामला काफी सुर्खियों में रहा। इस प्रकरण की छानबीन करने के लिए शासन से आई टीम ने कई दिनों तक कई गोशालाओं की खाक छानी थी। अब इस घोटाले को सीवीओ ने सिरे से खारिज करते हुए शासन, डीएम सहित कई अन्य अफसरों को रिपोर्ट भेजी है। इसमें कहा है कि गोशालाओं में भूसा खरीद में किसी प्रकार का घोटाला नहीं हुआ है। 2004-25 वित्तीय वर्ष में भूसा क्रय करने के लिए न शासन से कोई बजट मिला, न भूसा क्रय किया गया।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मनमोहन पांडेय ने विभाग के निदेशक को भेजे पत्र में कहा है कि गोशालाओं में 15 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप बेबुनियाद हैं। जनपद में संचालित गो आश्रय स्थलों के लिए भूसा क्रय एवं भुगतान की कार्रवाई संबंधित खंड विकास अधिकारियों द्वारा की जा रही है। खंड विकास अधिकारियों को 4 जून को पत्र से गोशालाओं में आवश्यकता के अनुरूप भूसा क्रय करने एवं पूर्व में क्रय किए गए भूसे का भुगतान प्राथमिकता से करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन खंड विकास अधिकारियों का आरोप है कि ई-टेंडर द्वारा नामित फर्म एमएस इंटरप्राइजेज के संचालक मनोज शर्मा ने भूसे की आपूर्ति जिन गोशालाओं को की है, उन गोशालाओं के संचालकों ने भूसे में मिट्टी, मोटा भूसा एवं गीला भूसा होने की शिकायत की है। इस कारण गोशाला संचालकों ने भूसा उस फर्म से न खरीदकर स्थानीय बाजार से कम दर पर खरीदा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भूसा खरीदने के लिए उन्हें न तो शासन से कोई बजट मिला और न ही भूसा ही खरीदा। जनपद में संचालित गोशालाओं में डीबीटी के माध्यम से भरण-पोषण की धनराशि प्रत्येक माह संबंधित गो आश्रय स्थलों को हस्तांतरित की जाती है।

रिश्वत प्रकरण में आरोपी लेखपाल को जेल भेजा

बरेली, अमृत विचार : दो चकों को एक साथ करने के एवज में आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार गांव शिवपुरम सिविल लाइन बदायूं निवासी चकबंदी लेखपाल हरीश कुमार को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी लेखपाल भुता क्षेत्र के गांव गजनेरा निवासी बाबू राम से चक संख्या 773 और चक संख्या 411 को मिला कराकर एक साथ करने की एवज में आठ हजार रुपये ले रहा था। जिसे टीम ने रंगे हाथ कार्यालय से गिरफ्तार किया था।

संभल हिंसा मामले में जामा मस्जिद के सदर जफर अली को हाईकोर्ट ने दी जमानत

कार्यालय संवाददाता, प्रयागराज/संभल

अमृत विचार: जामा मस्जिद सर्वे को लेकर भड़की हिंसा के मामले में गिरफ्तारी के बाद चार महीने से जेल में बंद जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने गुरुवार को पारित किया।

संभल में 24 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में सर्वे के खिलाफ मुस्लिम समाज के हजारों लोग सड़कों पर आ गये थे। इस दौरान हिंसा भड़की तो जमकर पथराव, फायरिंग व आगजनी हुई। पुलिस के अनुसार हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। संभल हिंसा को लेकर पुलिस की तरफ से कोतवाली संभल व थाना नखासा में कई मुकदमे दर्ज किये गये थे। एक मुकदमे में सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को भी आरोपी बनाया गया। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने संभल हिंसा में जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली की बड़ी भूमिका होने का दावा करते हुए आरोपी बनाया था।

एसआईटी ने अपनी जांच में कहा था कि जफर अली ने हिंसा से पहले 23 नवंबर की रात जामा मस्जिद में सर्वे की सूचना सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को दी थी। इसके बाद ही जब अगले दिन सर्वे शुरू हुआ तो भीड़ इकट्ठा हुई और हिंसा की घटना हुई। इसके बाद 23 मार्च 2025 को पुलिस ने जफर अली को गिरफ्तार कर लिया था। वह करीब चार महीने से मुरादाबाद जेल में बंद हैं। कोर्ट ने जफर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान मामले की परिस्थितियों को देखते हुए स्पष्ट किया कि यह जमानत आदेश ट्रायल की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेगा। कोर्ट के आदेश के बाद अब जफर अली की रिहाई प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

जफर अली को अदालत में पेश करने के लिए ले जाती पुलिस। (फाइल फोटो)

व्हाट्सएप काल और चैटिंग से फंसे थे

एसआईटी में शामिल अधिकारियों ने हिंसा में जफर अली की भूमिका को लेकर पड़ताल की तो 24 नवंबर की देर रात तो उनकी सांसद जियाउर्रहमान बर्क के साथ व्हाट्सएप काल और चैटिंग की बात सामने आई। एसआईटी सूत्रों का कहना है कि 24 नवंबर सुबह जामा मस्जिद में सर्वे की बात प्रशासनिक स्तर पर जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली को 23 नवंबर की रात को बताई थी। इसके बाद जफर अली ने सांसद बर्क से बात कर बात बताई और फिर सर्वे के विरोध का ताना बाना बुना।

समर्थकों में खुशी

संभल, अमृत विचार : जफर अली का ईद का त्योहार भी जेल के अंदर ही बीता। अब हाईकोर्ट से जमानत स्वीकृत हुई तो उनके परिजनों में खुशी की लहर नजर आई। समर्थकों ने भी खुशी का इजहार किया।

किशोरी पर बदमाशों ने ब्लेड से किया हमला

सैफनी, : थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम को गांव के बाहर गई किशोरी को चार नकाबपोश बदमाशों ने दबोच लिया। किशोरी के शोर मचाने पर बदमाशों ने ब्लेड से उस पर हमला कर दिया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।
पता:– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक:– 1165 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांकः– 15.07.2025

–:: निविदा सूचना तृतीय आमंत्रण ::–

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन / सड़क निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0बी0सी0डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते हैं।
तालिका के अनुसार कार्यों का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपया रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रुपये में)	निविदा मूल्य समस्त कर्तों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	स्पोर्ट्स स्टेडियम बरेली के हाल में इन्डटर सेट (विद बैटरी) का कार्य। (विद्युत–जन)	3.150	6300.00	677.00	03 माह

3. निविदा बिक्री की अवधि : दिनांक 04.08.2025 से 06.08.2025 तक (पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 07.08.2025 को मध्यान्ह 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 07.08.2025 अपरान्ह 12.30 बजे
अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड, बरेली।

UP-236227 दिनांक 22.07.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेण्डरिंग निविदा
सूचना सं0 35 / 2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। क्र.सं. :– 1. कार्य का विवरणः– टनकपुर, रामनगर, काठगोदाम, लालकुआँ एवं पीलीभीत स्टेशन पर 84 नग टाइप– II क्वॉटर का निर्माण। (पार्किंग के साथ जी+3 मंजिला), अनुमानित लागत रुपयों मेंः– रु 12,33,89,840.44, बयाना राशि रुपयों मेंः– रु. 7,67,000/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य, शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 18 माह, क्र.सं.:– 2. कार्य का विवरणः– 1. लालकुआँ यार्ड में इलेक्ट्रिक लोको ट्रिप शेड एवं लाइन का निर्माण। 2. लालकुआँ यार्ड में एस.पी.ए.आर.टी. के लिए एस.पी.ए.आर.टी. स्टेबलिंग लाइन, पाथवे एवं पिट शेड का प्रावधान।, अनुमानित लागत रुपयों मेंः– रु 3,07,66,377.06, बयाना राशि रुपयों मेंः– रु. 3,03,800/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य, शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह, क्र.सं.:– 3. कार्य का विवरणः– रोलिंग स्टॉक के रखरखाव के लिए टनकपुर स्टेशन पर कोच केयर सेंटर पर नई पिट लाईन का निर्माण एवं सर्विस बिल्डिंग का विस्तार।, अनुमानित लागत रुपयों मेंः– रु 6,06,22,188.75, बयाना राशि रुपयों मेंः– रु. 4,53,100/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य, शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह, क्र.सं. :– 4. कार्य का विवरणः– समेई, पीलीभीत के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत पीलीभीत स्टेशन पर महिला एवं पुरुष लोको पायलट के लिए रनिंग रूम में परिवर्तित करने के लिए डाइनिंग हॉल सह स्टोर रूम एवं शौचालय के प्रावधान के साथ स्काउट्स एवं गाइड्स भवन में सुधार कार्य।, अनुमानित लागत रुपयों मेंः– रु 38,96,940.76, बयाना राशि रुपयों मेंः– रु. 77,900/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य, शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह, 1. ई–निविदा दिनांक 14.08.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाफि / इज्जल–171 इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

"संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और यह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।"

अहम कूटनीतिक दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा अहम कूटनीतिक दौरा होने के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में सशक्त कदम है। पड़ोसी देश मालदीव और भारत की दोस्ती दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में गिनी जाती रही है। लेकिन बीते दो वर्षों में मालदीव के साथ भारत के रिश्तों में खटास आ गई थी। मालदीव का चीन की तरफ झुकाव काफी बढ़ गया था। ऐसे में बिगड़े रिश्तों के बीच प्रधानमंत्री मोदी का मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करना बाजी पलटने वाला मिशन साबित हो सकता है। दरअसल, साल 2023 में 'इंडिया आउट' अभियान चलाकर मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद वहां मौजूद भारतीय सैनिकों को देश छोड़ने का आदेश देने और चीन का गुणगान गाने वाले मोहम्मद मुइज्जू अगर अब प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करने को आतुर हैं, तो इसे हाल में पाकिस्तान को परास्त करने वाले ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की बड़ी सफलता माना जा रहा है। भारत पहले ही 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत मालदीव को विशेष प्राथमिकता देता रहा है। मालदीव के साथ भारत के संबंध न सिर्फ ऐतिहासिक है, बल्कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीति के संदर्भ में और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने मालदीव में सड़कों, पुलों और आवास परियोजनाओं में बड़ा निवेश भी किया है। ऐसे में मोदी की यह यात्रा इन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने के साथ नई योजनाओं की शुरुआत का बड़ा अवसर होने के साथ इस बात का स्पष्ट संदेश देगी कि भारत अपने पड़ोसियों की कभी अनदेखी नहीं करता है और उनकी प्रगति में सहभागी बनकर क्षेत्रीय स्थिरता को सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री का मालदीव दौरा रक्षा सहयोग, नौसैनिक अभ्यास, समुद्री निगरानी, पर्यटन और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस संवाद और समझौते का आधार बन सकता है। भारत पहले ही मालदीव को कोस्टल सर्विलांस रडार सिस्टम में जोड़ता रहा है, जिससे हिंद महासागर में भारत की निगरानी शक्ति सुदृढ़ होती रही है। इस सबके बीच वर्तमान वैश्विक घटनाक्रमों के चलते एशिया और अफ्रीका को जोड़ने वाले समुद्री मार्ग के मध्य में स्थित होने से मालदीव महाशक्तियों की रणनीतिक स्पर्धा के केंद्र में आ गया है। चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत हिंद महासागर में बढ़ती उपस्थिति भारत के लिए पहले ही चुनौती बनी हुई है। ऐसे में यह जरूरी हो गया था कि मालदीव जैसे पारंपरिक मित्र के साथ विश्वास और साझेदारी को नए सिरे से परिभाषित किया जाए। मालदीव के साथ मजबूत रिश्ते भारत को श्रीलंका और अन्य छोटे द्वीपीय देशों के साथ मामरिक नेटवर्क बेहतर बनाने में भी मदद करेंगे। इन नई परिस्थितियों में मालदीव की लहरों पर भारत की नए सिरे से सवारी को एक नए युग की शुरुआत के साथ कई बड़े बदलावों और प्रभावों की नींव रखने वाला कहा जा सकता है।

प्रसंगवश

क्रिप्टो की उड़ान और भरोसे की गिरावट

भारत में डिजिटल वित्तीय क्रांति ने निवेश की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। क्रिप्टोकरेंसी अब सिर्फ़ तकनीकी नवाचार नहीं रही, यह एक जीवंत, जोखिमपूर्ण और आकर्षक निवेश का साधन बन चुकी है, जिसमें लाखों भारतीयों ने अपनी मेहनत की कमाई लगाई है। लेकिन इस तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजार के पीछे एक सच्चाई ऐसी है, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं रहा-हमारी सुरक्षा व्यवस्था और कानूनी तैयारी, इस तकनीकी रफ्तार के मुकाबले पीछे छूट रही है। हाल ही में क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स पर हुआ साइबर हमला और उससे एक साल पहले वज़ीरएक्स पर हुआ करोड़ों डॉलर का नुकसान, इस असंतुलन के सबसे जीवंत उदाहरण हैं। 19 जुलाई 2025 को कॉइनडीसीएक्स के एक आंतरिक खाते से 368 करोड़ की डिजिटल संपत्ति चोरी हो गई। हालांकि कॉइनडीसीएक्स ने साफ़ किया कि किसी भी ग्राहक की निधि इस हमले से प्रभावित नहीं हुई है, क्योंकि सभी उपभोक्ता फंड कोल्ड वॉलेट्स में सुरक्षित रखे गए थे। यह साइबर हमला एक्सचेंज के उस वॉलेट पर हुआ, जिसका इस्तेमाल बाजार में लिक्विडिटी बनाए रखने के लिए किया जाता था। कंपनी ने चोरी की गई संपत्ति की वापसी के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर एक संगठित प्रयास शुरू किया और साथ ही उसने $11 मिलियन तक का बाउंटी प्रोग्राम घोषित किया-एक ऐसा कदम जो दर्शाता है कि यदि निजी संस्थाएं ज़िम्मेदारी और इच्छाशक्ति से काम लें, तो संकट के समय भी जनता का भरोसा बनाए रखा जा सकता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

कॉइनडीसीएक्स का यह सक्रिय और पारदर्शी रवैया उसकी परिपक्वता का संकेत है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी ज़ोर से उभरता है कि क्या सभी क्रिप्टो कंपनियां इतनी ज़िम्मेदारी निभा सकती हैं? और अगर नहीं, तो क्या हमारे पास ऐसा कोई कानूनी ढांचा मौजूद है जो निवेशकों को साइबर हमलों से सुरक्षा या हानि की भरपाई की गारंटी देता हो? इस सवाल का उत्तर हमें वज़ीरएक्स की घटना में मिलता है-एक साल पहले जुलाई 2024 में। वज़ीरएक्स पर हुए साइबर हमले में $230 मिलियन (लगभग 1,900 करोड़) की क्रिप्टो संपत्ति हैक हो गई थी। लेकिन इस हमले के बाद कंपनी की ओर से जो प्रतिक्रिया सामने आई, उसने लाखों निवेशकों को असमंजस, चिंता और असुरक्षा में धकेल दिया। सबसे पहले तो इस घटना की सूचना देने में देरी हुई, फिर उपयोगकर्ताओं के फंड लॉक कर दिए गए, और उसके बाद शुरू हुआ कानूनी दांवपेंचों का लंबा सिलसिला-वह भी भारत में नहीं, सिंगापुर की अदालतों में। इस निर्णय ने भारतीय निवेशकों को चकित कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि उनका मामला अब एक ऐसे मंच पर पहुंच गया है जहां उनकी पहुंच, प्रभाव और अधिकार सीमित हैं। वज़ीरएक्स ने कहा कि वह संरचनात्मक पुनर्गठन के ज़रिए फंड लौटाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस योजना पर 93.1 प्रतिशत लेनदारों ने वोट भी दिया था। लेकिन अदालत ने पहले इसे नामंज़ूर कर दिया, और अब एक संशोधित योजना पर दोबारा वोटिंग होनी है। कंपनी का कहना है कि कुछ हफ्तों में वितरण शुरू हो जाएगा। पर जो बात साल भर बाद भी नहीं बदली, वह है भारतीय निवेशकों की अनिश्चितता। उनकी संपत्ति अब भी अटकी है, और सरकार की ओर से कोई निर्णायक हस्तक्षेप अब तक नहीं आया है। इन दोनों घटनाओं को एक साथ देखने पर भारत की क्रिप्टो दुनिया की एक विडंबनात्मक तस्वीर सामने आती है। एक ओर कॉइनडीसीएक्स जैसी कंपनी है, जो संकट के समय अपनी जवाबदेही निभाने को तैयार दिखती है, तो दूसरी ओर वज़ीरएक्स जैसे मामले हैं जहां निवेशक एक साल बाद भी अदालत के फैसलों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और इन दोनों के बीच जो चीज़ अनुपस्थित है, वह है सरकार की ओर से ठोस कानूनी पहल। भारत को अब यह तय करना होगा कि वह इस तेजी से बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है या सिर्फ़ दर्शक बना रहना चाहता है। इसलिए अब ज़रूरत किसी आदर्शवाद की नहीं, व्यावहारिक और तत्काल कदम उठाने की है। जो देश इस क्षेत्र में भरोसे और सुरक्षा की बुनियाद तैयार करेंगे, वही डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभा सकेंगे।

संसद में न हो सड़क जैसा व्यवहार

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

संसद के प्रति हर देशवासी अथाह सम्मान रखता है और यह उम्मीद करता है कि संसद के सत्र में चलने वाली चर्चाएं और मुद्दे सार्थक होंगे, जिससे समाज और देश आगे बढ़ सकेगा, लेकिन संसद में ठीक उलट हो रहा है।

मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है और वर्तमान में संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जो 21 जुलाई 2025 से शुरू हुआ था, लेकिन यह बहुत ही दुखद है कि लोकतंत्र का मंदिर कहलवाने वाली संसद में बेवजह बात-बात पर हंगामा खड़ा किया जा रहा है। संसद के प्रति हर देशवासी अथाह सम्मान रखता है और यह उम्मीद करता है कि संसद के सत्र में चलने वाली चर्चाएं और मुद्दे सार्थक होंगे, जिससे समाज और देश आगे बढ़ सकेगा, लेकिन संसद में ठीक उलट हो रहा है। मुख्य मुद्दे और चर्चाएं ग़ायब हैं और ऐसे मुद्दों पर परिचर्चाएं हों रहीं हैं, जिनका कोई मतलब और औचित्य नजर नहीं आता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि संसद सत्रों के दौरान अनेक बार देखा गया है कि मुद्दे से ज्यादा हंगामे को महत्व दिया जाता है और ऐसा ही कुछ संसद के मानसून सत्र के दौरान भी देखने को मिल रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण 23 जुलाई बुधवार को लगातार तीसरे दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई। दरअसल, विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में वोटर लिस्ट के लिए किए जा रहे 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर सदन में हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद दो बार स्थगन के साथ दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

यहां जानकारी देना चाहूंगा कि बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही निर्वाचन आयोग 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' यानी कि एसआईआर करवा रहा है। इस संबंध में आयोग का यह कहना है कि कानून व संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सकता है, ताकि नागरिकों को उचित मताधिकार मिल सके। इधर, विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि आयोग से एसआईआर की आड़ में नागरिकता (सिटिजनशिप) की जांच कर रहा है।

यहां बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में यह स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार केवल संवैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार नहीं। मगर भारतीय नागरिक होने के बावजूद उसे विभिन्न शर्तें पूरी करनी होती है, और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होते हैं। विपक्ष का यह आरोप है कि गणना फार्म में मांगे गए दस्तावेज में आधार, मतदाता-पत्र व राशन कार्ड का न शामिल होना कहीं न कहीं संदेह पैदा करता है।

चूंकि सरकार 'आधार' को केवल पहचान-पत्र मान रही है, इसलिए यह संशय उठा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि जल्द ही आयोग इसमें सुधार कर ले तो, शायद विपक्ष के इन आरोपों-प्रत्यारोपों से बचा जा सकता है। बहरहाल, जरूरत इस बात की है कि आयोग अपनी छवि, गरिमा और स्वायत्तता का ख्याल रखे।

बहरहाल, संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच ही खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक 2025 सदन में पेश किए। दुःखद है कि लोकसभा में विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। इतना ही नहीं, उन्होंने काले कपड़े भी लहराए। विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए और उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए यह कहा कि 'आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी।' कितनी बड़ी बात है कि लोकसभा स्पीकर के इस कथन का विपक्षी सांसदों पर कोई असर दिखाई नहीं दिया। इधर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि- 'सरकार कहती है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' चालू है, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प इसे बंद कराने का दावा कर चुके हैं।' हाल फिलहाल, मीडिया के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को तैयार है और इसके लिए लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी।

बहरहाल, यह अच्छी बात है कि सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सार्थक चर्चा के लिए तैयार है। ऐसे में विपक्षी दलों के नेताओं का भी यह कर्तव्य व जिम्मेदारी बनती है कि वे सार्थक, संयमित चर्चा को अंजाम दें। आज देश में अनेक मुद्दे मौजूद हैं, जिन पर संसद में सार्थक चर्चाएं होनी चाहिए, व उन मुद्दों के समाधान के लिए यथेष्ठ प्रयासों को बल मिलना चाहिए, लेकिन दुःख इस बात है कि ऐसा होता नहीं है और हर बार सत्र हंगामे की भेंट चढ़ जाते हैं, वास्तव में संसद सही ढंग से चलनी चाहिए, ताकि हम हमारे देश को प्रगति व उन्नयन के पथ की ओर अग्रसर कर सकें। पक्ष-विपक्ष दोनों को ही यह चाहिए कि दोनों ही पूरी गंभीरता व संवेदनशीलता से देश व समाज के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए माहौल बनाने के लिए आगे आएं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि संसद के सत्र के संबंध में हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है और संसद के किसी सत्र को बुलाने की शक्ति सरकार के पास है। इस पर निर्णय संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिया जाता है जिसे राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक रूप दिया जाता है। संसद चलती है तो बहुत पैसा खर्च होता है, चर्चाएं मुद्दों पर होनी चाहिए, अनर्गल, असार्थक बहस का कोई औचित्य नहीं होता। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को यह चाहिए कि वे लोकतंत्र के पावन व पवित्र मंदिर में अपने आचरण और व्यवहार पर ध्यान दें। सच तो यह है कि संसद हो या व्यावहारिक जीवन, हर कहीं पर अनुशासन और शिष्टाचार बहुत ही जरूरी और आवश्यक है।

आमने

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "यह स्वाभाविक है कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा बोलने का अनुरोध किया जाएगा। यह गलत नहीं है। लेकिन भाषा को लेकर कोई भी विवाद या भाषा को लेकर किसी के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब भी ऐसी कोई घटना हुई है, हमने सख्त कार्रवाई की है।

सामने

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "हम सभी अपनी मातृभाषा बोलते हैं। बच्चे सबसे पहले अपनी मातृभाषा में "मां" बोलते हैं। हालांकि, बंगाली भाषा को लेकर भाषा युद्ध की घोषणा कर दी गई है। एक और भाषा आंदोलन से सभी में जागरूकता बढ़नी चाहिए। कई जगहों पर बंगाली बोलने पर लोगों को प्रताड़ित किया जाता है। सिर्फ़ बंगाली बोलने पर लोगों को हिरासत में नहीं लिया जा सकता।

विभाजनकारी राजनीति की फसल का सीजन

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

भयग्रस्त पानवाला यह सवाल नहीं पूछ सकता। उसे सबसे पहले किसी तरह अपनी जान बचानी है। वह जानता है कि सामने वृहन्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव हैं जिसमें मराठी मानुष की अस्मिता को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है।

कल्पना कीजिए मुंबई में यूपी के जौनपुर से गया एक आदमी अपनी पान की दुकान पर बैठा है। शिवसेना के उद्धव और राज ठाकरे गुटों के कार्यकर्ता आते हैं। उससे दुकान में रखे सभी सामानों के नाम मराठी में बताने के लिए कहते हैं। उसे सिर्फ भोजपुरी और हिंदी आती है। वे उसे पीटने लगते हैं। पानवाला चिल्लाता है, मराठी नहीं आती तो क्या हुआ हिंदू तो हूं, तुम लोग एक हिंदू को क्यों मार रहे हो? क्या कार्यकर्ता रूक जाएंगे और एक जागरूक हिंदी-हिंदू पानवाले को 'मार दिया जाए या छोड़ दिया जाए' का फैसला करने के लिए अपनी पार्टियों के नेताओं के पास लौट जाएंगे?

भयग्रस्त पानवाला यह सवाल नहीं पूछ सकता। उसे सबसे पहले किसी तरह अपनी जान बचानी है। वह जानता है कि सामने वृहन्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव हैं जिसमें मराठी मानुष की अस्मिता को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन सत्ताधारी भाजपा चाहती है कि पानवाला यह सवाल पूछे इसीलिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राने ने बयान दिया है कि दोनों प्रकार की शिवसेना और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियां क्यों नहीं मस्जिदों से मराठी में अजान देने और मदरसों में पढ़ाई का माध्यम उर्दू के बजाय मराठी करने की मांग कर रही हैं? यह विभाजन की राजनीति में तू डाल-डाल तो मैं पात-पात की स्थिति है। घृणा का निशाना हिंदी से हटाकर अजान पर कर देने से भाषा और मराठी अस्मिता का मुद्दा पीछे जाएगा और हर किस्म का हिंदू खुश होगा, उसके वोटबैंक को बंटने से रोकने वाला एक पक्का धार्मिक बाड़ा बनेगा।

जब तक उद्धव और राज ठाकरे इस चाल की कोई काट सोच रहे हैं आप एक और कल्पना कीजिए। सभी लोग अपने मोबाइल फोनों के जरिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (एआई) का इस्तेमाल करने अभ्यस्त हो गए हैं। एक बहुत सस्ती चिप बाजार में आ गई है जिसे लोग अपने दिमागों में फिट कराकर दुनिया की कोई भी भाषा समझने और बोलने लगे हैं। हर तरह का व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और सबसे बढ़कर प्रवासी मजदूरों की जिंदगी बहुत आसान हो गई है। मुंबई की एक मस्जिद में अजान देने की तैयारी कर रहे एक मुल्ला के पास भाजपा और एकनाथ शिंदे समेत शिवसेना के तीनों धड़ों के कार्यकर्ता जाते हैं और उससे मराठी में अजान देने के लिए कहते हैं। वह अपने फोन पर उंगलियां चलाता है और अरबी के बजाय मराठी में अजान देने लगता है। वह अजान के बाद पूछता है, अगर दुनिया की किसी और भाषा चाइनीज या रूसी या फ्रेंच में अजान देने की जरूरत हो तो बताएं, वह फौरन दे सकता है क्योंकि उसके सॉफ्टवेयर में तीन सौ पैंसठ भाषाओं का विकल्प है।

क्या लगता है, अजान देने वाला अपनी धार्मिक पहचान या अस्मिता से जुदा होने के लिए राजी हो जाएगा? अगर संकट की स्थिति में, जान बचाने के लिए कुछ देर के लिए हो भी जाए तो क्या हिंदुत्ववादी पार्टियों के कार्यकर्ताओं के चेहरों पर हवाईयां उड़ने लगेंगी? वे निरूत्तर हो जाएंगे? क्या टेक्नालॉजी के विकास से धर्म-भाषा-जाति की राजनीति की विभाजनकारी दीवारें इतनी आसानी से भरभराकर गिर जाएंगी और एक विज्ञान-तकनीक आधारित राजनीति का नया रास्ता खुल जाएगा? भारतीय राजनीति का देसी अनुभव कुछ और कहता है। ज्यादा संभावना है कि कार्यकर्ता उसके अशुद्ध मशीनी उच्चारण को मुद्दा बनाते हुए मराठी भाषा के अपमान और खुद उसके धर्म के ज्यादातर लोग इस्लाम की पवित्रता और आस्था से खिलवाड़ करने के आरोप लगाएंगे। जब तक यह विवाद चलेगा भाषा और धर्म की रक्षा के नाम पर वोटों के ध्रुवीकरण के नए आक्रामक उपाय सोचे जाएंगे।

कभी शिवसेना भाजपा से ज्यादा उग्र हिंदुत्व वाली पार्टी हुआ करती थी। याद आ सकता है कि बाबरी मस्जिद गिराए जाने के बाद भाजपा अगर-मगर कर रही थी लेकिन शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे ने दावा किया था कि इस कारनामें को उनके कार्यकर्ताओं ने अंजाम दिया है। शिवसेना सत्ता के लिए सेकुलर पार्टियों के साथ जाकर कुछ नरम पड़ी और टूटी तो भाजपा आगे निकल गई। भाजपा ने भी सेकुलर पार्टियों का साथ लिया लेकिन अपनी हिंदू उग्रता को बनाए भी रखा। अब विधानसभा का रिहर्सल समझे जाने वाले महापालिका चुनावों को सामने पाकर उसके दो धड़े मराठी अस्मिता का मुद्दा लेकर आए हैं जबकि भाजपा को उग्र हिंदुत्व की ताकत पर ज्यादा यकीन है। इसकी बुनियाद में एक तथ्य है कि गरीब राज्यों से आजीविका की तलाश में तेज आवक से मुंबई का 28 प्रतिशत वोटर हिंदी भाषी हो चुका है। इस हिंसा के पीछे वोटों की राजनीति है कहने से भी कुछ नहीं होने वाला है। जनता उसकी कब की अभ्यस्त हो चुकी है। पानवाला और अजान देने वाला दोनों कार्यकर्ताओं के सामने एक और सवाल उठा सकते हैं कि आपको मराठी या हिंदी से क्या मतलब, आपके नेताओं के बच्चे तो अंग्रेजी मीडियम के मंहगे स्कूलों में पढ़ रहे हैं, खुद आप भी अपने बच्चों को थोड़ा सस्ते अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं या पढ़ाना चाहते हैं? लेकिन यह सवाल भी सिर्फ भय से नहीं एक और बड़े कारण से नहीं पूछा जाएगा। वह यह है कि खुद मुल्ला और पानवाला भी अपने बच्चों को अंग्रेजी सिखाना चाहते हैं ताकि वे आजीविका के अवसरों, ग्लोबल शक्ति और सभ्यता की दौड़ में पिछड़ न जाएं। आजादी के समय सोचा गया था कि शिक्षित होने के साथ धर्मिक जड़ता, जातिवाद, भाषा और क्षेत्रीयताओं के झगड़े खत्म हो जाएंगे लेकिन वे उल्टे बढ़ते गए। इसका कारण यह है कि जनता सिर्फ शिक्षा और आर्थिक बेहतरी से नहीं बदलती बल्कि उसका मानस राजनीतिक पार्टियां अपनी जरूरतों के हिसाब से संगठित अभियान चलाकर निर्मित करती और बिगाड़ती रहती हैं। थोड़ा-बहुत खून बहता है लेकिन यह फूट डालो और राज करो की राजनीति अंग्रेजों के समय से लेकर आज तक कम मेहनत, कम लागत और बहुत कम समय में बंपर फसल दे रही है।

मंथन

कौन अधिक आस्थावान

दिमाग़ की सिफ़त है, क़ुदरत की देन। कट्टरता और उदारता किसी मज़हब की संपत्ति नहीं, व्यक्ति के गुण हैं। वही सब पढ़-सुनकर कोई कट्टर हो सकता है, कोई उदार। कट्टर व्यक्ति अपने मज़हब की एकान्तिक बातों को गांठ बांध लेता है और उदार व्यक्ति समावेशी बातों को। कट्टर व्यक्ति को हमेशा यह एहसास बना रहता है कि उसने अन्तिम सत्य पा लिया है। उसके लिए दुनियावाले दो हिस्सों में बंट जाते हैं-वे जो उसके समानधर्मा हैं और वे जो इतरधर्मा हैं। दूसरे हिस्से के लोगों को वह गुमराह और बदतर इंसान मान लेता है। उसका अच्छे-बुरे का विवेक सिमटकर मज़हब में विलीन हो जाता है। रोज़-रोज़ के विपरीत अनुभव को भी वह दरकिनार कर देता है। इतिहास से चुन-चुन कर अपने मज़हब के अच्छे लोगों की अच्छाई याद कर लेता है और दूसरे मज़हब के बुरे लोगों की बुराई।

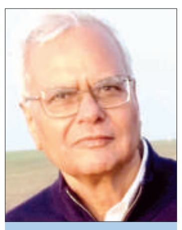

कमलाकांत त्रिपाठी
पूर्व आईआरएस

अपने-पराये का यह बोध अंततः नफ़रत और हिंसा की ओर ही ले जाता है। नफ़रत मनुष्य की सहजता, उसका चैन हर लेती है। घोर कट्टर व्यक्ति नफ़रत से निजात पाने के लिए तलवार तक उठा सकता है। किसी अनजान और निर्दोष व्यक्ति का, जिसने कभी उसका कोई ज़ाती नुक़सान नहीं किया, सर तक क़लम कर सकता है। मज़हबी होने के बावजूद वह भूल जाता है कि उसी ईश्वर/अल्लाह/गॉड ने इतर मज़हबवालों को भी बनाया है। उसकी मर्ज़ी के बिना तो पत्ता तक नहीं हिल सकता, तो दुनिया के इतने सारे लोगों का अस्तित्व (जिनमें स्वभाव से भले-बुरे दोनों शामिल हैं, जैसे उसके मज़हब में भले-बुरे दोनों शामिल हैं) कैसे क़ायम रह सकता है? तात्पर्य यह कि वस्तुतः उसे ईश्वर में विश्वास ही नहीं होता। उसे लगता है, दुनिया ईश्वर ने भले बनाई हो, उसका एक बड़ा हिस्सा ईश्वर के रास्ते पर चलने के बजाय उसके दुश्मन शैतान के रास्ते पर चल पड़ा है। और ईश्वर का इस पर कोई वश नहीं। यानी, ईश्वर शैतान के सामने कमज़ोर पड़ गया है। तो वह ईश्वर का हाथ मज़बूत करने, उसकी सहायता करने, यानी ईश्वर का ही काम करने निकल पड़ता है। ईश्वर को कमज़ोर मानकर ही कोई उसके काम में हाथ बंटाने, उसका काम अपने हाथ में लेने के लिए दौड़ सकता है।

यही हाल किसी विचारधारा, किसी व्यक्ति के कट्टर अनुयायियों का भी होता है। नफ़रत और बेचैनी कट्टरता के अनिवार्य लक्षण हैं। इसी को बुनियादपरस्ती भी कहते हैं। तो बुनियादपरस्ती मज़हब तक महदूद नहीं है। उदार व्यक्ति जैसे किसी मज़हब का अंध या कट्टर अनुयायी नहीं हो सकता वैसे ही किसी विचार, किसी अन्य व्यक्ति का भी अंध या कट्टर अनुयायी नहीं हो सकता। वह किसी अन्य को किसी मज़हब, किसी विचार, किसी व्यक्ति का अंध अनुयायी होने को प्रेरित भी नहीं कर सकता। अपना भी नहीं। उदारता की यही पहचान है। ईश्वर की बनाई दुनिया की विविधता का सम्मान। (पाखण्डियों की बात अलग है। वे जो लगते हैं, वह होते नहीं। वे अवसर देखकर रंग बदलने की कला में माहिर होते हैं। उनकी आस्था सिर्फ़ अपने हित-साधन में होती है।) सवाल है, कट्टर और उदार में अधिक आस्थावान कौन है? ईश्वर को ईश्वर के रूप में कौन ज़्यादा शिद्दत से मानता है।

सोशल फोरम

साक्षात्कार के उद्देश्य

हिन्दी संसार को समझने के लिए भारतेंदु के 'अंधेर नगरी': नाटक के 'समर्पण' पृष्ठ की पंक्तियां काम की साबित हो सकती हैं। इसकी ओर सामान्यतः ध्यान नहीं गया है। आज संस्कृत के उस श्लोक का अर्थ जानना बहुत जरूरी है : 'जो चंदन, आम और चंपा के वन को काटकर कीकड़ के पेड़ों की रक्षा करता है, हंस और कोयल के प्रति हिंसक होकर काग लीला का मजा लेता है और जो कपूर और कपास को उनके श्वेत रंग के कारण एक जैसा समझता है-जहां के गुणी जन ऐसी समझ रखते हों उस स्थान को नमस्कार है!' क्या रक्षणीय है और क्या त्याज्य, क्या सुरुचि है और क्या विकृति तथा क्या खोकर क्या हासिल हो रहा है, जब इसका विवेक लेखक और बुद्धिजीवियों के समाज में ही विलुप्त होता जा रहा हो, तो चिंता होती है।

शंभुनाथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

साक्षात्कार के संबंध में सामान्यत: कहना जरूरी लग रहा है कि यह ज्ञान की जगह न होकर अब सर्कस बन रहा है। दर्शक यह देखकर मजा लेते हैं कि देखो अमुक ने अमुक को कैसा जमकर रगड़ा, अपनी ताल पर किस तरह नचाया या उसके व्यक्तिगत मामलों को सार्वजनिक कर दिया।

साक्षात्कार के संबंध में सामान्यतः कहना जरूरी लग रहा है कि यह ज्ञान की जगह न होकर अब सर्कस बन रहा है। दर्शक यह देखकर मजा लेते हैं कि देखो अमुक ने अमुक को कैसा जमकर रगड़ा, अपनी ताल पर किस तरह नचाया या उसके व्यक्तिगत मामलों को सार्वजनिक कर दिया। मैंने सोशल मीडिया पर साक्षात्कार लेने वाले की इस वीरता का वर्णन पढ़ा है। यह मुझे लोकतांत्रिक बोध के क्षय और सत्ता की विचारधारा से सहानुभूति रखने के चिह्न की तरह दिखता है। आज यह एक संक्रामक रोग है, इसलिए आश्चर्य नहीं होता। मैं यह कभी कहना नहीं चाहता था, पर आज बता रहा हूं कि मेरे सामने ऐसा प्रस्ताव आया तो मैंने स्पष्ट कहा कि ऐसे साक्षात्कार में मेरी कोई रुचि नहीं है। सचमुच मैंने ऐसा एक भी साक्षात्कार नहीं देखा है और नहीं लगता कि कुछ खोया है। हजार-पांच हजार लोगों को अच्छा लगता है तो वे देखें-सुनें, मजा दें-लें, उन्हें स्वतंत्रता है। मुझे भीड़ में नहीं बहना। इस मामले को मैं 'अंधेर नगरी' के उपर्युक्त समर्पण की तरह लेता हूं।

जब साक्षात्कार कर्ता यह न सोचकर कि कैसे लेखक के भीतर के छिपे सर्वोत्तम को बाहर निकाले और उसकी वैचारिक प्रेरणाओं का उद्घाटन करे, इसकी जगह जब वह केवल उसके भीतर के निकृष्टतम को बाहर करना चाहता है या वह कहलाना चाहता है जो साक्षात्कार कर्ता खुद सुनना चाहता है और खुद नायक बनना चाहता है तो जाहिर है कि यह अहंकार भरा कितना पूर्वग्रहग्रस्त साक्षात्कार हो सकता है। यह संवाद का आनंद नहीं है, विवाद का मजा है! एक लगभग अलेखक द्वारा लिए गए साक्षात्कार और एक लेखक द्वारा लिए गए साक्षात्कार में फर्क है। मुझे अज्ञेय के रघुवीर सहाय और रमेशचंद्र शाह के लिए साक्षात्कार की याद आ रही है। उस समय साक्षात्कार सामान्यतः लेखक को दिखा लिए जाते थे, ताकि वह आखिरी टच दे सके। रामविलास शर्मा से नामवर सिंह का साक्षात्कार है। वर्तमान दौर के प्रसिद्ध विदेशी लेखकों के साक्षात्कार भी हैं, उनसे भी कुछ सीखना चाहिए। ऐसे साक्षात्कारों का उद्देश्य साहित्यकार को अपनी ताल पर नचाना या लोगों की आंखों में उसे गिराना या उसे रगड़ना नहीं होता था। साक्षात्कार कर्ता के प्रश्न सबसे पहले उसके अपने साहित्यिक ज्ञान का खुलासा करते हैं।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आत्मनिर्भरता व तकनीकी संप्रभुता फ्रांस के बाद भारत बना निर्माता

मराल एयरोस्पेस का दावा है कि आईआईटी कानपुर से पीएचडी डॉ. विजय शंकर द्विवेदी के नेतृत्व में विकसित उनका स्वदेशी सौर ऊर्जा आधारित ड्रोन भारत की सीमाओं और विविध भौगोलिक चुनौतियों पर निरंतर निगरानी रखने के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करके राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी संप्रभुता को मजबूत बनाता है। यह ड्रोन एक अग्रणी नवाचार है, जो देश की आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति को भी दर्शाता है। इस तरह का ड्रोन दुनिया में सिर्फ फ्रांस की एक्सन कंपनी बना रही है। आईआईटी कानपुर ने विभिन्न प्रकार के ड्रोन विकसित किए हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक आवश्यकताओं दोनों को पूरा करते हैं। इसमें एआई-सक्षम 'आत्मघाती ड्रोन' शामिल हैं जो 100 किमी तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकते हैं।

एक्सीरॉन तकनीक ने बनाया अपने पेलोड वर्ग में अनूठा

अत्याधुनिक यूएवी तेजस-1 पूरी तरह सोलर ऊर्जा पर निर्भर रहने के लिए एक्सीरॉन तकनीक से लैस है। इस तकनीक से इसके पैनल हमेशा सूर्य की ओर रहेंगे और उसकी सबसे अधिक ऊर्जा ग्रहण करेंगे। इस विशेषता ने इसे अपने पेलोड वर्ग में दुनिया का सर्वाधिक समय तक उड़ने वाला सोलर यूएवी बना दिया है।

आईआईटी कानपुर का नवाचार सौर ऊर्जा से चलने वाला ड्रोन हवाई निगरानी में क्रांति लाने का भरोसा दिलाता है। सौर ऊर्जा से संचालित होने के कारण इसकी उड़ान का समय बढ़ जाता है। पांच किलोमीटर ऊंचाई तक उड़ने की क्षमता इसे निगरानी उद्देश्यों के लिए व्यापक हवाई कवरेज प्रदान करती है। हवाई निगरानी के साथ इसका उपयोग सीमा सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण निगरानी जैसे कामों के लिए किया जा सकता है। 10 से 12 घंटे तक लगातार तस्वीरें खींचने में सक्षम यह ड्रोन जमीन पर गतिविधियों की निगरानी में बेजोड़ दक्षता प्रदान करता है। यह उन्नत ड्रोन मध्यम ऊंचाई और लंबी दूरी के लिए डिजाइन किया गया है।

उड़ने के लिए तैयार भारत का पहला सोलर ड्रोन

भारत का पहला सोलर अनमैंड एयर व्हीकल (यूएवी) तेजस-1 अब आसमान में उड़ान भरने और बाजार में उतरने के लिए तैयार है। इसका निर्माण आईआईटी कानपुर में स्थापित डीप टेक स्टार्टअप मराल एयरोस्पेस ने किया है। सौर-ऊर्जा संचालित इस स्वदेशी फिक्स्ड विंग ड्रोन को 12 घंटे से अधिक की असाधारण उड़ान के लिए डिजाइन किया गया है। यह क्षमता इसे खुफिया निगरानी और टोही मिशनों के लिए "आकाश में लंबी आंख" बनाती है, जो चौबीसों घंटे के मिशन, सीमा गश्त, लक्ष्य ट्रैकिंग के कारण सेना के लिए काफी कारगर साबित हो सकती है। इसके साथ ही यह ड्रोन समुद्री निगरानी, वैज्ञानिक अनुसंधान, खोज और बचाव, मानचित्रण, पर्यावरण संरक्षण और कृषि-तकनीक जैसे क्षेत्रों में भी इस्तेमाल के लिए अनूठा है। भारत के अलावा अभी फ्रांस ही इस तरह के ड्रोन बना रहा है।

मराल एयरोस्पेस के सीईओ विवेक कुमार पांडेय के अनुसार उनका सोलर यूएवी जिसे शुरू में मराल नाम दिया गया था, अब तेजस-1 नाम से अगले माह उपलब्ध हो जाएगा। यह ड्रोन देश की सीमाओं खासकर चीन और पाकिस्तान के साथ हिमालय के कठिन इलाकों में प्रभावी निगरानी करके आतंकी घुसपैठ और तस्करी जैसी गतिविधियों का पता लगाने में सक्षम है। इसे मिसाइल लॉन्च या बड़ी दूरी पर बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाने के लिए सेंसर से लैस किया जा सकता है। यह ड्रोन दूरदराज या पहाड़ी क्षेत्रों में जहां पारंपरिक संचार बुनियादी ढांचे की कमी है या प्राकृतिक आपदा अथवा दुश्मन के हमले में संचार सुविधाएं नष्ट हो गई हैं, वहां हवाई संचार नोड्स के रूप में काम करके सैन्य बलों को विश्वसनीय संचार लिंक प्रदान कर सकता है। यह ड्रोन ग्राउंड स्टेशनों और उपग्रहों के बीच डेटा रिले का काम अंजाम दे सकते हैं, जिससे सीधे लिंक संभव न होने पर भी निर्बाध संचार सुनिश्चित हो जाता है। इसके अलावा बाढ़ या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बाद क्षति का विस्तृत आकलन प्रदान करने के साथ प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्रण करके राहत और बचाव कार्यों में मदद कर सकते हैं। यहां तक कि मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी करके सैन्य अभियानों की योजना बनाने में सहायक हो सकते हैं।

12 किलो वजन ... 12 घंटे से ज्यादा उड़ान, 200 किमी की दूरी

सोलर यूएवी का वजन 12 किलो है। यह 12 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने के साथ सात किलो वजन लेकर उड़ सकता और 200 किमी तक दूरी तय कर सकता है। यह 5 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। यह ऊंचाई व्यापक हवाई कवरेज और अधिक गुप्त संचालन की अनुमति देती है। यह 3 किलोग्राम से अधिक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसे आधुनिक ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड कैमरों के साथ ही अत्याधुनिक सेंसर से लैस किया जा सकता है। कैमरों और राउटर सहित विभिन्न पेलोड को समायोजित करने की क्षमता इसकी उपयोगिता को बहुमुखी बनाती है।

200 मीटर के रनवे से लॉचिंग, 600 किमी से ज्यादा है रेंज

- सोलर यूएवी तेजस-1 का टेक आफ वजन लगभग 25 किलोग्राम है। इसका पंख फैलाव 11 मीटर है। परिचालन रेंज 600 किलोमीटर से ज्यादा है। इसे सिर्फ 30 मिनट में उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा सकता है। यह ड्रोन ऊर्जा भंडारण के लिए बैटरी और गुरुत्वाकर्षण संभावित ऊर्जा का उपयोग करता है। इसे लगभग 200 मीटर के छोटे रनवे से लॉन्च किया जा सकता है, इस कारण इसे विभिन्न प्रकार के भौगोलिक स्थानों पर तैनात करना काफी आसान है। यह उन लंबी अवधि के मिशनों के लिए एक अत्यधिक आकर्षक समाधान है, जहां मानवीय उपस्थिति बनाए रखना या बार-बार ईंधन जुटाना काफी अव्यावहारिक या महंगा पड़ता है।

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

नए उत्पाद गैजेट

आगत का स्वागत

- इस साल कई शानदार स्मार्टफोन लॉन्च होने वाले हैं। कुछ बजट में और कुछ महंगे पर सभी दमदार तकनीक वाले। एप्पल आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स भी बाजार में उतरने को तैयार हैं। दो दूसरे कैमरों के साथ 48 मेगापिक्सल के टेलीफोटो सेंसर वाला कैमरा लेंस, आईफोन 17 की खासियत होने वाली है। एपल 17 सिरीज के लिए सितंबर तक इंतज़ार करना होगा।

- Vivo V60 को लेकर जानकारी ये मिली है कि ये 12 अगस्त को भारत में लॉन्च होगा। इस हैंडसेट में 50-मेगापिक्सल प्राइमरी शूटर, 8-मेगापिक्सल अल्ट्रावाइड लेंस और 50-मेगापिक्सल 3X पेरिस्कोप टेलीफोटो सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप होगा, जो पहले की लीक्स से मेल खाता है। Vivo स्मार्टफोन की कीमत भी लीक हुई है, जिससे पता चलता है कि ये एक मिड-रेंज डिवाइस हो सकता है। हाल ही में एक टिप्स्टर ने Vivo V60 के कथित रेंडर्स ऑनलाइन पोस्ट किए, जिसमें पिल-शेप्ड रियर कैमरा आइलैंड दिखाया गया।

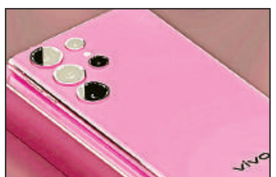

- गूगल का इंडिया स्पेसिफिक भारत में मेड फॉर गूगल इवेंट 14 अगस्त को लांच होगा। इस इवेंट में कंपनी अपने चार स्मार्टफोन को लांच कर सकती है। लीक रिपोर्ट की मानें, तो कंपनी पहली बार फोल्डेबल स्मार्टफोन को लांच कर सकती है, जिस स्मार्टफोन को लॉन्च किया जा सकता है, उसमें Pixel 9, Pixel 9 Pro, Pixel 9 Pro XL और Pixel 9 Pro Fold शामिल हैं।

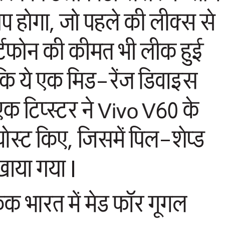

कैंसर के इलाज का रास्ता दिखाएगा चमगादड़

हम दोनों स्तन धारी फिर उसे क्यों नहीं यह बीमारी

फीचर डेस्क

कुछ ही दिनों पहले यह बात उजागर हुई कि स्तनधारी जीव चगादड़ों को कैंसर होने की आशंका लगभग न के बराबर होती है। वे अमूमन 25 साल जीते हैं और उनमें से कई तो इससे बहुत ज्यादा। शायद ही किसी को किसी तरह का कैंसर कभी हुआ हो। ऐसा क्यों होता है, यह समझने के लिये रोचेस्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जो शोध किया है वह नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ है। चमगादड़ में मिलने वाले कैंसर विरोधी गुणों की खोज मनुष्यों के लिये बड़े काम की हो सकती है। जीवविज्ञानी वेरा गोरबुनोवा और आंद्रेई सेलुआनोव के नेतृत्व में चार अलग प्रजातियों के चमगादड़ों पर शोध के दौरान वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि चमगादड़ में ट्यूमर सप्रेसर या कैंसर से लड़ने वाला एक गुणसूत्र या जीन होता है, जिसे पी 53 कहा जाता है। यह जीन एपोप्टोसिस, उर्फ सेल डेथ को नियंत्रित करता है। होता तो यह मनुष्यों में भी है। अंतर बस इतना है कि चमगादड़ों में यह पी53 जीन इतनी उन्नत किस्म का है, इतना कारगर और करामाती कि कैंसर को पनपने से पहले इसकी दो प्रतियां प्राकृतिक रूप से कैंसर की अचूक हत्या कर देती हैं। अब यह जानने की कोशिश हो रही है कि चमगादड़ों में कैंसर प्रतिरोधक क्षमता इतनी ताकतवर कैसे है। चमगादड़ वाली पी 53 मानव में पाई जाने वाली एपी53 कैंसर के मुकाबले में इतनी घातक कैसे? उसे इतना सटीक कौन बनाता है? बेशक, चमगादड़ की प्रतिरक्षा प्रणाली की भी इसमें बड़ी भूमिका है जो आक्रमणकारियों को नेस्तनाबूद करने में देर नहीं करते।

इन सबका यह मतलब नहीं है कि चमगादड़ को कभी कैंसर नहीं होता। असल में उनके शरीर का तंत्र कैंसर को झेलने के लिए खास बना है। जब उनमें कैंसर विकसित होता है, तो उनका शरीर बेहद जल्दी और कुशलता से कैंसर से लड़ने लगता है। जबकि हमारी शारीरिक प्राकृतिक प्रतिक्रिया इनके मुकाबले दयनीय लगती है। कैंसर से लड़ने में चमगादड़ इतने कामयाब क्यों हैं उनके गुणों पर शोध अभी जारी है। बरसों बाद, शायद एक दिन, हमको इससे एक ऐसी चिकित्सा प्रविधि हासिल होगी जो हमें इस मामले में कुछ हद तक चमगादड़ों जैसा बना सके, बस उल्टा लटक कर सोने की ज़रूरत नहीं होगी।

नज़र आसमानी

यह कोई पक्षी नहीं, नए प्रकार का ड्रोन है जिसे लिटिल फाल्कन ऑर्निथॉप्टर कहा गया है। इसका वीडियो फुटेज इसे अपने पंख फड़फड़ाकर पंछी के तरह उड़ता हुआ दिखाता है। चीन ने इसे टोह लेने, निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर हमला करने की नीयत से बनाया है। हूबहू पक्षी जैसा दिखने वाले ड्रोन को आसमान में बतौर खतरा पहचानना मुश्किल हो सकता है। हालांकि यह विचार नया नहीं है, 1960 के दशक में ऐसा प्रयोग हो चुका है, पर यह तकनीकी तौर पर उससे बहुत ज्यादा उन्नत है।

तकनीक क्षेत्र एआई की पहुंच पालतू तक

देश में पालतू पशु पक्षियों का बाज़ार जो अभी दस हजार करोड़ का है, दो बरस बाद तकरीबन 14 हजार और 2032 तक 21,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच जाएगा। वजह यह कि देश में पालतू रखने वालों की तादाद बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में यह तकनीकी पहलू उनके बहुत काम का साबित होने वाला है। एक शाम संतू जायसवाल के प्यारे पालतू सेंट बर्नार्ड "झुक्का" ग़ायब हो गया तो पुलिस में रिपोर्ट हुई, पोस्टर चिपकाए गये, मुहल्लों और सोशल मीडिया पर मुनादी हुई पर सब बेकार। वह आज भी नहीं लौटा, न तलाशा जा सका। लेकिन अमेरिका के माइकल बोवन का अनुभव अलग है। उनकी पिटबुल- मिल्ली, लोअर मैनहट्टन के खुले इलाके में टहलने के दौरान ऐसे भागी कि वह उसे पकड़ नहीं पाया। बहुत तलाश करने के बाद यह सोचता घर लौट आया, वह भी उसे ढूंढ रही होगी। बोवन की मां ने मिल्ली की तस्वीर लव लॉस्ट नाम के एक वेब साइट के डेटाबेस पर अपलोड कर कर दी जो पालतू पशुओं को एआई के फेस रिकग्नीशन तकनीक का इस्तेमाल कर पालतुओं को तलाशती, पहचान कर मालिकों से मिलवाती है। खैर, 14 घंटे के भीतर, उन्हें एक कॉल आया। पता चला मिल्ली वहां से 10 मील उत्तर भागी थी। वहाँ वह कार से टकराई और किसी ने उसे पशु चिकित्सालय में भरती कर दिया था। अस्पताल ने मिल्ली की तस्वीर भी उसी लव लॉस्ट साइट पर अपलोड की थी, तस्वीर की मिलान हो गई और ज़ाहिर है पालतू और मालिक की भी। नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित क यह तकनीक पालतू जानवर की अनूठी विशेषताओं जैसे आँखों के आकार पूंछ, मूंछ की लंबाई, टेढाई, बाल, चमड़ी, पंखों का पैटर्न, असामान्य निशान जैसे 512 डेटा पॉइंट एकत्र करता है, इसके बाद मिलान करके जानवरों की खोज करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह कि यह पालतू जानवरों को पहचानने की इतनी शानदार क्षमता रखता है कि जाने के बाद अगर जानवर के रंग रूप में बदलाव भी आ जाए तो यह पहचान जाता है।

बूचड़खाने होंगे बंद

दशकों बाद यह संभव हो सका तो स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा पशुओं के प्रति क्रूरता के विरुद्ध एक क्रांति होगी

कुछ बरस पहले आंध्रप्रदेश के हृदय रोग विशेषज्ञ और वैज्ञानिक वेलेटी ने कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों के साथ मिलकर लैब में कृत्रिम मांस तैयार किया था। पशु कोशिका द्वारा 9 से 21 दिनों में बनाया यह मांस हर तरह के संदूषण से दूर और स्वास्थ्य मानदंडों पर पूरी तरह खरा उतरा। इस मीट को मेम्फेसिस मीट कहते हैं। वेलेटी ने विल क्लेम जो बायो मेडिकल इंजीनियर हैं और निकोलस जीनेवेस जो स्टेम सेल बायोलॉजिस्ट हैं, के साथ मिलकर इसे तैयार किया।

लैब में पशु अंश और वनस्पति स्रोत से बना मांस पहले बहुत पसंद नहीं किया गया लेकिन दूसरे जानवरों और टर्की जैसे पक्षियों के मांस की नकल का काम चालू रहा लेकिन जटिल प्रक्रिया और लाखों गुना महंगा होने के चलते यह माना जाता रहा कि यह व्यावहारिक स्तर पर संभव नहीं हो सकेगा। आज इस बात की तैयारी ज़ोरों पर है कि बड़े रेस्त्रां या होटलों में अमीर लोगों की थाली तक बिना जानवरों का खून बहाये, उन्हीं से उत्पादित साफ, सुथरा, स्वास्थ्यप्रद सुस्वादु मांस पहुंचाया जा सके। बस सवाल कीमत का है। बीते दस सालों में वैज्ञानिकों ने इस तरह के मीट बनाने की लागत को 99 फीसदी तक कम किया फिर भी इसकी कीमत बाजारू मीट के हजार गुना रही। कोशिका से सीधे ही मांस को विकसित करने पर यह काम थोडा आसान और सस्ता हो गया है।

हम्पटन क्रीक कंपनी ने मीट का सस्ता विकल्प बनाया

- हम्पटन क्रीक कंपनी ने मीट का सस्ता विकल्प बनाया, है बिल्कुल मीट जैसा टेक्स्चर, वैसा ही स्वाद, खिंचाव, जो कुछ गुना ही महंगा है। बाजार को जितना मांस चाहिये उससे ज्यादा और लगातार उत्पादन की क्षमता की ओर कंपनियां अब तेजी से बढ़ रही हैं। इस काम में तमाम तरह की मशीनों, ऑटोमेशन तकनीक, प्रयोगशाला का कार्य और मानव श्रम चाहिये, सब झोंका जा चुका है। केमिस्ट, टिश्शू इंजीनियर सेल बायोलोजिस्ट सभी जुट गए हैं, हम्पटन क्रीक में ऐसे 60 से ज्यादा विशेषज्ञ काम पर लगे हैं। देखते है कवायद कितनी और कब तक कारआमद होती है। कब थाली तक पहुंचता है यह मीट। ताकि बूचड़ खाने हों बंद।

प्रस्तुति: संजय श्रीवास्तव

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,184.17	25,062.10
गिरावट	542.47	157.80
प्रतिशत में	0.66	0.63

सोना : 99,620 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,15,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025
www.amritvichar.com

भारत-ब्रिटेन में अब तक की सबसे बड़ी डील

एफटीए पर हस्ताक्षर से भारत में लग्जरी कारें, व्हिस्की, चॉकलेट, बिस्किट, सालमन फिश, कॉस्मेटिक सामान होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-ब्रिटेन में अब तक की सबसे बड़ी डील होने के बाद चमड़ा, जूते, ऑटोपार्ट, सीफूड, खिलौने और कपड़ों का रियायती दरों पर निर्यात संभव होगा, जिससे ये चीजें ब्रिटेन के लोगों को सस्ती मिलेगी। इसके साथ ही ब्रिटेन से आने वाले सामानों पर भी आयात सस्ता होगा, जिससे भारतीयों को व्हिस्की, चॉकलेट, बिस्किट, सालमन फिश, कॉस्मेटिक सामान, लग्जरी कारें आदि सस्ती मिलेंगी।

वहीं, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-ब्रिटेन एफटीए से ब्रिटिश बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी और रसायन जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे लगभग 23 अरब डॉलर के अवसर खुलेंगे। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) कहे जाने वाले इस समझौते पर बृहस्पतिवार को लंदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, लगभग 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए लगभग 23 अरब डॉलर के अवसर खुलेंगे, जो समावेशी और लैंगिक-समानता के लिए एक नए युग का सूत्रपात करेगा। कपड़ा, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और समुद्री उत्पादों से जुड़े कई एमएसएमई में कार्यरत कारीगर, बुनकर और दिहाड़ी मजदूर समृद्धि के एक नए चरण में प्रवेश करेंगे। गोयल ने कहा कि इस समझौते से लगभग 95 प्रतिशत कृषि उत्पादों का शुल्क मुक्त निर्यात सुनिश्चित होगा, जबकि मछुआरों को 99 प्रतिशत समुद्री निर्यात पर शून्य शुल्क से लाभ होगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी। समझौते का इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण और प्लास्टिक जैसे विनिर्माण-गहन क्षेत्रों पर भी परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। यह समझौता भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुएं भी प्रदान करेगा।

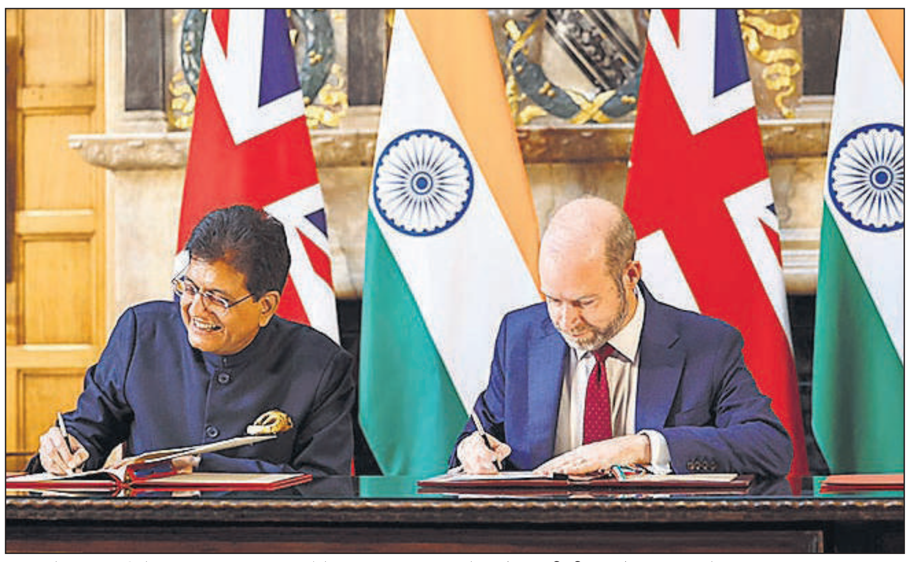

लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करते उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व उनके समकक्ष।

उद्योग जगत ने कहा- देश के उभरते व्यापार ढांचे में मील का पत्थर

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह भारतीय निर्तायकों के लिए परिवर्तनकारी पल है और इससे दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 60 अरब डॉलर से 2030 में दोगुना होकर 120 अरब डॉलर का हो जाएगा। एफटीए से ब्रिटेन को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम हो जाएगा, जबकि ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात आसान हो जाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने भारत-ब्रिटेन एफटीए पर कहा कि यह भारतीय निर्तायकों के लिए परिवर्तनकारी पल है। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 60 अरब डॉलर से 2030 में दोगुना होकर 120 अरब डॉलर का हो जाएगा।

ब्रिटेन में सामाजिक सुरक्षा अंशदान से 3 साल छूट, 75,000 भारतीयों को फायदा

नई दिल्ली। ब्रिटेन में परिचालन करने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस जैसी देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों को अब वहां (ब्रिटेन में) स्थानांतरित किए गए अपने कर्मचारियों के लिए तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान करने की जरूरत नहीं होगी। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इससे 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक नियोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। इससे भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं को ब्रिटेन में 36 महीने तक रहने के लिए इन अंशदानों से छूट मिल जाएगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ब्रिटेन 283 अरब डॉलर के भारतीय आईटी उद्योग के लिए दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।

जेनेरिक दवाओं, चिकित्सा उपकरण निर्यात को बढ़ावा

नई दिल्ली। ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत शून्य शुल्क पर सहमति के बाद भारत के जेनेरिक दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों जैसे एक्स-रे सिस्टम और सर्जिकल उपकरणों के निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, सर्जिकल उपकरण, जांच में उपयोग (डायग्नोस्टिक) वाले उपकरण, ईसीजी मशीन, एक्स-रे सिस्टम जैसे चिकित्सकीय उपकरणों के एक बड़े हिस्से पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। भारत वैश्विक स्तर पर दवा क्षेत्र के तहत 23.31 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात करता है और ब्रिटेन करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात करता है।

इंजीनियरिंग वस्तु: 2030 तक निर्यात 7.5 अरब डॉलर होगा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 18 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है, जिससे इनका निर्यात अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। उपकरणों का निर्यात अगले पांच वर्ष में लगभग दोगुना हो सकता है, जो 2029-30 तक 7.5 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। ब्रिटेन, भारत का छठा सबसे बड़ा इंजीनियरिंग निर्यात बाजार है। ब्रिटेन के साथ व्यापार में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सालाना आधार पर 11.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। सूचीबद्ध क्षेत्रों में इंजीनियरिंग उत्पाद क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक है जिसमें 1,659 शुल्क श्रेणियां हैं जो कुल श्रेणियों का 17 प्रतिशत है। भारत का वैश्विक इंजीनियरिंग निर्यात 77.79 अरब डॉलर है, जबकि ब्रिटेन 193.52 अरब डॉलर मूल्य के ऐसे उत्पादों का आयात करता है।

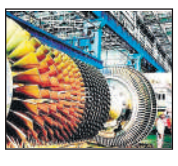

परिधान निर्यात के साथ रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। परिधान क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा होंगे। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और मानकों की पारस्परिक मान्यता में भी मदद मिलेगी, जिससे भारतीय परिधान निर्यातकों के लिए अनुपालन का बोझ कम होगा। ब्रिटेन एक वैश्विक 'फैशन' केंद्र और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा परिधान आयातक है। 2024 में इसने दुनियाभर से 19.7 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के परिधान का आयात किया। भारत ने पिछले वर्ष 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के वस्त्र का निर्यात किया और ब्रिटेन के शीर्ष चार आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन गया।

एफटीए पर मुख्य बातें

कृषि क्षेत्र :

- भारत को ब्रिटेन में फल, सब्जियां, अनाज, हल्दी, काली मिर्च, इलायची जैसे कई कृषि उत्पादों और खाने के लिए तैयार खाद्य, आम का गूदा, अचार और दालों जैसे प्रसंस्कृत उत्पाद तक शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी।
- भारत के 95 प्रतिशत से अधिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य शुल्क लाइन पर शून्य शुल्क लगेगा।
- शुल्क मुक्त पहुंच से अगले तीन साल में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि निर्यात के लक्ष्य में योगदान देगा।
- 'व्यापार में तकनीकी बाधाओं' (टीबीटी) से संबंधित प्रावधान प्रमाणीकरण को सुव्यवस्थित करेंगे, जिससे निर्यातकों के लिए समय और लागत में कटौती होगी।
- एफटीए कटहल, बाजरा और जैविक जड़ी-बूटियों जैसे उभरते उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच बनाता है, जिससे किसानों को घरेलू मूल्य अस्थिरता के खिलाफ विविधता लाने में मदद मिलती है।
- भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु को, ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से विस्तार मिलेगा।
- भारत डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दे रहा है।
- भारत वैश्विक स्तर पर 36.63 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि ब्रिटेन 37.52 अरब डॉलर का आयात करता है, लेकिन भारत से केवल 81.1 करोड़ डॉलर का आयात करता है, जो उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों में वृद्धि की संभावना दर्शाता है।
- इस समझौते से महाराष्ट्र (अंगूर, प्याज), गुजरात (मूंगफली, कपास), पंजाब और हरियाणा (बासमती चावल), केरल (मसाले) और पूर्वोत्तर राज्यों (बागवानी) को लाभ होगा।

समुद्री क्षेत्र

- सीईटीए भारत के समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन के शुल्क को समाप्त करता है।
- इससे भारतीय निर्यातकों के लिए मूल्य प्राप्ति में सुधार होगा, तथा उच्च खरीद दरों के माध्यम से तटीय मछुआरों को लाभ मिलेगा।
- ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात बाजार के बावजूद, भारत की हिस्सेदारी मात्र 2.25 प्रतिशत ही बनी हुई है, जो एक महत्वपूर्ण अप्रयुक्त निर्यात अवसर को रेखांकित करता है।
- भारतीय झींगा पर ब्रिटेन में मौजूदा शुल्क 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच है। इसके कारण, एफटीए के शुल्क उन्मूलन से विशेष रूप से झींगा, टूना, मछली के भोजन और चारे में तीव्र वृद्धि होने की उम्मीद है।
- झींगा, टूना, मछली का भोजन और चारा, जिन पर वर्तमान में 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच कर लगता है, पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे।

चाय-कॉफी

- ब्रिटेन पहले से ही भारत के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां भारत के कुल निर्यात का 1.7 प्रतिशत कॉफी, 5.6 प्रतिशत चाय और 2.9 प्रतिशत मसाला जाता है। अब इन उत्पादों पर शुल्क मुक्त पहुंच के साथ इसमें तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है।
- 'इंस्टेंट कॉफी' तक शुल्क-मुक्त पहुंच से भारतीय व्यवसायों को जर्मनी, स्पेन और नीदरलैंड जैसे त्वरित/मूल्य-वर्धित कॉफी के अन्य यूरोपीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।
- एफटीए, मूल्यवर्धित कॉफी उत्पादों, विशेषकर भारतीय इंस्टेंट कॉफी का ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करेगा।

तिलहन

- कम शुल्क और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय तिलहन निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से निर्यात में वृद्धि हो सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर

- शून्य-शुल्क पहुंच से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर केबल और इनवर्टर के कारण ब्रिटेन के बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

प्लास्टिक

- शुल्क मुक्त पहुंच से प्लास्टिक, फिल्म, शीट, पाइप, पैकेजिंग, टेबलवेयर और किचनवेयर के लिए ब्रिटेन की मजबूत मांग का लाभ उठाने का अवसर मिलता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारत ने विनिर्माण क्षमता सिद्ध कर ली है।
- शुल्क मुक्त पहुंच से भारत को ब्रिटेन के प्रमुख आयात स्रोतों जैसे जर्मनी, चीन, अमेरिका, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।
- अनुमानित वृद्धि दर 15 प्रतिशत है तथा कैलेंडर वर्ष 2030 के लिए अगले पांच वर्षों का लक्ष्य 18.7 करोड़ डॉलर है।

रत्न एवं आभूषण

- भारत का ब्रिटेन को कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 94.1 करोड़ डॉलर का है, जिसमें से 40 करोड़ डॉलर आभूषणों से आता है। यह एफटीए एक विशाल बाजार खोलता है क्योंकि ब्रिटेन सालाना लगभग तीन अरब डॉलर मूल्य के आभूषणों का आयात करता है। एफटीए के तहत शुल्क में छूट से अगले दो-तीन साल में ब्रिटेन को भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात में दोगुना वृद्धि होने का अनुमान है।

सेबी जुर्माना चूक मामले में दो निदेशकों को 6 महीने की सजा

मुंबई, एजेंसी

एक विशेष अदालत ने आभूषण फैशन एक्सेसरीज क्षेत्र से जुड़ी फर्म एम'बेले इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के दो निदेशकों को सेबी द्वारा लगाए गए एक करोड़ रुपये के जुर्माने को जमा करने में विफल रहने पर छह महीने के कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश आर एम जाधव ने 19 जुलाई को पारित एक आदेश में गोपू बेलानी और अनुपमा मोटवानी को दोषी ठहराया और उन्हें सज़ा सुनाई।

साथ ही, नियामक द्वारा मूल रूप से लगाए गए जुर्माने का भुगतान न करने पर उन्हें एक-एक करोड़ रुपये का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। सेबी ने 2014 में कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ सेबी अधिनियम, 1992 के तहत दंडनीय अपराध के लिए मामला दर्ज किया था।

कानपुर में बढ़ सकता 400 करोड़ का निर्यात कारोबार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारत-ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का शहर के निर्यात कारोबार पर भी बड़ा असर पड़ेगा। निर्यात विशेषज्ञों की मानें तो इस समझौते से निर्यातकों को दोनों देशों के बीच होने वाले कारोबार में 99 फीसदी उत्पादों पर फ्री ड्यूटी का लाभ मिलेगा।

इसके अलावा शहर में ब्रिटेन के कारोबारियों के साथ होने वाले ई कारोबार में लगभग 20 फीसदी का इजाफा हो सकता है। यह लगभग 400 करोड़ रुपये के आसपास है।

- **चमड़ा, खिलौने, इंजीनियरिंग गुड्स सहित शहर से कई अन्य प्रमुख उत्पादों का होता है निर्यात**

अभी दोनों देशों के बीच लगभग दो हजार करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार होता है। व्यापारिक समझौता होने के बाद माना जा रहा है कि शहर से सबसे अधिक चमड़ा, चमड़े के खिलौने, कृषि उत्पाद, टेक्सटाइल, होजरी, इंजीनियर गुड्स सहित अन्य उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। फियो के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते का शहर के निर्यातक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शहर के निर्यात कारोबार को लाभ होगा।

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

समझौते से स्किल्ड युवाओं के लिए 15 फीसदी रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। एमएसएमई सेक्टर के लिए भी व्यापार के अवसर लेकर आया है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से इस सेक्टर का भी दस फीसदी अधिक कारोबार बढ़ सकता है। शहर से ब्रिटेन में चमड़े के उत्पाद, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग गुड्स, चमड़े के खिलौने सहित अन्य उत्पाद निर्यात होते हैं। वर्ष 2030 तक निर्यात कारोबार में हर वर्ष 10 से 20 फीसदी के आस-पास बढ़ोत्तरी हो सकती है।

नेशनल ब्रीफ

निकम ने राज्यसभा सदस्यता की ली शपथ

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को वरिष्ठ वकील एवं न्यायविद् उज्ज्वल निकम ने मनोनीत सदस्य के रूप में शपथ ली। निकम ने मराठी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ लेने के बाद सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। निकम एक विख्यात वकील हैं, जिन्होंने सरकारी वकील के रूप में विभिन्न महत्वपूर्ण मुकदमों को अभियोजन पक्ष की ओर से लड़ा था।

साझा उम्मीदवार उतार सकता है इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन उपराष्ट्रपति के चुनाव में साझा उम्मीदवार उतार सकता है, हालांकि सभी घटक दलों से विचार-विमर्श के बाद ही इस पर अंतिम निर्णय किया जाएगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विपक्षी गठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, चुनाव को लेकर यह भावना है कि इसमें उम्मीदवार उतारा जाए।

विपक्षी सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

सोनिया समेत कई नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का जताया विरोध

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर-लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था।

उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद गिरिधारी यादव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अब तो सत्तापक्ष के लोग भी एसआईआर पर सवाल उठा रहे हैं, ऐसे में इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। यादव ने एसआईआर की कवायद का विरोध करते हुए कहा कि जो मतदाता सूची लोकसभा चुनाव में सही थी, वो विधानसभा चुनाव में गलत कैसे हो सकती है।

नई पीढ़ी के संस्कार देश देख रहा है: बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में हंगामा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों को आड़े-हाथों लिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार सदन में नारेबाजी करने, तख्तियां लाने और मेजें ठोंकने के लिए नहीं रहे हैं, लेकिन इस दल के मौजूदा सांसदों का आचरण पूरा देश देख रहा है। बिरला ने कहा, आपसे पहले भी कहा गया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। इसमें जनता के सवाल होते हैं और सरकार की जवाबदेही होती है...कई सांसदों ने कहा कि उनका प्रश्नकाल के दौरान मुश्किल से प्रश्न आता है, लेकिन आप लोगों का जिस तरह का व्यवहार होता है, वो संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं है।

राहुल ने कहा-ईसी की धोखाखड़ी के 100 प्रतिशत सबूत, चुनाव आयोग ने आरोप का किया खंडन

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन आयोग की ओर से धोखाधड़ी किए जाने के 100 प्रतिशत सबूत हैं और यदि आयोग सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर रहा है।

उन्होंने कर्नाटक के निर्वाचन क्षेत्र के नाम का उल्लेख नहीं किया। राहुल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग ने कहा, अगर चुनाव याचिका दायर की गई है, तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करें। अगर नहीं, तो अभी बेबुनियाद आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं? चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के भीतर चुनाव याचिका दायर की जा सकती है। ऐसी याचिकाएं उस राज्य के उच्च न्यायालयों में दायर की जा सकती हैं, जिसमें संबंधित निर्वाचन क्षेत्र आता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बारे में पूछे जाने पर संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, यह बहुत ही गंभीर मामला है।

एसआईआर विवाद: तेजस्वी बोले- बिहार विस चुनाव का बहिष्कार करने का विकल्प खुला है

पटना, एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पैदा विवाद के मद्देनजर उनकी पार्टी के पास आगामी चुनाव का बहिष्कार करने का विकल्प खुला है। विपक्ष के नेता ने मानसून सत्र के अंतिम पूर्व दिन राज्य विधानसभा के बाहर संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

कहा- समय आने पर गठबंधन सहयोगियों से चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे

यादव ने कहा, समय आने पर, हम गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे। एसआईआर के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह किसी धोखाधड़ी से कम नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, मतदाताओं की ओर से बूथ-स्तरीय अधिकारी गणना प्रपत्रों पर अपने हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगा रहे हैं। खाली प्रपत्रों का इस्तेमाल रद्दी कागज की तरह किया जा रहा है। इन विसंगतियों की ओर इशारा करने वाले स्वतंत्र पत्रकारों पर प्राथमिकियां दर्ज की जा रही है और सरकार को यह सब ठीक लग रहा है क्योंकि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के एक राजनीतिक औजार की तरह काम कर रहा है।

मृत और स्थायी प्रवासियों को सूची में नहीं रख सकते: सीईसी

बिहार वोटर लिस्ट विवाद पर चुनाव आयोग का फैसला

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि आयोग किसी प्रभाव में आकर मृतकों, स्थायी रूप से पलायन कर चुके लोगों या कई जगहों पर मतदाता के रूप में दर्ज लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं कर सकता।

उनकी यह टिप्पणी विपक्षी दलों द्वारा बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर आयोग पर बढ़ते हमलों के बीच आई है। विपक्ष का दावा है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। आयोग के अनुसार, उन्होंने कहा, क्या निर्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही शुद्ध मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की नींव नहीं है? उन्होंने कहा कि पहले बिहार में और बाद में पूरे देश में अपात्र लोगों को वोट देने की अनुमति देना संविधान के विरुद्ध है।

शाह ने सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए नई राष्ट्रीय नीति की पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक नई राष्ट्रीय नीति की घोषणा की। इस नीति का उद्देश्य हर गांव में अधिक पेशेवर रूप से प्रबंधित और वित्तीय रूप से स्वतंत्र सहकारी संगठन बनाना है। सहकारी समितियों के लिए इसी तरह की नीति वर्ष 2002 में लाई गई थी।

उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय

- **2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य मुख्य उद्देश्य**

जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में था। 23 साल बाद नई नीति लाई गई है। 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति - 2025' का अनावरण करते हुए, शाह ने ज़ोर देकर कहा कि सहकारिताएं, कराधान सहित सभी पहलुओं में कॉरपोरेट क्षेत्र के बराबर हैं। उन्होंने राज्यों से नई नीति को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि सहकारी क्षेत्र में भारत के लिए विकास लाने की क्षमता है।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य सहकारी संगठनों को पेशेवर, पारदर्शी, तकनीक से लैस और वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने के साथ-साथ सफल भी बनाना है। शाह ने कहा, देश के हर गांव में कम से कम एक सहकारी संस्था स्थापित करने का लक्ष्य है।

वर्ल्ड ब्रीफ

शंकराचार्य मंदिर पहुंचा शिव का पवित्र दंड

श्रीनगर। भगवान शिव के पवित्र दंड 'छड़ी मुबारक' को सदियों पुरानी परंपरा के अनुरूप 'हरियाली अमावस्या' (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना के लिए बृहस्पतिवार को यहां ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में छड़ी मुबारक को वार्षिक अमरनाथ यात्रा के तहत पूजा-अर्चना के लिए गोपाद्री पहाड़ियों पर स्थित मंदिर ले जाया गया। 'छड़ी मुबारक' के संरक्षक गिरि ने बताया कि 'छड़ी मुबारक' को यहां लाल चौक के निकट दशनामी अखाड़ा स्थित उसके निवास स्थान से मंदिर लाया गया, जहां पूजन किया गया।

थाईलैंड-कंबोडिया में सीमा विवाद तेज, 9 मरे

बैंकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया में चल रहा सीमा विवाद गुरुवार को खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया जिसमें थाईलैंड के नौ नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। देर शाम तक दोनों देशों के सीमांत इलाकों में रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। 'बैंकाक पोस्ट' ने जानकारी दी है कि कंबोडिया के हमले में एक बच्चे सहित नौ थाई नागरिकों मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। जबकि कंबोडिया में हताहतों की जानकारी नहीं मिल सकी। रायल थाई आर्मी के हवाले से बताया गया कि कंबोडिया की सेना ने रॉकेट दागे और आम लोगों को निशाना बनाया।

आईएईए के दौरे के लिए सहमत हुआ ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक तकनीकी टीम को देश में आने की अनुमति दे दी है। ईरान के कानून और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप-विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईएईए की टीम अगले दो-तीन सप्ताह में आएगी। गरीबाबादी ने कहा, आईएईए का एक प्रतिनिधिमंडल अगले दो-तीन सप्ताह में आने वाला है। वे कामकाज के तौरतरीकों पर बातचित करने के लिए आ रहे हैं न कि परमाणु स्थलों पर जाने के लिए। हमारा परमाणु उर्जा संगठन परमाणु संयंत्रों को हुए क्षति का आकलन कर रहा है।

वाहनों में 6 एयरबैग की मांग वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यात्री वाहनों में छह एयरबैग लगाए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी और कहा कि यह मामला पूरी तरह नीतिगत दायरे में आता है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सरकार को अभ्यावेदन दे। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह 17 मई को सरकार को अभ्यावेदन दे चुके हैं।

अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्त्रोत ईंधन का परीक्षण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पृथ्वी से लाखों मील दूर अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्त्रोत ईंधन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

गहरे अंतरिक्ष में अज्ञात चीजों का पता लगाने को अंतरिक्ष यान में पर्याप्त शक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। नासा के रेडियोआइसोटोप पावर सिस्टम इन अभियानों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प हैं जिसका उपयोग 60 वर्षों से किया जा रहा है। ये परमाणु बैटरी अंतरिक्ष यानों और विज्ञान उपकरणों को दीर्घकालिक विद्युत शक्ति प्रदान करती हैं। नासा ने कहा कि अब नासा एक नए प्रकार के आरपीएस ऊष्मा स्त्रोत ईंधन का परीक्षण कर रहा है जो भविष्य में चरम वातावरण में लंबी अवधि की यात्राओं के लिए अतिरिक्त विकल्प बन सकता है। ऐतिहासिक रूप से, रेडियोआइसोटोप प्लूटोनियम-238 नासा का पसंदीदा आरपीएस ऊष्मा स्त्रोत ईंधन रहा है जबकि दो दशकों से अमेरिकियम-241 यूरोप में पसंदीदा रहा है।

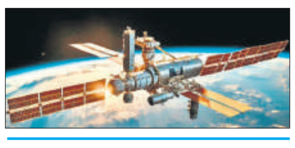

● गहरे अंतरिक्ष में यान की पर्याप्त शक्ति की जरूरत करेगा पूरी

माइक्रोप्लास्टिक के खतरे

विकसित देशों की तुलना में भारत में ज्यादा

माइक्रोप्लास्टिक वैसे तो एक वैश्विक पर्यावरणीय संकट बन चुका है जो न केवल प्रकृति बल्कि मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में इसका खतरा अपेक्षाकृत ज्यादा है। माइक्रोप्लास्टिक एक अदृश्य लेकिन गंभीर संकट है और इसका गहरा असर हवा, पानी, भोजन और स्वास्थ्य पर हो रहा है। मानव ही नहीं, जानवर भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। इस खतरे से बचाव के लिए प्रभावी नीतियों के अलावा वैज्ञानिक अनुसंधान और जान भागीदारी की भी त्वरित आवश्यकता है लेकिन विडंबना है कि इस दिशा में किए जाने वाले प्रयास काफी कम हैं और जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे कोई ज्यादा असरदार साबित नहीं हो रहे हैं।

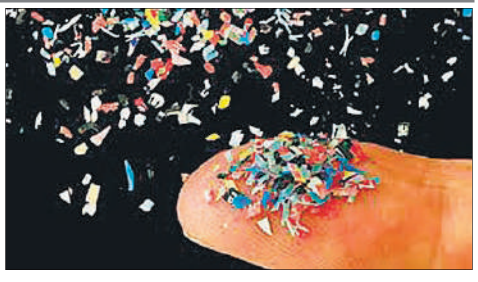

कैसे मिलते हैं वातावरण में

- सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों, घर्षण और समुद्र की लहरों से प्लास्टिक धीरे-धीरे टूटकर छोटे-छोटे कणों में बदल जाता है।
- ये कण पानी, हवा, मिट्टी में मिल जाते हैं और लंबे समय तक नष्ट नहीं होते। हवा और दूसरे माध्यमों से मानव शरीर में पहुंचते हैं।
- वॉशिंग मशीन से निकले सिंथेटिक फाइबर, टायर का घर्षण, माइक्रोबीड्स युक्त सौंदर्य प्रसाधन भी इनका प्रमुख स्रोत हैं।

क्या होती है माइक्रोप्लास्टिक

माइक्रोप्लास्टिक यानी 5 मिमी से छोटे आकार के प्लास्टिक कण जो मुख्यत: दो तरह के होते हैं।

- **प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक** : ये प्लास्टिक के छोटे कण होते हैं जिन्हें सौंदर्य प्रसाधनों, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों और औद्योगिक अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए जानबूझकर बनाया जाता है। उदाहरण के लिए, माइक्रोबीड्स जो एक्सफोलिएटिंग उत्पादों में पाए जाते हैं, ये प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक हैं।
- **द्वितीयक माइक्रोप्लास्टिक** : ये बड़े प्लास्टिक के सामानों के टूटने से बनते हैं, जैसे कि प्लास्टिक की बोतलें, पैकेजिंग, और सिंथेटिक कपड़े. सूर्य के प्रकाश, गर्मी, हवा और लहरों के संपर्क में आने से बड़े प्लास्टिक के टुकड़े टूटकर छोटे कणों में बदल जाते हैं, जो अंतत: माइक्रोप्लास्टिक बन जाते हैं।

मानव स्वास्थ्य पर खतरे

- माइक्रोप्लास्टिक पीने के पानी, खाद्य पदार्थों जैसे मछली, नमक, शहद, दूध और हवा के जरिए इंसानों के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं।
- ये शरीर में जाकर सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, और हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकते हैं। इनसे गंभीर रोग पैदा हो सकते हैं।
- कुछ अनुसंधानों में माइक्रोप्लास्टिस की वजह से फेफड़ों, लिवर, आंतों और यहां तक कि मस्तिष्क में सूक्ष्म स्तर पर क्षति देखी गई है।
- एक ताजा रिसर्च के अनुसार इंसान हर हफ्ते 5 ग्राम माइक्रोप्लास्टिक निगल सकता है जो एक क्रेडिट कार्ड के बराबर हो सकती है।

चिंताजनक : पर्याप्त नहीं प्रयास, निष्फलता ज्यादा

माइक्रोप्लास्टिक के बड़े खतरे सामने आने के बाद प्रतिबंध तो लगाए गए हैं लेकिन इसके बावजूद सिंगल यूज प्लास्टिक का अवैध उपयोग जारी है और सुधार की प्रगति काफी धीमी है। जन जागरूकता की कमी, कचरा पृथक्करण की असफलता और रिसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी से संकट जस का तस बना हुआ है। सरकार, उद्योग और आम जनता तीनों के संयुक्त प्रयासों की कमी से स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

संबंध बनाने की सहमति उम्र 18 से घटाकर 16 करने की सिफारिश

शीर्ष कोर्ट में किशोरावस्था की यौन गतिविधियों के अपराधीकरण को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिये वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ' मामले में शीर्ष अदालत की सहायता करने वाली न्यायमित्र जयसिंह ने पॉक्सो एक्ट 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों को पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए लिखित प्रस्तुतियां दी हैं।

उन्होंने दलील दी कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। जयसिंह ने कहा कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है, तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को नजरअंदाज करता है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, सहमति की आयु 16 से बढ़ाकर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट्य आंकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा इसे बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक यौन सहमति की आयु सीमा 16 वर्ष ही रही थी।

जयसिंह ने कहा कि शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की उम्र में वृद्धि बिना किसी बहस के की गई थी, और यह न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सिफारिश के विरुद्ध है। इस समस्या के समाधान के लिए, उन्होंने न्यायालय से कानून में आयु के निकट अपवाद को शामिल करने का आग्रह किया, जो 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को पॉक्सो और आईपीसी के तहत अभियोजन से छूट देगा। उन्होंने कहा, किशोरों के बीच यौन संबंधों को अपराध घोषित करना मनमाना, असंवैधानिक और बच्चों के सर्वोत्तम हितों के विरुद्ध है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने न्यायालय से कानून में 'आयु के निकट' अपवाद को शामिल करने का आग्रह किया, जो 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को पॉक्सो और आईपीसी के तहत अभियोजन से छूट देगा।

● वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने दीं लिखित प्रस्तुतियां

वरिष्ठ अधिवक्ता के तीन तर्क ...

- आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों सहित वैज्ञानिक और सामाजिक आंकड़े बताते हैं कि किशोरों में यौन गतिविधियां असामान्य नहीं हैं।
- जयसिंह ने 2017 और 2021 के बीच 16-18 वर्ष की आयु के नाबालिगों से जुड़े पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला दिया। कहा, अंतरजातीय या अंतरधार्मिक संबंधों से जुड़े मामलों में अधिकतर शिकायतें अक्सर लड़की की इच्छा के विरुद्ध माता-पिता द्वारा दर्ज कराई जाती हैं।
- न्यायमित्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि सहमति से यौन संबंध को अपराध घोषित करने से युवा जोड़ों को खुले संवाद और शिक्षा को प्रोत्साहित करने के बजाय छिपने, शादी करने या कानूनी परेशानी में पड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और भारतीय न्यायशास्त्र का दिया हवाला

वरिष्ठ अधिवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और भारतीय न्यायशास्त्र का हवाला देते हुए तर्क दिया कि कानूनी क्षमता सख्ती से उम्रबाधित नहीं है। जयसिंह ने बंबई, मद्रास और मेघालय सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों के रुझानों की ओर भी इशारा किया गया है, जहां जजों ने पॉक्सो के तहत किशोर लड़कों के खिलाफ स्वत: मुकदमा चलाने पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि इन न्यायालयों ने रेखांकित किया कि नाबालिगों से संबंधित सभी यौन कृत्य बलपूर्वक नहीं होते हैं, तथा कानून को दुर्व्यवहार और सहमति से बने संबंधों के बीच अंतर करना चाहिए। जयसिंह ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए यौन संबंध को दुर्व्यवहार नहीं माना जाना चाहिए और इसे पॉक्सो तथा दुष्कर्म कानूनों के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने पॉक्सो की धारा 19 के तहत अनिवार्य अभ्यावेदन दायित्वों की समीक्षा का आह्वान किया, जो किशोरों को सुरक्षित चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने से रोकता है।

> यौन स्वायत्तता मानव गरिमा का हिस्सा है, और किशोरों को अपने शरीर के बारे में विकल्प चुनने की क्षमता से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन है।
> – इंदिरा जयसिंह

पूर्वजों को श्रद्धांजलि

तमिलनाडु के कन्याकुमारी त्रिसमुद्री स्थल पर आदि अमावस्या के अवसर पर लोग गुरुवार सुबह अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए। कन्याकुमारी जिले में इस परंपरागत आयोजन के दिन सरकारी अवकाश रहता है। एजेंसी

भारत ने किया गाजा में संघर्षविराम का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने गाजा में जारी मानवीय संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वहां संघर्षविराम जरूरी है और यह भी स्पष्ट किया कि बीच-बीच में संघर्षविराम क्षेत्र की जनता के सामने मौजूद चुनौतियों को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को हुई एक चर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा, आज की बैठक गाजा में जारी मानवीय संकट की पृष्ठभूमि में हो रही है। हरीश ने 'फलस्तीन समेत पश्चिम एशिया में स्थिति' पर एक बहस में भाग लेते हुए कहा, बीच-बीच में संघर्षविराम, लोगों के सामने आ रही मानवीय चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अल्ट्रा लॉन्ग उड़ानों के लिए एअर इंडिया को चार कारण बताओ नोटिस

मुंबई, एजेंसी

विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया को चालक दल के सदस्यों के आराम और ड्यूटी मानदंडों, प्रशिक्षण नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न उल्लंघनों के लिए चार कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

एअरलाइन द्वारा नियामक के समक्ष कुछ स्वैच्छिक खुलासे करने के एक महीने बाद ये नोटिस जारी किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एअरलाइन की ओर से 20 और 21 जून को डीजीसीए के समक्ष किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर 23 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमें नियामक से ये नोटिस प्राप्त हुए हैं, जो पिछले एक साल में एअर इंडिया द्वारा किए गए कुछ स्वैच्छिक खुलासों से संबंधित हैं। हम निर्धारित अवधि के भीतर इन नोटिस का जवाब देंगे।

सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया द्वारा 20 जून को किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर तीन कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें कम से कम चार 'अल्ट्रा लॉन्ग हॉल' उड़ानों के संबंध में चालक दल की ड्यूटी और विश्राम नियमों का उल्लंघन शामिल है। इनमें से दो उड़ानें 27 अप्रैल को और एक-एक उड़ान 28 अप्रैल और दो मई को संचालित की गई थी।

● 16 घंटे से ज्यादा लंबी उड़ानें कहलाती हैं अल्ट्रा लॉन्ग

संयुक्त रूप से 16 घंटे से अधिक समय तक चलने वाली किसी भी उड़ान को 'अल्ट्रा लॉन्ग' कहते हैं। सूत्रों के अनुसार, कम से कम चार उड़ानों के संबंध में चालक दल के प्रशिक्षण और परिचालन प्रक्रिया का भी उल्लंघन हुआ, जिनमें 26 जुलाई, 2024 और नौ अक्टूबर, 2024 तथा 22 अप्रैल, 2025 को संचालित उड़ानें शामिल हैं। हाल के दिनों में, एअर इंडिया कुछ उल्लंघनों के लिए नियामकीय जांच के घेरे में रही है। इस बीच, 12 जून को लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक इमारत से टकरा गया। इस दुर्घटना में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश: राजद्रोह और जालसाजी के मामले में पूर्व सीजेआई हिरासत में

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एबीएम खैर-उल-हक को राजद्रोह के आरोप सहित तीन आपराधिक मामलों में बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया है।

हक 2010 से 2011 तक देश के 19वें प्रधान न्यायाधीश रहे थे। उन्हें ऐतिहासिक फैसले सुनाने के लिए जाना जाता है। उनकी अगुवाई वाली पीठ ने 2011 में व्यवस्था देते हुए बांग्लादेश की गैर-दलीय कार्यवाहक सरकार प्रणाली को असंवैधानिक घोषित किया गया था। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के उपायुक्त तालिब-उर-रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि जासूसी शाखा के अधिकारियों ने 81 वर्षीय पूर्व न्यायाधीश को राजधानी के धनमंडी इलाके में उनके आवास से हिरासत में लिया।

रहमान ने कहा, हक तीन मामलों में आरोपी हैं। कानूनी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश को अदालत में पेश करने से पहले कम से कम एक मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है।

जन्मजात नागरिकता : ट्रंप के फैसले पर रोक बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने बुधवार को एक फैसले में कहा कि जन्म आधारित नागरिकता को समाप्त करने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आदेश असंवैधानिक है। अदालत ने साथ ही देशभर में ट्रंप के फैसले पर अमल पर रोक लगाने वाले अधीनस्थ अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

यह फैसला '9वीं अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने सुनाया, इससे पहले न्यू हैम्पशायर के एक संघीय जज ने ट्रंप के आदेश पर रोक लगाई थी। अपील अदालत के फैसले से ट्रंप प्रशासन पर उस आदेश को लागू करने पर रोक रहेगी जो अवैध रूप से या अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने वाले लोगों के बच्चों को नागरिकता देने से इनकार करता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, डिस्ट्रिक कोर्ट ने सही निष्कर्ष निकाला है कि शासकीय आदेश की प्रस्तावित व्याख्या, जो अमेरिका में जन्मे कई लोगों को नागरिकता से वंचित करती है असंवैधानिक है। हम इससे पूरी तरह सहमत हैं। अदालत के फैसले पर फिलहाल 'व्हाइट हाउस' और न्याय मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

● आदेश को संघीय अपील कोर्ट ने असंवैधानिक बताया, निचली अदालत का देश भर में रोक का फैसला बरकरार

भारतीयों को काम देने और चीन में कारखाने लगाने के दिन गए

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन में कारखाने लगाने और भारत में लोगों को काम पर रखने के लिए अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की आलोचना की और आगाह किया कि ऐसा करने के दिन अब लद चुके हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी बुधवार को एआई शिखर सम्मेलन में की, जहां उन्होंने एआई संबंधी तीन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इसमें एआई के उपयोग के लिए व्हाइट हाउस की कार्य योजना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय तक अमेरिका का अधिकतर प्रौद्योगिकी उद्योग कट्टरपंथी वैश्वीकरण का अनुसरण करता रहा, जिसके कारण लाखों अमेरिकी ठगा महसूस करते रहे हैं।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 जुलाई, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 11.22 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

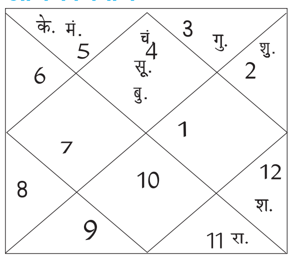

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुण्य 16.00 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष - आज मानसिक तनाव का असर आपके काम और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। घर के छोटे-छोटे काम को आज प्राथमिकता देंगे। कारोबार में सहकर्मियों के रवैये से नाखुश हो सकते हैं।

वृष - आज कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल रहेंगी। जॉब में आप बड़ा बदलाव कर सकते हैं। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। बौद्धिक कार्यों में आप काफी ध्यान देंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

मिथुन - आज विदेशी संस्थानों से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं। करियर को लेकर नई दिशा प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी से परामर्श लेना लाभकारी होगा। वैचारिक मतभेदों को अपने व्यक्तिगत संबंधों पर हावी न होने दें। आपको एकसाथ अनेक कार्य करने पड़ सकते हैं।

कर्क - आज युवा उद्यमियों को सम्मान मिल सकता है। मित्रों से वैचारिक मतभेद दूर होंगे। धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ेगी। घर की सुख-शांति बनी रहेगी। आपकी आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष शुभ है।

सिंह - आज का दिन सामान्य फलदायी रहेगा। परिजनों के साथ बैठकर गम्भीर मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दैनिक कार्यों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आसपास के लोगों के व्यवहार पर नजर बनाये रखें। कब्ज और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

कन्या - आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस करेंगे। शारीरिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। पुराने रोगों की बाधा समाप्त होगी। पूजा-पाठ और सत्संग में आप भाग लेंगे। खानपान पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि होगी।

तुला - आज विद्यार्थी उच्च शिक्षा को लेकर काफी सावधान रहेंगे। लोगों से आपकी जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। घर में बुजुर्ग आपके विचारों से सहमत रहेंगे। प्रेम संबंधों में आपको थोड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक - आज वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। मन की चञ्चलता पर नियंत्रण रखें। कर्ज और उधार चुकाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। लोगों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। अपने विचारों को लेकर थोड़े स्पष्ट रहें। जीवनसाथी की अहमियत को समझें।

धनु - आज आपकी परिस्थितियां प्रतिकूल हो सकती हैं। इसीलिए आपको सोच-समझकर ही निर्णय लेने चाहिए। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या होगी। पेट के विकार परेशान कर सकते हैं। ईर्ष्यालु लोग आपके विषय में गलत बातें प्रसारित कर सकते हैं।

मकर - आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। परिजनों का व्यवहार आपके प्रति बहुत ही अच्छा रहेगा। अपनी सफलता का भरपूर आनंद उठायेंगे। मित्र आपकी प्रत्येक कार्य में सहायता करेंगे। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव उत्पन्न होगा। समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

कुंभ - आज आपका स्वभाव थोड़ा अड़ियल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की परेशानियां दूर होंगी। पढ़ाई में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। उधार दिया हुआ धन आपको वापस करना पड़ेगा। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनेगी।

मीन - आज आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। नए काम की शुरुआत करने का विचार बनायेंगे। संतान की सफलता से उत्साहित रहेंगे। अपनी गलतियों को सुधारने के लिए दिन बहुत अच्छा है। मार्केटिंग संबंधी कार्यों से धन लाभ होगा।

सुडोकू -49

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6				8	
	8	9			4			5
3			2			7		
	2			8	9			6
		7				3	9	
9				1			4	
		1			7			8
4			1			9	5	
	9				5			

सुडोकू - 48का हल

7	6	5	9	3	1	2	4	8
9	4	3	6	2	8	1	5	7
8	2	1	5	7	4	3	9	6
5	9	6	8	1	3	7	2	4
3	7	4	2	5	9	8	6	1
1	8	2	7	4	6	9	3	5
4	3	7	1	6	2	5	8	9
6	1	9	3	8	5	4	7	2
2	5	8	4	9	7	6	1	3

> इंग्लैंड में जीतना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और टी-20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता के बारे में बहुत कुछ बयां करता है। इस शानदार प्रदर्शन से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
>
> –सचिन तेंदुलकर

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में कनाडा की खिलाड़ी कलात्मक तैराकी के महिला युगल फ्री फाइनल में प्रतिस्पर्धा करती हुईं।

डॉसन से इंग्लैंड को मजबूती मिली : वॉन

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि बायें हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल करने से मेजबान टीम को मजबूती मिली है क्योंकि वह ऑलराउंडर हैं और टीम को आवश्यक संतुलन प्रदान करते हैं। शोएब बशीर की चोट के कारण आठ साल के अंतराल के बाद अंतिम एकादश में शामिल किए गए 35 वर्षीय डॉसन ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल को अपनी सातवीं गेंद पर ही आउट करके अपना प्रभाव छोड़ा। वॉन ने कहा वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिनसे कप्तान अच्छी गेंदबाजी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी फील्डिंग की उम्मीद कर सकता है।

ईएफआई की साख कम हो रही है: कुरैशी

नई दिल्ली : अदालत द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एसवाई कुरैशी ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के कामकाज का आकलन करने के बाद चुनाव कराने की मांग करते हुए कहा इसके कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच अंतहीन कलह खेल संस्था की साख कम कर रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नवंबर 2019 में राजस्थान घुड़सवारी संघ की एक याचिका का जवाब देते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी को ईएफआई के कामकाज की देखरेख का जिम्मा सौंपा था। उच्च न्यायालय ने 29 मई 2024 को अंतरिम व्यवस्था के रूप में नवंबर 2019 में चुनी गई कार्यकारी समिति को बहाल कर दिया था।

आईओए ने सीईओ को लेकर विवाद खत्म किया

नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद ने बृहस्पतिवार को एक लंबे विवाद को खत्म करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी और डोपिंग से निपटने के लिए एक पैनल का गठन किया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (आईओसी) ने 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान डोपिंग में देश के खराब रिकॉर्ड पर चिंता जताई थी, इसलिए इससे निपटना काफी अहम है। कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने जनवरी 2024 में अध्यक्ष पीटी उषा द्वारा की गई अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था जिसका मुख्य कारण उनका 20 लाख रुपये प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे।

नागल टैम्पियर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नीदरलैंड के मैक्स हूकेस को हराकर टैम्पियर चैलेंजर स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं अर्जुन काधे और विजय सुंदर प्रशांत स्विट्जरलैंड में जुग ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हार गए। मैच के लिए सर्विस करते हुए नागल को दूसरे सेट के 10वें गेम में कई ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा लेकिन वह 6-2, 6-4 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे।

जमशेदपुर ने त्रिभुवन को 3-2 से हराया

जमशेदपुर : जमशेदपुर एफसी ने गुरुवार को 134वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी के पहले मैच में नेपाल की त्रिभुवन आर्मी एफसी (टीएएफसी) को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हरा दिया। नेपाल आर्मी की टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दो बार बराबरी का गोल किया लेकिन निखिल बारला के गोल ने जमशेदपुर एफसी की जीत के साथ शुरुआत सुनिश्चित की। जमशेदपुर के लिए सार्थक गोलौई और मनवीर सिंह ने शुरुआती दो गोल किए जबकि त्रिभुवन आर्मी एफसी के लिए कप्तान जॉर्ज प्रिंस कार्की और अनंत तमांग ने गोल किए।

भारत की पारी 358 रन पर सीमित बेन स्टोक्स ने झटके पांच विकेट

चौथे टेस्ट मैच का दूसरा दिन : इंग्लैंड ने चाय तक बिना विकेट खोए 77 रन बनाए

मैनचेस्टर, एजेंसी

ऋषभ पंत ने पैर में फ्रैक्चर के बावजूद अर्धशतक जड़ा लेकिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (72 रन पर पांच विकेट) ने आठ साल में पहली बार पांच विकेट चटकाकर भारत को चौथे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन चाय से पूर्व पहली पारी में 358 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड ने इसके जवाब में तेज शुरुआत करते हुए चाय तक 14 ओवर में बिना विकेट खोए 77 रन बनाए। बेन डकेट 43 जबकि जैक क्रॉली 33 रन बनाकर खेल रहे हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत नहीं की और दिशाहीन गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अपने दो छोटे स्पैल में विकेट हासिल नहीं कर पाए जबकि अनुभवी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। सत्र का आकर्षण हालांकि पंत रहे जिन्होंने चलने में हो रही परेशानी के बावजूद 75 गेंद में 54 रन की पारी खेली। पंत ने जोफ्रा आर्चर (73 रन पर तीन विकेट) की धीमी गेंद पर मिडविकेट और स्क्वायर लेग के बीच से छक्का जड़ा और फिर स्टोक्स को कवर के ऊपर से चौका लगाकर यादगार अर्धशतक पूरा किया।

इस पारी के लिए खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई गईं। आर्चर ने आखिरकार जब पंत को बोल्ड किया तो विरोधी टीम ने भी उनकी साहसिक पारी के महत्व को स्वीकारा और जो रूट ने उनकी पीठ थपथपाई। स्टोक्स ने कंबोज को विकेट के पीछे कैच कराकर पारी में पांच विकेट पूरे किए जबकि आर्चर ने जसप्रीत बुमराह को विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत की पारी का अंत किया। सुबह के सत्र में पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे जबकि शारदुल ठाकुर ने जुझारू पारी खेलकर लंच तक भारत को छह विकेट पर 321 रन तक पहुंचाया। भारत ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 264 रन से की। आसमान में छाए बदलों के बीच इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों विशेषकर आर्चर की गेंद काफी सीम और स्विंग कर रही थी। आर्चर को उनके शुरुआती स्पेल में अधिकांश समय बल्लेबाजों को खेलने में काफी परेशानी हुई।

स्टोक्स की गुड लेंथ की कुछ गेंदों ने काफी उछाल हासिल किया जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलों और बढ़ गईं। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत में ही नई गेंद ली और क्रिस वोक्स को थमाई लेकिन मेजबान टीम को शुरुआती सफलता आर्चर के अगले ओवर में मिली।

ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर मैच के दूसरे दिन गेंद लगने से वाशिंगटन सुंदर का संतुलन बिगड़ गया। एजेंसी

भारतीय टीम अगले साल इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी

■ **मैनचेस्टर** : इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत अगले साल सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा जिसमें पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। भारत का दौरा एक जुलाई को डरहम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जिसके बाद मैनचेस्टर (चार जुलाई), नॉटिंघम (सात जुलाई), ब्रिस्टल (नौ जुलाई) और साउथम्प्टन (11 जुलाई) में मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। इसके बाद 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम भी अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगी। वह इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एक टेस्ट मैच खेलेगी। टी20 श्रृंखला 28 मई को चेम्सफोर्ड में शुरू होगी। 30 मई को ब्रिस्टल और दो जून को टॉन्टन में मैच खेले जाएंगे। एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

भारत पहली पारी

358/10 (114.1 ओवर)

जायसवाल का ब्रूक बो डॉसन	58
केएल राहुल का क्रॉली बो वोक्स	46
सुदर्शन का कार्स बो स्टोक्स	61
शुभमन गिल पगबाधा बो स्टोक्स	12
ऋषभ पंत बो आर्चर	54
रविंद्र जडेजा का ब्रूक बो आर्चर	20
शारदुल का डकेट बो स्टोक्स	41
वाशिंगटन का वोक्स बो स्टोक्स	27
कंबोज का स्मिथ बो स्टोक्स	00
बुमराह का स्मिथ बो आर्चर	04
मोहम्मद सिराज नाबाद	05

अतिरिक्त : 30, **गेंदबाजी** : वोक्स 23-5-66-1, आर्चर 26.1-3-73-3, कार्स 21-1-71-0, स्टोक्स 24-3-72-5, डॉसन 15-1-45-1, रूट 5-0-19-0

ऋषभ पंत (दाएं) का स्वागत करते मोहम्मद सिराज। एजेंसी

पंत के अंगूठे में फ्रैक्चर, दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरे

मैनचेस्टर, एजेंसी

- **बीसीसीआई ने कहा ऋषभ बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध रहेंगे**

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण मौजूदा टेस्ट में विकेटकीपर की जिम्मेदारी नहीं निभा पाएंगे, लेकिन बृहस्पतिवार को दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे जबकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा कि इस अहम मुकाबले में वह टीम की जरूरत के अनुसार वह बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध रहेंगे।

पंत बुधवार को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल हो गए थे। तब वह 37 रन पर खेल रहे थे। दाहिने पैर में चोट लगने के कारण वह रिटायर्ड हर्ट हो गए और स्कैन के लिए गए। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन दाहिने पैर में चोट लगने के बाद ऋषभ पंत बाकी मैच में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे।

चोट के बावजूद ऋषभ पंत दूसरे दिन टीम से जुड़ गए हैं और टीम की जरूरत के अनुसार बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। इससे पहले बोर्ड से शुरुआत में संकेत मिले थे कि पंत श्रृंखला से बाहर हो गए हैं और उनके कवर के तौर पर इशान किशन को बुलाया जाएगा। भारत ने 314 रन के स्कोर पर शारदुल ठाकुर के रूप में अपना छठा विकेट गंवाया जिसके बाद पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आक्रामक अंदाज के कारण विश्व क्रिकेट में खास जगह बनाई है। उन्होंने इस श्रृंखला में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

महिला यूरो 2025 सेमीफाइनल फुटबॉल मैच में जीत के बाद जश्न मनातीं स्पेन के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में

ज्यूरिख, एजेंसी

- **बीमारी से लौटी ऐताना बोनमाटी के गोल से मिली सफलता**

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा।

दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बोनमाटी ने कहा मैं अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी।

बीसीसीआई एशिया कप की मेजबानी के लिए तैयार

नई दिल्ली/ढाका : भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता सितंबर में संक्षिप्त रूप से फिर से शुरू होगी क्योंकि बीसीसीआई के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आगामी एशिया कप टी 20 टूर्नामेंट की मेजबानी करने का रास्ता साफ हो गया है।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एसीसी की बैठक के बाद यह फैसला हुआ जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने आयोजन स्थल पर चर्चा के लिए हिस्सा लिया। बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व इसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वर्चुअली किया। एसीसी के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया बीसीसीआई यूएई में एशिया कप की मेजबानी करेगा। भारत के अपने सभी मैच दुबई में खेलने की संभावना है। कार्यक्रम पर अब भी विचार-विमर्श चल रहा है। यह टूर्नामेंट यूएई में आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया कि वे केवल सपाट पिचों पर ही रन नहीं बनाते

मैनचेस्टर, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विषम परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करते साबित कर दिया कि वे केवल सपाट पिचों या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन नहीं बनाते। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58) और केएल राहुल (46) ने भारत को ठोस शुरुआत दी।

इसके बाद साई सुदर्शन (61) और ऋषभ पंत (37 रन पर रिटायर्ड हर्ट) ने 72 रन की साझेदारी की जिससे भारतीय टीम पहले दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रही। मांजरेकर ने जियो हॉटस्टार पर कहा आज का दिन उन लोगों के लिए करारा जवाब था जो यह मानते हैं कि यह युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम केवल सपाट पिचों पर या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन बनाता है। उन्होंने कहा इंग्लैंड में अमूमन इस तरह की परिस्थितियां मिलती है और उनका गेंदबाजी आक्रमण भी पहले से मजबूत नजर आ रहा था। बेन स्टोक्स ने फिर से अधिक ओवर किए जबकि लियाम डॉसन ने शोएब बशीर से बेहतर गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर उसकी गेंदबाजी को और मजबूती प्रदान कर रहे थे। मांजरेकर ने कहाभारत का इन परिस्थितियों में पहले दिन चार विकेट पर 264 रन बनाना उसका एक और ठोस बल्लेबाज़ी प्रदर्शन है।

संजय मांजरेकर। एजेंसी

गिल की आक्रामकता नयी नहीं है : पटेल

■ **नई दिल्ली** : भारतीय कप्तान शुभमन गिल के आक्रामक रवैये ने एक बहस छेड़ दी है पर पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का कहना है कि यह नया नहीं है। पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के दौरान योजनाओं को लागू करने में गिल की दृढ़ता और स्पष्टता के लिए सराहना की। लॉर्ड्स टेस्ट में गिल ने जैक क्रॉली और उनके सलामी जोड़ीदार बेन डकेट तीसरे दिन के अंत में क्रीज पर 90 सेकेंड देरी से पहुंचने पर उनसे बहस की थी। भारत तब इंग्लैंड के पहली पारी के 387 रन की बराबरी करने में कामयाब रहा था और खेल के बचे हुए छह मिनट में दो ओवर निकालना चाहता था। हालांकि यह संभव नहीं हो सका क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आने में समय लिया।

उन्नति ने बड़ा उलटफेर करते हुए सिंधु को हराया

चांग्झू (चीन), एजेंसी

- **सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे**

उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधु को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

रोहतक की इस किशोरी ने 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधु सात साल में पहली बार किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की।

पोलैंड में चोपड़ा व नदीम का आमना सामना मुश्किल

कराची : पोलैंड में डायमंड लीग में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले पर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी की हाल में इंग्लैंड में पिंडली की मांसपेशियों की सर्जरी हुई है। चोपड़ा और नदीम 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद अगले महीने पहली बार आमने-सामने होने वाले थे।

पाकिस्तानी एथलीट ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो से स्वर्ण पदक जीता था। तोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा को पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में डायमंड लीग और फिर अगले महीने स्विट्जरलैंड में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने वाले थे।

प्रशंसा | भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 व वनडे दोनों सीरीज जीतकर किया है कमाल

इंग्लैंड में जीत से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा : सचिन

नई दिल्ली, एजेंसी

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भारत की दो श्रृंखलाओं में जीत से इस साल होने वाले वनडे विश्व कप और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले महिला टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने टी20 श्रृंखला 3-2 से जीत कर नया इतिहास रचा।

यह पहला अवसर था जबकि भारतीय महिला टीम ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इंग्लैंड से श्रृंखला जीती। भारत ने इसके बाद वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत 30 सितंबर से श्रीलंका के साथ एकदिवसीय विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। इसके बाद इंग्लैंड में 2026 में टी-20 विश्व कप का आयोजन होगा। तेंदुलकर ने रेडिट पर कहा इंग्लैंड में जीतना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और टी-20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता के बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

उन्होंने कहा इस शानदार प्रदर्शन से टीम का आगे होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा। दो विश्व कप सामने होने के कारण यह टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी था। शाबाश टीम इंडिया। भारत अब 14 सितंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा और इसके बाद अपनी धरती पर होने वाले विश्व कप में भाग लेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बाद जश्न मनाती महिला टीम। एजेंसी

सभी खिलाड़ियों ने धैर्य से काम लिया

■ तेंदुलकर ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सभी खिलाड़ियों ने धैर्य से काम लिया और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पहले मैच में अपना पहला टी-20 शतक बनाया, जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने तीसरे वनडे में शतक लगाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा 21 वर्षीय क्रांति गौड़ ने तीसरे वनडे में छह विकेट लिए। यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय तेज गेंदबाज और कुल मिलाकर पांचवीं गेंदबाज बन गई। तेंदुलकर ने कहा पहले टी20 मैच में स्मृति के शतक ने दौरे की शुरुआत में ही लय बना दी थी। आखिरी वनडे में हरमनप्रीत के शतक ने उस लय को और मजबूती प्रदान की। अन्य ने भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई।